



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ८] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी २४, १९९० (फाल्गुन ५, १९११)

No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 24, 1990 (PHALGUNA 5, 1911)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—बाण १—रक्षा भवालय को छोड़कर भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विवित नियमों, विविधता तथा आदेशों, संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं .	167	भाग II—बाण ३—उप-बाण (iii) भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा भवालय भी शामिल हैं) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संच सासित कदों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिस्सी अधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के बाण ३ या बाण ४ में प्रकाशित होते हैं) .	पृष्ठ
भाग I—बाण २—(रक्षा भवालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, कुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं .	193	भाग II—बाण ४—रक्षा भवालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और सांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं .	पृष्ठ
भाग I—बाण ३—रक्षा भवालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, कुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं .	*	भाग II—बाण ४—रक्षा भवालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश .	*
भाग I—बाण ४—रक्षा भवालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, कुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं .	141	भाग III—बाण १—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, संच सासित कदों के प्रशासनों को छोड़कर द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं .	213
भाग II—बाण १—अधिनियम, विध्यावेदन और विनियमों का हिस्सी आदेश में प्राविकृत पाठ .	*	भाग III—बाण २—पेटेन्ट कार्यालय द्वारा जारी की गई ऐटेन्टों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और मोटिस .	179
भाग II—बाण २—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रबन्ध समितियों के विवर तथा रिपोर्ट .	*	भाग III—बाण ३—मूल्य आवृत्तों के प्राधिकार के विवरों विवरों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं .	*
भाग II—बाण ३—उप-बाण (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा भवालय की छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संच सासित कदों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं) .	*	भाग III—बाण ४—विधिय अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक नियमों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विशापन और मोटिस शामिल हैं .	1069
भाग II—बाण ३—उप-बाण (ii) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा भवालय को छोड़कर, और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संच सासित कदों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं .	*	भाग IV—गैर-सरकारी अधिकारियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विशापन और मोटिस .	25
भाग V—अंतर्राष्ट्रीय और हिस्सी दोनों में जन्म और मृत्यु के आकड़ों को निपाने वाली अपुरक .	*		

* जारी करे प्राप्त मर्मी ।

CONTENTS

PAGE	PAGE		
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court.	167	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories).	213
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	193	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	179
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	*	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	213
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	141	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 1—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1069
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	25
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories),	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

भाग I--खण्ड 1

[PART I--SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

श्रोतोगिक विकास विभाग

नक्षीकी विकास महानियंदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1990

संकल्प

सं० सी० पी० ९ (१) ८९—संकल्प सं० सी० पी० (२) ८६—सी० पी०—दिनांक 6-6-1984 के प्रम मे भारत सरकार ने कार्बन तथा ऐफाइट उत्पाद उद्योग की विकास नामिका के गठन का विस्तार नियमित अनियंत्रित सदस्यों सहित करने का निर्णय लिया है—

१८. श्री डॉल० एम० डिसूजा, अध्यक्ष,
गोवा कार्बन लि०, ईम्पो हाउस, कम्पल,
पर्सिम, गोवा-४०३००१।

१९. श्री एन० बेकटारामार्नी, उप अध्यक्ष (बाणजयक),
कार्बन कार्पोरेशन लि०, बंजावर टूसरी मजिल,
नरीमन पाइट, बम्बई-१०००२।

२०. श्री पी० के० जाना, कार्यकारी नियंत्रक,
केमिकल एण्ड एन्यूअर्ड प्रोडक्ट्स,
एक्सप्रेस्ट्रोमोशन परियोग वाउसिल बड़ेरूड सेन्टर,
११/१-वा०, इजरा स्ट्रीट कलकत्ता-७००००७।

२१. श्री मी० दे० घर, प्रमुख (मार्केटिंग)
स्टील इंडियनी आफ इंडिया २, केयरली लेम,
कलकत्ता-१००००३।

२२. डा० दी० एम० भट्ट, वैश्वानिक 'ई', केन्द्रीय
मेन्टल प्यूल रिम्चर्ज इम्प्रियूट,
पी० एम० एफ० आर० १-८२८१०४।
घनवाद (बहार)।

उपरोक्त दण्डाई गई विकास नामिका के अनावा दिनांक 6-6-1984
के संकल्प मे विकास नामिका का शेष गठन वही रहगा।

आदेश

अदेश दिया जाता है कि संकल्प का एवं प्रात सभी संबंधित को भेजा जाए। यह भा० आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प का एवं प्रति सामान्य मूल्यांकने के लिए भारत ने गठन के भी प्रतार्जित का जाए।

मदन माहेन, नियंत्रक (प्रशासन)

नामिका के विचारण विषय निम्न प्रकार से होगे—

१. उद्योग के विकास को धनंजयन अवस्था पर विचार करना एवं उसके लिए उपायों के बारे मे सुझाव देना।
२. उद्योग की विभिन्न आवश्यकताओं का राख्यावार धनेवार अध्ययन करना तथा बढ़ती हुई आवश्यकताओं को पुग करने के सिए और अधिक समस्या उत्पन्न करने के बारे मे सुझाव देना।
३. उत्पाद की किसी तथा प्रांयोगिकी के उत्पन्न महिने भावी प्रोत्योगिकीय आवश्यकताओं का पूर्वानुमान लगाना।
४. विभिन्न सम्बन्धों मे उत्पन्न अनुसंधान एवं विकास युविधाधों को बढ़ावा देना।

५. जिस सीमा तक मानकीकरण कर लिया गया है उसकी जांच करना तथा भारतीय मानक मंस्थान के परामर्श से और अधिक मानकीकरण मे विषिष्ट कार्य कर्मों को प्रस्तुत करना।

६. कल्चे माल और ऊर्जा नियेशन की आवश्यकता एवं उनके संरक्षण/प्रतिस्थापन पर विचार करना।

७. देशी और आयायित दोनों प्रकार की मशीनरी आदि आवश्यकताओं पर विचार करना।

८. बर्नमान ग्रंथको का आधुनिकीकरण करना।

९. आयाय प्रतिस्थापन/नियोन मंवधन।

१०. नक्षीकी संवाचियों की आवश्यकता प्रीर उनको प्रशिक्षण देना।

११. उद्योग मे काय वे स्थान तथा आवासरण मे अपनाएं गए प्रदूषण के उपायों की समीक्षा करना।

१२. कोई अन्य उपयुक्त विषय।

ऊर्जा मंत्रालय

कोयला विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1990

संकल्प

गं० ई०-११०११-७/५४-हिन्दू—भारत सरकार ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) के संकल्प गं० ई०-११०११-७/४५-हिन्दू दिनांक 30 मई, 1986 के अनावत कोयला विभाग मे संवधित विषयों पर लेखको द्वारा हिन्दी मे मौर्गिक पुस्तके लिए पुरस्कार प्राप्त करने का एक योजना अधिसूचित बी गई थी। इस योजना का नाम 'कोयला हिन्दी अन्य पुरस्कार योजना' है। इस योजना के अधीन प्रथम और द्वितीय पुरस्कार की गणि क्रमांक, रु० 10,000—द्वितीय रु० 5,000— रु० 3,000 थी। अब यह नियंत्रण लिया गया है कि इस योजना के अधीन प्रथम द्वितीय पुरस्कार की गणि क्रमांक, रु० 10,000—द्वितीय रु० 5,000— रु० 3,000 थी। अब यह नियंत्रण लिया गया है कि इस योजना के अधीन प्रथम द्वितीय पुरस्कार की गणि क्रमांक, रु० 10,000—द्वितीय रु० 5,000— रु० 3,000 थी। अब यह नियंत्रण लिया गया है कि इस योजना के अधीन प्रथम द्वितीय पुरस्कार की गणि क्रमांक, रु० 10,000—द्वितीय रु० 5,000— रु० 3,000 थी।

इस योजना के सम्बन्ध म बाकी घरें पहले जीर्ण हो जाएं।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रति सभी ग्राम सरकारों/मध्य दोकानों की मरकाने और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों विभागों और भारत के सभी विष्वविद्यालयों तथा सभी ग्रामानार प्रतियोगियों को भेजो जाए।

यह आदेश दिया जाता है कि ग्राम सरकार को जन-ग्रामानार के ग्रामों को नियंत्रण करना।

रीमनीशालिनी शमा नियंत्रक

संचान और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1990

गुरु-पंच

गं० ई०-२७०१९/१४-प्रशा०—सूचना और प्रसारण मंत्रालय की दिनांक 15-12-1989 की समस्याक अधिसूचना मे तीसरी पंचित म ('इमेल किए जाने वाले' शब्दो के भावन पर गृह्ण के लिए) प्रतिस्थापित किया जाए अंतिम सूचना की पात्रवाली पतित मे "जन के बाद" शब्दो को नियाल विद्या जाए और अंतिम सूचना बी इसी पतित मे "प्रसारी" शब्द के बाद "मई/जून, 1989 मे" गृह्ण समर्मात्म किए जाए।

गं० ई० एम० शमा०, अवर मंत्रिव

रेल यंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)
नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1990
[नियमावली]

सं. 89/ई(जी.आर)।/18/2—निम्नलिखित सेवाओं/पदों में एकित्यां भरने के लिए 1990 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली सम्मिलित प्रतियोगिता इंजीनियरी सेवा परीक्षा की नियमावली मंत्रालयों/विभागों की सहभागि सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है ॥—

वर्ग 1—सिविल इंजीनियरी

श्रृंखला 'क' सेवाएँ/पद

- (1) इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (2) भारतीय रेल भौतार सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (3) केन्द्रीय इंजीनियरी पद
- (4) भारतीय सर्वेक्षण सेवा, श्रृंखला 'क'
- (5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (6) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल), शाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कॉल
- (7) भारतीय आयुद्ध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शास्त्र) सिविल इंजीनियरी पद
- (8) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) श्रृंखला 'क'
- (9) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) सीमा सड़क इंजीनियरी, सेवा श्रृंखला 'क'
- (10) भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रृंखला 'क' (सिविल इंजीनियरी पद)

श्रृंखला 'क' सेवाएँ/पद

- (11) सहायक इंजीनियर (सिविल), सिविल निर्माण स्कॉल आकाशवाणी ।

वर्ग 2—यांत्रिक इंजीनियरी

श्रृंखला 'क' सेवाएँ/पद

- (1) यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा ।
- (2) भारतीय रेल भौतार सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ॥
- (3) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ॥
- (4) केन्द्रीय पर्यावरण इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ॥
- (5) भारतीय आयुद्ध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शास्त्र) (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ॥
- (6) केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (7) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ॥

(8) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत तथा यांत्रिक) यांत्रिक इंजीनियरी पद, सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा श्रृंखला 'क'

(9) भारतीय निरीक्षण सेवा श्रृंखला 'क' (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।

(10) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिक इंजीनियर (कैनिष्ठ) श्रृंखला 'क'

(11) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिक इंजीनियर (कैनिष्ठ) श्रृंखला 'क' ।

(12) सहायक प्रबन्धक (कारखाना), दूर-संचार विभाग (दूर-संचार कारखाना संगठन) ।

(13) कारखाना अधिकारी श्रृंखला 'क' (यांत्रिकी इंजीनियरी पद) इं-एम-ई कार, रेखा यंत्रालय ।

(14) भारतीय आपूर्ति सेवा श्रृंखला 'क' (यांत्रिकी इंजीनियरी पद) ।

वर्ग 3—वैद्युत इंजीनियरी

श्रृंखला 'क' सेवाएँ/पद

(1) वैद्युत इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा ।

(2) भारतीय रेल भौतार सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।

(3) केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।

(4) भारतीय आयुद्ध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शास्त्र) (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।

(5) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।

(6) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (वैद्युत) (शाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कॉल) ।

(7) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महा निवेशालय (वैद्युत इंजीनियरी पद) ॥

(8) भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रृंखला 'क' (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।

(9) भारतीय आपूर्ति सेवा, श्रृंखला 'क' (वैद्युत इंजीनियरी पद) ॥

श्रृंखला 'क' सेवाएँ/पद

(10) भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रृंखला 'क' (सिविल इंजीनियरी शास्त्र) ।

वर्ग 4—इलैक्ट्रोनिकी और दूरसंचार

इंजीनियरी

श्रृंखला 'क' सेवाएँ/पद

(1) सिगनल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा ।

(2) भारतीय रेल भौतार सेवा (दूर-संचार) इलैक्ट्रोनिकी इंजीनियरी पद) ।

(3) भारतीय दूर-संचार सेवा ।

(4) इंजीनियर आयरलैस आयोजन और समन्वय स्कॉल/मनुष्यवाच संगठन ।

(5) भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा ।

- (6) भारतीय आयुर्वेद कारखाना सेवा (इंजीनियरी शास्त्र) (इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) ।
- (7) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (दूर-संचार इंजीनियरी पद) ।
- (8) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महानियोगसालय इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी पद) ।
- (9) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क' (इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) ।
- (10) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' (इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) ।
- (11) कार्यशाला अधिकारी ग्रुप 'क' (इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) ई. एम. ई. केर, रेल मंत्रालय ।

1. परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इन नियमों के पुरीरित 1 में निर्धारित रीति से ली जाएगी ।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग निश्चित करेगा ।

2. उम्मीदवार उपर्युक्त सेवाओं/पदों के बारे में से किसी एक या अधिक के लिए प्रतियोगी हो सकता है । उसे उपने आवेदन-पत्र में उन सेवाओं/पदों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए जिसके लिए वह वरीयताक्रम में विचार किए जाने का इच्छुक हो ।

विशेष ध्यान 1:—उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वह उपने आवेदन-पत्र में उन सभी सेवाओं/पदों का वरीयताक्रम में उल्लेख करे जिन सेवाओं/पदों के लिए वह नियमों की शर्तों के बन्दूसार पात्र है । यदि वह किसी सेवा/पद का वरीयताक्रम नहीं लिखता है अथवा आवेदन-पत्र में किसी सेवाओं/पदों को सामिलित नहीं करता है तो वह मान लिया जाएगा कि उन सेवाओं/पदों के लिए उसकी कोई विशिष्ट वरीयता नहीं है और ऐसी स्थिति में सेवाओं/पदों के लिए उम्मीदवारों के वरीयताओं के बन्दूसार आवंटन करने के पश्चात् जिनमें विविधताएँ होंगी उसका किसी भी क्षेत्र सेवाओं/पदों पर आवंटन कर दिया जाएगा । इस प्रकार का आवंटन करते समय उन उम्मीदवारों को पहले ग्रुप 'क' सेवाओं/पदों और बाद में ग्रुप 'ब' सेवाओं/पदों के लिए विचार किया जाएगा ।

विशेष ध्यान 2:—उम्मीदवार जिन सेवा/पद से संबद्ध वर्ग/वर्गों अर्थात् सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, और इंजीनियरी और इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी के प्रतियोगी हैं (नियमावली की प्रस्तावना देखें) उनके अन्तर्गत आने वाली सेवाओं/पदों के बारे में उम्मीदवारों द्वारा निर्दिष्ट वरीयताओं में परिवर्तन के बन्दूख पर कोई ध्यान तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक ऐसे परिवर्तन का अनुरोध आयोग के कार्यालय में लिखित परीक्षा के परिणाम के रोजगार समाचार में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर प्राप्त नहीं हो जाता है । आयोग या रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) उम्मीदवारों के कोई ऐसा पत्र नहीं भेजेगा जिसमें उनसे उनके आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए परिशोधित वरीयता निर्दिष्ट करने को कहा जाए ।

विशेष ध्यान 3:—उम्मीदवार केवल उन्हीं सेवाओं और पदों के लिए अपनी वरीयता बताएं जिनके लिए वे नियमों की शर्तों के बन्दूसार पत्र हों और जिनके लिए वे प्रतियोगी हों, जिन सेवाओं और पदों के लिए वे पात्र नहीं हैं और जिन-

सेवाओं और पदों से सम्बन्धित परीक्षाओं में उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाना है । उनके बारे में बताई गई वरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा ।

विशेष ध्यान 4:—वे विभागीय उम्मीदवार, जिन्हें आय सीमा में छठे के अधीन [दोस्रे नियम 5 (ब)] परीक्षा में आग लेने की अनुमति दी गयी है, अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त किए जाने के लिए भी अपनी वरीयता दें सकते हैं । तथापि पहले उनके योग्यताक्रम के बन्दूसार उनके अपने ही विभाग में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने पर विचार किया जाएगा और केवल उन विभागों में विभागीय उम्मीदवारों के उनके अपने ही विभागों में सेवाओं/पदों के लिए विकित्सा जांच में अद्योग्य रहने की स्थिति में ही उनके द्वारा वे गयी वरीयताओं के आधार पर अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने के सम्बन्ध में विचार किया जाएगा ।

विशेष ध्यान 5:—नियम 6 के उपर्युक्त में अन्तर्गत परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों की केवल उन्हीं वरीयताओं पर विचार किया जाएगा जो उक्त उपर्युक्त में निर्दिष्ट पदों के लिए हैं और अन्य सेवाओं और पदों के लिए उनकी वरीयताओं विदि कोई हों, पर विचार नहीं किया जाएगा ।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली विविधताओं की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में विविधिष्ट की जाएगी । अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित विविधताओं की संख्या सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी ।

4. कोई उम्मीदवार या तो :—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) नेपाल की प्रजा हो, या
- (ग) भूटान की प्रजा हो, या
- (घ) भारत में स्थायी निवास के द्वारा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो, या
- (ड) भारत में स्थायी निवास के द्वारा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य दंजानिया (भूतपूर्व दंभानिका और जंजीवार, के पूर्वी अफ्रीकी देशों या जाम्बिया, मलावी, जर्मनी, इथियोपिया और वियतनाम) से प्रवृत्त एवं आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो ।

किन्तु शर्त यह है कि उपर्युक्त वर्ग (ख), (ग), (घ) और (ड) से सम्बद्ध उम्मीदवार को सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान कर दिया हो ।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु नियुक्ति प्रस्ताव केवल उभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो ।

5. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आय 1 अगस्त, 1990 को 20 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 28 वर्ष पूर्व न हो हो अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1962 से पहले और 1 अगस्त, 1970 से बाद न हुआ हो ।

(ख) नियम-दो के नीचे दिए गए विशेष ध्यान (3) में निर्दिष्ट शहातों के अध्यधान रहत हुए नैमालोकत योगी के सरकारी कर्म-चारियों के लिए, यदि वे नीचे दिए गए कालम-1 निर्दिष्ट प्राधिकरणों के नियन्त्रणाधीन किसी विभाग/कार्यालय में नियुक्त हैं और कालम-2 में निर्दिष्ट सभी अधिकारी किसी सेवा (सेवाओं)/पद (पदों) के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने हेतु जिसके लिए वे अन्यथा पात्र हैं, आवंटन करते हैं—उपरी जायु-सीमा 28 वर्ष के स्थान पर 33 वर्ष होगी।

- (1) वह उम्मीदवार जो सम्बद्ध विभाग/कार्यालय विशेष में मूल रूप से स्थायी पद पर है। उक्स विभाग/कार्यालय में रथायी पद पर नियुक्त परिवीक्षाधीन अधिकारी को उसकी परिवीक्षा की अवधि दे दीरान यह छूट नहीं मिलेगी।
- (2) वह उम्मीदवार जो [किसी विभाग/कार्यालय विशेष में] 1 अगस्त, 1990 को कम से कम 3 वर्ष लगातार अस्थायी सेवा नियमित आधार पर कर चुका है।

कालम 1	कालम 2
रेस विभाग	बाई० बार० एस० ई०, बाई० बार० एष० ई० ई०, बाई० आ० ए० ए० ए० ई०, बाई० आ० ए० ए० ए० ए०, बाई० आ० ए० ए० ए०।
केन्द्रीय कोक नियमित विभाग	स०० ई० ए० ए० ए० ए० क, स०० ई० ए० ए० ए० ए० ए० ए० क।
आयुष कारबाहा महानियेतालय	बाई० घो० ए० ए० ए० ए० ए० क, स०० ए० ए० ए० ए० ए० (पुरुष क) सेवा।
केन्द्रीय विद्युत प्रशिक्षण	स०० घी० ए० (पुरुष क) सेवा।
वैज्ञान आयोजन एवं संगठन	इजीनियर (पुरुष क)।
समाजव एवं स्वास्थ्य अनुशंश	
संगठन	
संपर्क सीमा संगठन	सीमा सेवा इजीनियरी सेवा।
आकाशवाणी दूरदर्शन	प्राप्तीय प्रसारण (इजीनियरी)
वाहन-पार विभाग	हेवा का कविल वित्तमाल, सहायक इजीनियर (पुरुष क) (विविल इजीनियर), विविल कम्प्युटर विद्या, वाकाशवाणी आरोपी दूरदर्शन उपकरण, वाहन-पार विभाग का विविल वित्त सहायक कार्यकारी इजीनियर (विविल वित्त) वैज्ञानिक विभाग विविल वित्त सहायक विभाग (कारबाहा) पुरुष 'क' वाहन-पार दूरदर्शन वाहन-पार विभाग संवेदन विभाग, पुरुष 'क'
वाहन-पार विभाग	वाहनीय संवेदन विभाग, पुरुष 'क'।
विभाग तथा तकनीकी विभाग	सहायक विभाग अधिकारी (इजीनियरी) पुरुष "क"
तकनीकी विभाग नहानियेतालय	
आपूर्ति और निपटान	बाई० ए० ए० (पुरुष 'क')।
महानियेतालय	
आरोपी अविभाग	यांत्रिक इजीनियर (कविल) पुरुष 'क'/वयों इजीनियर (वित्त) पुरुष 'क'।
संघवाच	

टिप्पणी 8—प्रशिक्षण की वर्द्धनी वै दाय योवि रत्नी भा० किसी कार्यकारी पद पर नियुक्त हो आती है तो छूट में छूट वै प्रयोजन के लिए प्रशिक्षण की अवधि रत्न सेवा मानी जायेगी।

(6) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अंशातिग्रस्त क्षेत्र रित उपरी आयु सीमा में छूट दा जायेगी—

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पाँच वर्ष तक;
- (2) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 से भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (4) यदि उम्मीदवार बर्मा से 1 जून, 1963 का या उक्त बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत-मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और बर्मा से 1 जून, 1963 का या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत-मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (6) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अंशातिग्रस्त क्षेत्र में कोई कार्रवाई के दौरान विकलाग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप नियुक्त होए रक्षा सेवा के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;
- (7) शत्रु देश के साथ राष्ट्र में या अंशातिग्रस्त क्षेत्र में कोई कार्रवाई के दौरान विकलाग हुए तथा अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हसके परिणामस्वरूप नियुक्त होए रक्षा सेवा के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (8) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशनप्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों/अल्प-कारीलक सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 अगस्त, 1990 का कम से कम 5 वर्ष की सेवानक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अवधान वाधार पर व्यक्ति न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्ति पर कार्यमूक्त हुए हैं इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त, 1990 में एक वर्ष के अन्वर पूरा होना है (11) या सैनिक सेवा से हुए दारोंरिक अपंगता या (11) अवशकता के कारण कार्यमूक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक पाँच वर्ष तक;
- (9) भूतपूर्व सैनिक (कमीशनप्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों/अल्प-कारीलक सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों सहित) जो अ.जा. या अ.ज. जा. वै हैं, तथा जिन्हान 1 अगस्त, 1990 का कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की हो और जो (1) कदाचार या अवधान वाधार पर व्यक्ति न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल वै समाप्ति पर कार्यमूक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त, 1990 में एक वर्ष के अन्वर पूरा होना है (11) या सैनिक सेवा से हुए दारोंरिक अपंगता या (11) अवशकता के कारण कार्यमूक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक पाँच वर्ष तक;

म एक वर्ष के अन्दर पूरा होना) [11] या सैनिक सेवा में हॉर्स बारीरिक अपग्रेड (12) अक्षमता के कारण कार्यसंचय हाएँ तँडके मामले में अधिक से अधिक 10 वर्ष सक।

- (10) आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों/अल्प-कालीन सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त, 1990 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से लाए भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और अपने हाने पर नियकित प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष;
- (11) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के इसे आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त, 1990 की सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से लाए भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और अपने हाने पर नियकित प्रस्ताव प्राप्त करने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 10 वर्ष;
- (12) यदि कोई उम्मीदवार पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक वै अधिक के दौरान साधारणतः अम्म राज्य में रहा है तो अधिक से अधिक 6 वर्ष तक,

- (13) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का है और पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान प्राधारणतः अम्म राज्य में रहा था, तो अधिक से अधिक राज्य वर्ष तक।

टिप्पणी 1:—‘भूतपूर्व सैनिक शब्द उन व्यक्तियों पर लाग होगा जिन्हें मरण-मरण पर राज्यान्धित ‘भूतपूर्व सैनिक’ सिविल सेवा तथा पदान् परनगरणार्थ नियम, 1970 मा परिभास्त किया गया है।

टिप्पणी 2:—‘भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने अपने पूनः रोजगार छोड़ सैनिकों के द्वारा जाने वाले लाभों को लेने के बाद सिविल क्षेत्र में परकारी नीकरी पहले ही ले ली है उपर्युक्त नियमावली के नियम 5(ग) (8) और 5(ग) (9) के अधीन आयु-सीमा में छह के बाद नहीं है।

विशेष धारा:—जिस उम्मीदवार के उपर्युक्त, नियम 5 (स) या (ग) में उल्लिखित आय संबंधी नियायतें देकर परीक्षा दें प्रधान दिया गया है उसकी उम्मीदवारी उस स्थिति में बदल कर दी जाएगी यदि आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद वह परीक्षा देने से पहले या बाद में वह से राज्य-पत्र दे देता है या उसकी विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवा प्रमाण कर दी जाती है। किन्तु आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से कूटनी भी जाती है जो वह परीक्षा देने का पात्र बना देता है।

जो उम्मीदवार विभाग द्वा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय के स्थानान्तरित हो जाता है वह उस सेवा/पत्र हेतु विभाग वी है इसी अंतर्भूत विभाग ने कर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का दाता रहता है जिसका पात्र वह स्थानान्तरण न होने पर रहता रहता है कि उसका आवेदन-पत्र उसके सूल विभाग द्वारा अद्योतन कर दिया गया है।

उपर्युक्त व्यवस्था के अलावा नियरित आयु-सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

6 उम्मीदवार—

- (क) के पास भारत के केन्द्र या राज्य विभाग में से द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की पा संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मानी गई किसी अन्य शिक्षा संस्थान से इजीनियरी में दियी होनी चाहिए;
- अथवा
- (ख) इजीनियरी की संस्था (भारत) की परीक्षा का भाग के और वा उत्तीर्ण हो, अथवा
- (ग) के पास किसी विवेशी विश्वविद्यालय/कालिज/संस्था से इजीनियरी में डिसी/डिप्लोमा होना चाहिए, जिसे सभव-समय पर इस प्रयोजन के लिए, मरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हो; अथवा
- (घ) इलैक्ट्रॉनिकी और दूर-मन्त्रालय इजीनियरी की संस्था (भारत) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो; या
- (ङ) भारतीय वैस्त्रिनकों सोसायटी की एसोशिएट मेम्बर-शिप परीक्षा भाग ॥ और ॥। लग्न क और वा उत्तीर्ण हो; या
- (च) सांत्रिक इजीनियरों की संस्था (भारत) की एसोशिएट मेम्बरशिप परीक्षा (भाग क और वा) उत्तीर्ण हो; या
- (ज) नवम्बर, 1959 के बाद ली गई इलैक्ट्रॉनिकी और रेडियो इजीनियरों की संस्था (लद्दान) वी ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण होगी :
- (1) कि जिन उम्मीदवारों में नवम्बर, 1959 से पहली ली गई परीक्षा उत्तीर्ण की है वे ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा की 1959 के बाद की योजना के अनुसार नियम-लिखित अतिरिक्त प्रश्न-पत्रों में बैठे हों और उनमें उत्तीर्ण हों :—
 - (1) रेडियो और इलैक्ट्रॉनिकी 1 के स्विधांत (संक्षेप “ए”)
 - (2) गणित ॥ (संक्षेप “बी”)
 - (2) कि संबद्ध उम्मीदवारों को उपर्युक्त (1) पर नियरित गतों को पूरा करने के लिए इलैक्ट्रॉनिकों और रेडियो इजीनियरों की संस्था (लद्दान) में प्रमाण-पत्र लेकर प्रस्तुत कुप्राप्त जाहिए ॥

किन्तु वायरलैस आयोजन तथा समन्वय स्कॉर्स/अनुश्रवण मंगठन संचार मंत्रालय में इंजीनियरी पत्र के भारतीय प्रसारण इंजीनियरी सेवा तथा भारतीय नीसेना आयोध्य सेवा (इलैक्ट्रॉनिको इंजीनियरी पद) के पदों के लिए उम्मीदवारों के पास उपर्युक्त कोई योग्यता या निम्नलिखित योग्यता हो जैसे :—

वायरलैस संचार इलैक्ट्रॉनिको रॉडियो भौतिक या रॉडियो इंजीनियरी के विशेष विषय के साथ एम. एसी डिप्लोमा या समकक्ष ।

टिप्पणी 1 :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह पौर्णिक रूप से इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है । जो उम्मीदवार इस प्रकार की अहंक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है । ऐसे उम्मीदवारों को यदि अन्यथा पात्र होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा । परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तिम भाँति जाएगी और यदि वे अहंक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण बख्ती में जल्दी और हर हालत में 17 दिसम्बर, 1990 तक नीचे निर्धारित पत्र में प्रस्तुत नहीं करते तो वह अनुमति रद्द कर दी जा सकती है ।

टिप्पणी 2 :—विशेष परिवर्तियों में संच लोक सेवा आयोग एम्बेक्स किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र भाँति सकता है जिसके पास उपर्युक्त वहाँताओं में से कोई अहंता न हो वहाँते कि उम्मीदवार किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मानानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उद्दृष्ट परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है ।

टिप्पणी 3 :—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अहंक प्राप्त कर ली है किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की ऐसी विशेष है जो सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त नहीं है वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसमें आयोग की विष्कृति पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है ।

7 उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित अनुक्रम का भूगतान अवश्य करना चाहिए ।

8. जो उम्मीदवार सरकारी नैकरी में स्थाई हो वह स्थायी रूप में काम कर रहे हों जाहे वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी कर्मों न हों पर आकर्तिस्मक या दैनिक दर पर नियुक्त न हए हों अथवा जो लोक उद्यमों में सेवारत हों, उन मन्त्रकोडों द्वारा आयोग का परिवर्तन (अण्डरटॉकिंग) देना होगा जिन उन्होंने अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को लिखित रूप में यह समिक्षित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया ।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी ।

9 परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा ।

10 किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ एम्बीशन) न हो ।

11. आयोग ने जिस उम्मीदवार को दोषी पाया अथवा अधिकत किया हुआ हो :—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य अधिकत से छह मास में कार्यमाधन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये हैं जिनमें तथ्यों को विवाद़ा गया हो, अथवा
- (5) गलत या झटके विषय किये हैं या किसी भ्रष्टाचारी तथ्य की छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियर्मित अधिकत अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (8) उत्तर-प्रूफिंस कामों पर असंगत बातें लिखी हों जो असली भाषा में या अमद्र आशय की हों, या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दूर्घट्टवहार किया हो, या
- (10) परीक्षा भवन के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक अति पहुँचाई हो, या
- (11) परीक्षा की अनुमति देते हए उम्मीदवारों को भी ऐसे गए प्रमाण-पत्र के साथ आरी अनुदर्शी का उल्लंघन किया हो, अथवा
- (12) उपर्युक्त बहाँों में उल्लिखित सभी अधिकता किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवप्रीत करने का प्रयत्न किया हो ।

तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :—

- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
- (ब) उसे अस्थायी रूप से अधिकता एक विशेष अवैध के लिए :—
 - (1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अधिकता विवरण के लिए,
 - (2) केवल ये सरकार द्वारा उनके अधीन किसी भी नैकरी से बाहरित किया जा सकता है, और
- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विवराद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अमूल्यासनिक कार्यवाही की जा सकती है ।

किन्तु यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्त्र तब नहीं होती जो जाएगी जब तक कि :—

- (1) उम्मीदवार वह इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनमत समय में प्रस्तुत अभ्यावदेन पर, यदि कोई हो, विचार न कर दिया गया है।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें आयोग की विवाद पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

परन्तु यदि आयोग के मतानसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसन्धित जातियों और अनुसन्धित जन-जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त मन्द्या में व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार बुलाए न जा सकते हों तो आयोग उनकी स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

13. (1) साक्षात्कार के लिए आयोग इस प्रकार उम्मीदवारों को अन्तिम रूप से लिए गए कल प्राप्तांकों के साक्षात् पर उनके योग्यताक्रम के अनुसार नामों की सूची उतार दिया और इस परीक्षा का परिणाम निकलने पर उनकी अनारक्षित साली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उनके द्वारा ऐसे उम्मीदवारों की योग्यताक्रम के अनमार नियुक्त ऊरजे के लिए अनुशंसा की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य पाए गए हों।

(1) आयोग द्वारा अनुमति जाति तथा अनुसन्धित जन-जाति के उम्मीदवारों की, अनुसन्धित जाति तथा अनुसन्धित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक, स्तर में छूट देकर सिफारिश की जा सकेगी किन्तु शर्त यह है कि ये उम्मीदवार सेवा पर नियक्त के लिए उपयुक्त हों।

परन्तु अनुसन्धित जाति तथा अनुसन्धित जनजाति के जो उम्मीदवार अन्य सम्बद्धियों के उम्मीदवारों के साथ-साथ इस उप-नियम में वर्णित किसी छूट का लाभ उठाए बिना चुने जाते हैं उनका समाधान अनुसन्धित जाति तथा अनुसन्धित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों में नहीं किया जाएगा।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किया रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

15. नियमों की अन्य व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियमित करते समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताए गए वर्गीयताक्रम पर आयोग द्वारा उन्नीत ध्यान दिया जाएगा।

विभागीय उम्मीदवारों को योग्यताक्रम के अनमार पहले उनके बपने ही विभाग में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने पर विचार किया जाएगा और केवल उन विभागों में विकल्पों के द्वारा उम्मीदवारों के, उनमें अपने विभागों में सेवाओं/पदों के लिए चिकित्सा जांच में अयोग रहने की मिथ्यता में ही, उन्हें उनके द्वारा दी गई वर्गीयताओं के आधार पर अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियक्त करने के संबंध में विचार किया जाएगा।

16. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से वे नियक्त का अधिकार नहीं मिल जाता, इसके लिए आवश्यक है कि मरकार आवश्यकतानसार जांच करके इस तात्त्व में मंत्रालय हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पर्वतित हो चुके हों इस सेवा में नियक्त के लिए हर प्रकार से उपर्युक्त है।

17. उम्मीदवारों को मानसिक और शारीरिक हाई स्टेट होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य के काशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विहित डाक्टरी परीक्षा जो सरकार या नियुक्ति प्राप्तिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, यथास्थिति के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह जात हूआ कि इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी।

परीक्षा के लिखित भाग के आधार पर जो उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त मन्द्या में व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार बुलाए न जा सकते हों तो आयोग उनकी स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

डाक्टरी जांच की नारीख या स्थान में परिवर्तन का अन्तरोध नामान्य स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को यह नोट कर लेना चाहिए कि किसी भी बालत में डाक्टरी जांच से छूट के अन्तरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों का ध्यान इसमें प्रकाशित शारीरिक परीक्षा में संबंधित विनियमों की ओर आर्कीष्ट किया जाता है। उसमें विभिन्न सेवाओं के लिए शारीरिक स्वस्थता के मापदण्ड अलग-अलग हैं। अतः उम्मीदवारों को यह सलाह दी जाती है कि जिन सेवाओं के लिए वे प्रतियोगी हैं जिनके सेवाओं/पदों के लिए सं. लो. से. आ. को वरीयता बतायी है उन सेवाओं के विवेष मंत्रों में इन मापदण्डों की ध्यान में रखें।

उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि :

(1) उनको (सोलह रुपये) रु. 16/- की नकद राशि में डिक्केल बोर्ड को भगतान करनी होगी;

(2) डाक्टरी जांच के संबंध में कोई गई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा; और

(3) उम्मीदवार की डाक्टरी जांच हो जाने का अर्थ यह नहीं होगा कि नियक्ति के लिए उसके मामले पर विचार किया ही जाएगा।

उम्मीदवार यह नोट कर लें कि उन्हें रेल मंत्रालय (रेल एक्सेस) द्वारा डाक्टरी जांच से संबंधित अलग से कोई सूचना नहीं देंगी जाएगी।

उम्मीदवारों में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि उम्मीदवारों में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल एंजीनियर के मरकारी चिकित्सा अधिकारी से बपनी डाक्टरी परीक्षा करने लें। उम्मीदवारों को नियक्ति से पहले जिन विभागीय सेवाओं में गजरना होगा उनके स्वरूप के विवरण और मापदण्ड परिचय—II में दिए गए हैं। संघर्ष के दौरान उम्मीदवारों द्वारा और परिणामस्वरूप नियक्त होए भत्तार्पत्र सैनिकों द्वारा उत्तेज सेवा की अपेक्षाओं के अनसार स्तर में छूट भी जा सकती है।

18. जिस व्यक्ति न ---

(क) एसे व्यक्ति में विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नि पहले से है, या

(ख) जीवित पति/पत्नि के रहने हाथा, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात में मन्तुष्ट हो जाये कि एसा विवाह एसे व्यक्ति तथा विवाह के दृष्टिकोण पर लाभ होने वाल व्यक्तिके कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम में छाट दे सकती है।

19 उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में प्रवेश से पहले हिन्दी का कछ ज्ञान विभागीय परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने में सहायक होगा जो कि उम्मीदवार खो सेवा में प्रवेश के बाद उत्तीर्ण नहीं है।

20 हम परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों के संबंध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिचालक परिषिक्षा में दिया गया है।

एन. शुक्ला सचिव, रेलवे शोल

परिचालक परिषिक्षा ।

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आर्थीत की जाएगी ।

भाग-1—लिखित परीक्षा दे भागों में होती है। भाग 1 में केवल वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होते और भाग 2 में परम्परागत प्रश्नपत्र होते। दोनों भागों में संगत हंजीनियरी शिक्षा शास्त्राओं और सिविल हंजीनियरी, यांत्रिक हंजीनियरी, विद्युत हंजीनियरी और हल्केटानिकी सथा दूर सचार हंजीनियरी की पूरी पाठ्यचर्या होती है। इन प्रश्न पत्रों के लिए निर्धारित स्तर तथा पाठ्यचर्या परिचालक की अनुसूची में दिए गए हैं। लिखित परीक्षा का विवरण जैसे विषय, प्रत्येक विषय के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक नीचे पैरा 2 में दिए गए हैं।

भाग-2—लिखित परीक्षा के आधार पर अहृता प्राप्त करने वाले उम्मीदवार का व्यक्तित्व परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों का है।

2. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में से ली जाएगी ।—

श्रेणी-।—सिविल हंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना दर्शाए)

विषय	कोड	अवधि	पूरीकृत
खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण	01	2 घंटे	200
(भाग क : सामान्य अंग्रेजी)			
(भाग छ : सामान्य अध्ययन)			
सिविल हंजीनियरी			
प्रश्न पत्र I	11	2 घंटे	200
सिविल हंजीनियरी			
प्रश्न पत्र II	12	2 घंटे	200
खण्ड II—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
सिविल हंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	13	3 घंटे	200
सिविल हंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	14	3 घंटे	200
योग			1000

श्रेणी II—यांत्रिक हंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना दर्शाए)

विषय	कोड	अवधि	पूरीकृत
खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण	01	2 घंटे	200
(भाग क : सामान्य अंग्रेजी)			
(भाग छ : सामान्य अध्ययन)			
यांत्रिक हंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	21	1 घंटे	200
यांत्रिक हंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	22	1 घंटे	200
खण्ड II—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
यांत्रिक हंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	23	3 घंटे	200
यांत्रिक हंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	24	1 घंटे	200
योग			1000

श्रेणी III—वैद्युत हंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना दर्शाए)

विषय	कोड	अवधि	पूरीकृत
खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण	01	2 घंटे	200
(भाग क : सामान्य अंग्रेजी)			
(भाग छ : सामान्य अध्ययन)			
वैद्युत हंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	41	2 घंटे	200
वैद्युत हंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	42	2 घंटे	200
खण्ड II—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
वैद्युत हंजीनियरी प्रश्न पत्र I	43	3 घंटे	200
वैद्युत हंजीनियरी प्रश्न पत्र II	44	3 घंटे	200
योग			1000

श्रेणी IV—इलेक्ट्रॉनिकी और दूरसंचार हंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना दर्शाए)

विषय	कोड	अवधि	पूरीकृत
खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण	01	2 घंटे	200
(भाग क : सामान्य अंग्रेजी)			
(भाग छ : सामान्य अध्ययन)			
इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार	81	2 घंटे	200
इलेक्ट्रॉनियरी प्रश्न-पत्र I			
इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार	82	2 घंटे	200
इलेक्ट्रॉनियरी प्रश्न-पत्र II			
खण्ड II—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार	83	3 घंटे	200
इलेक्ट्रॉनियरी प्रश्न-पत्र I			
इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार इलेक्ट्रॉनियरी	84	3 घंटे	200
प्रश्न-पत्र II			
योग			1000

3. व्यक्तित्व परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहले तथा मेंषा शक्ति, व्यवहार कृत्तिता तथा अन्य सामाजिक गुण, भानसिक तथा शारीरिक उच्चीत्वहा, प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और भारित्व विषय के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा ।

4. सभी प्रश्न-पत्रों वे उत्तर बंधेजी में दिए जायें । प्रश्न पत्र केवल अंग्रेजी में ही होंगे ।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर डप्पे हाथ से लिखने होंगे । किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य अविक्त की सहायता नहीं की जाएगी ।

6. आगे आपनी विवाह से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अहंक अंक निर्धारित कर सकता है ।

7. केवल सतही जान वे दिए अंक नहीं दिए जायेंगे ।

8. विवाह सहाय होने पर विवित विषयों के पृष्ठों में ले 5 प्रतिशत तक अंक काट दिए जायेंगे ।

9. परीक्षा के परम्परागत प्रश्न-पत्र में इस बात को ध्येय दिया जाएगा कि अभिव्यक्ति कुम शहीदों में क्रमबद्ध प्रवाल पूर्ण हो जाएगी और सही हो ।

10. प्रश्न-पत्रों में यथा आवश्यक तौर जीर्ण वाप की गोटवी प्रणाली से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जाएंगे ॥

पोट—उम्मीदवारों को जब भी इस्की समझा जाएगा परीक्षा भवन में सदर्भ होते भास्तीम आमक शंखान इवाय संकेतित तथा प्रकाशित गोटवी इकाइयों की सारणी उपलब्ध कराई जाएगी ।

11. उम्मीदवारों को परम्परागत (निवन्ध) प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए बैटरी से जलने वाले पायेट कॉक्कलेटर परीक्षा भवन के लाने और उनका प्रयोग करने की प्रवृत्ति है । परीक्षा भवन में किसी से कॉक्कलेटर आगने वा आगस वे विवरन की प्रवृत्ति नहीं है ।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पूस्टिका) का उत्तर देने वे लिए कॉक्कलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते । बता वे उन्हें परीक्षा भवन से न जाएं ।

12. उम्मीदवार को प्रश्न-पत्र वे उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अन्तर्विद्युतीय रूप (वर्षाएँ 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए ।

परीक्षण 1 की इन्स्क्री

तात्त्व वाक्यांशक

आमान्य योग्यता परीक्षण के प्रश्न पत्र का स्तर वैसा ही होगा जैसा कि एक इंजीनियरी विज्ञान स्नातक से अपेक्षा की जाती है । अन्य विषयों के प्रश्न पत्रों के स्तर एक भारतीय विज्ञानशाल्य के इंजीनियरी डिप्री स्तर वा परीक्षा के अनुरूप होंगे । किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी ।

सामान्य योग्यता परीक्षण (कोड संख्या 01)

भाग (क) सामान्य अंग्रेजी —अंग्रेजी वा प्रश्न पत्र इस प्रकार बनाया जाएगा ताकि उम्मीदवार की अंग्रेजी भाषा की समझ और शब्दों के क्षाल प्रयोग की जाती हो भके ।

भाग (ख) सामान्य अध्ययन —सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र से सामिक घटनाओं और ऐसी बातों की, उनके वैज्ञानिक पहलुओं पर ध्यान देते हुए, जानकारी सम्मिलित

होगी जो प्रतिदिन के अनुभव में आती है तथा जिनको किसी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है । प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी सम्मिलित होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवार विशेष अध्ययन किए जिना ही दे सकते ।

सिविल इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न पत्र I

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्नपत्र के लिए कांड से । । और परम्परागत प्रश्नपत्र के लिए कोड से । । ।

1. भवन सामग्री और निर्माण—पत्थर इमारती लकड़ी, ईंट, सीमेंट, लेप, कक्कीट रिचर्ट, इस्तमा ।

2. घन यांत्रिकी

प्रतिबल, विकृति, घन द्रव्य का विकलन मिहूधारा, साधारण बंकन और विमोठन के लिए धातु, अपरूप केल्ड ।

3. आलेखी स्थैतिकी

बल बहुभूज प्रतिबल आरेख

4. संरचनात्मक विश्लेषण

ट्रैसेज और फ्रेम का विश्लेषण प्लाईस्टर के विश्लेषण का परिचय ।

5. धातु संरचना का अभिकल्पन

कार्यकारी प्रतिबल और साधारण रखना वे वर्तमान सामर्थ्य अभिकल्पना

6. कक्कीट और चिनाई रखना का अभिकल्पन
चिनाई दीवार का अभिकलन, काँचकर्की प्रहिकल समतल का अभिकलन, प्रबोलह और प्रतिबलित कक्कीट प्रबोलित और प्रतिकूलित कक्कीट का अभिकल्पन सामर्थ्य अभिकल्पन ।

प्रश्न पत्र-II

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न पत्रों के लिए कांड से । । । । । और परम्परागत प्रश्न पत्र के लिए कोड से । । । ।

1. तरल यांत्रिकी जल स्रोत; इंजीनियरी ।

विवृत चैनल और पाहप प्रवाह, जल विज्ञान, नहरों का अभिकल्पन और जलीय संरचना ।

2. मृदा यांत्रिकी और आधार इंजीनियरी और उनके सामान्य सिद्धांत, प्रबलता प्रबल भूमि दाढ़ी सिद्धांत उथले और गहरे आधारों के अभिकल्पन ।

3. रेल इंजीनियरी तथा सर्वेक्षण कार्य सहित परिवहन इंजीनियरी, सड़क अतिउल्यन नियमन प्रवणता, कुट्टिटम, यातायात नियन्त्रण, अभिकल्पन विचारण ।

4. पर्यावरण इंजीनियरी

जल स्वच्छता, सीवेज अभिक्रिया एवं निपटान

5. निर्माण, नियोजन और प्रबन्ध

निर्माण पद्धति के तत्व, बार बाट, सी. पी. एस, पी. ई, बार. टी.

यांत्रिकीं इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्नपत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र-।

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्नपत्रों के लिए कोड सं. 21 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 23

1. उष्मागतिकी

नियम, आदर्श गैसों और वाष्प के गुण धर्म, विद्युत चक्र, गैस पावर चक्र, गैस टरबाइन चक्र, ईंधन और दहन

2. आई. सी. इंजन

सी. आई. और एस. आई. इंजन, अधिस्फटेन ईंधन वतःश्रेणी और कार्बूरेशन निष्पादन और परीक्षण टबों जेट और टबों प्रोपेलर इंजन, राकेट इंजन नाभिकीय शक्ति संयंत्र और नाभिकीय ईंधन का प्रारम्भक ज्ञान ।

3. वाष्प बायलर, ईंधन वाष्प टरबाइन, प्रारूप, नाजल से वाष्प प्रवाह, आवेग और अभिक्रिया टरबाइन के बग आरेख दक्षता और नियंत्रण ।

4. संपीडित गैस गतिकी और गैस टरबाइन, प्रत्यागामी केंद्रभिमुख और पक्षीय प्रवाह के संपीडित बग आरेख, दक्षता और निष्पादन । प्रवाह पर यांत्रिकी बंकों का प्रभाव, आइसेन ट्रायिपक प्रवाह, नौजल से सामान्य प्रपात और प्रवाह बहुचरणीय संपीडित सहिंगैस टरबाइन चक्र, पूरकतापन, पुनरुत्पादन ।

5. उष्मा अन्तरण, प्रशीतन और वातानुकूलन चालन, संवहन और विकरण उष्मा विनियमक प्ररूप । सम्मिलित उष्मा अन्तरण । समूर्ण उष्मा अन्तरण गुणांक प्रशीतन और उष्मा पम्प चक्र । प्रशीतन प्रणाली । निष्पादन के गुणाक—साइक्रोमीट्रिक और साइक्रोमिट्रिक चार्ट कम्फट सुचक, प्रशीतन और निरादीकरण विधि । औद्योगिक वातानुकूलन प्रक्रिया । शीतलन और तापन भार गणना ।

6. तरलों के वर्गीकरण और गुणधर्म, तरल स्थैतिकी शुद्ध गतिकीय और गतिकी; सिद्धांत और प्रयोग; दाबांतरमापीय और उत्पलावन । आदर्श तरलों का प्रवाह । स्तरीय तथा प्रक्षेत्रीय प्रवाह । परिसीमा स्तर सिद्धांत/निभज्जित वस्तुओं पर प्रवाह । पद्धयों और कूली नालियों में प्रवाह, विमीय विश्लेषण तथा सादृश्य तकनीक ।

बिविमीय विश्लेषण गति तथा सामान्यतः तरल मशीनों का वर्गीकरण; उर्जा हस्तांतरण संबंध । पद्धयों और आवेगों तथा प्रतिक्रिया जल टरबाइन का निष्पादन और संचालन । दबंगति विद्युत संचारण ।

प्रश्न-पत्र—।।

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्नपत्रों के लिए कोड सं. 22 और परम्परागत प्रश्नपत्र के लिए कोड सं. 24

7. मशीनों का सिद्धांत (1) गतिमान पिंड (2) मशीनों के बग और त्वरण कलाइन निर्माण, मशीनों में

जड़त्व बल, कैम्स, गियर और गियरन गतिप्रलक चक्र और नियमक, पिंडों का पूर्णी एवं प्रत्यागामी-संतुलन स्वतंत्र और प्रणोदित कम्पमान की प्रणाली शैफ्ट की क्रांतिक गति और भ्रमरी ।

8. मशीन अभिकल्पन

पंच बंधन और पावर स्कू का जोड़—कंजियां कॉटरास, युग्मन—वेल्ड संधि पारगमन पद्धति—पट्टा और चेन चालित-तार रज्जू—शैफ्ट का अभिकल्पन ।

गियर—सर्पी और रोलिंग वेंरिंग ।

9. पदार्थों की सबलता

द्विविभागीय प्रतिबल और विकृति मोहर चक्र प्रत्यास्थिरणों के बीच सम्बंध । किरणपूज—वंकल आवृण अपरूपक बल और विक्षेप शैफ्ट—साम्मिलित बंकल प्रत्यक्ष और मोरोड़ी प्रतिबल अंथूल—वाल्ड सिलिंडर और दाव के अंतर्गत गोलक स्प्रिंग, आलम्बन स्तम्भ और कालम विफलन का सिद्धांत ।

10. इंजीनियरी पदार्थ

मिश्र धातु और धातु मिश्रण तत्व ताप अभिक्रिया; संयोजन, गुणधर्म और प्रयोग, प्लास्टिक और अन्य नए इंजीनियरी पदार्थ ।

11. उत्पादन इंजीनियरी

धातु मशीनीकरण—कर्तन औजार, औजार धातु, घिसाई और यांत्रिकीकरणीयता कर्तन शक्ति का माप प्रक्रियाएँ—मशीनीकरण—प्रेषण, बैधन, गीजर निर्माण धातु रूपांकन, धातु संचकन और सम्मिलन बैसिक, विशेष प्रयोजन, कार्यक्रम और संस्थात्मक नियंत्रित मशीनी औजार, जिग और बनूलगी (तत्वों का अवस्थापन) ।

12. औद्योगिक इंजीनियरी

कार्य अध्ययन और कार्य की माप मजदूरी प्रोत्साहन उत्पादन कीमत और उत्पादन प्रणाली का अभिकल्पन, संयंत्र विन्यास के सिद्धांत—उत्पादन नियोजन एवं नियन्त्रण, पदार्थ व्यवस्था संक्रिय विज्ञान । रैखिक प्रश्नामन पंक्ति सिद्धांत इंजीनियरी जाल विश्लेषण । सी. पी. एम. एवं पी. ई. आर. टी. संग्रहकों का उपयोग ।

विद्युत इंजीनियरी

(वस्तुपरक और परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र—।

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 41 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 43

1. विद्युत परिपथ

जाल प्रमेय, ज्यावकीय जाल के सोपान, रैम्प, आवेग और ज्यावकीय निवेश की अनुक्रिया, आवृत्ति क्षेत्र ज्ञा विश्लेषण, द्रिवपद्धर, जाल संश्लेषण का तत्व संकेत प्रवाह ग्राफ ।

2. है. एम. सिद्धधांत

वैष्णुत स्थैतिक, सदिश प्रणाली का प्रयोग करते हुए चूम्बक स्थैतिक चूम्बकीय पदार्थों और चालक के नक्तरण पराविद्युत के लिए। समय परवती^१ अंत, भैक्षणिक का समीकरण, चालन पराविद्युत मिहिया में समतल तरंग संचरण, संचरण लाइन का गुणधर्म।

3. पदार्थ विज्ञान। (वैष्णुत—पदार्थ)

पट्ट सिद्धधांत स्थैतिक और वैकलिक अंतों का व्यवहार, दाव विष्णुत। धातु की चालकता अंति चालकता पदार्थों का चूम्बकीय गुणधर्म। फैरो और फेरी—चूम्बकत्व अंतर्वालकों में चालकता हाल प्रवर्धते।

4. वैष्णुत मापन

मापन के सिद्धधांत, परिपथ परामीटर का सेतु मापन, माप यंत्र। बी. टी. बी. एम. तथा सी. आर. ओ. क्यू.—मीटर, स्कैल्टर विश्लेषक। द्रांस-ड्यूसर्स तथा गैर—विष्णुत मात्राओं का मापन, चूम्बकीय मापन बूरमापन तथ्य अभिलेखन तथा प्रदर्श।

प्रश्न पत्र-1।

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 42 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 44

5. अभिकलन के तत्व

बंकीय प्रणाली, एलोट्रिम चिधियां, प्रवाह—सिवित्रण भैक्षण, प्रखण विवरण, सरणी भैक्षण बंक गणित निष्ठीइन, ताकिक निष्ठीइन निष्ठीइनिकरण विवरण, कार्यक्रम संरचना, वैज्ञानिक तथा इंजीनियरी अनु-प्रयोग।

6. वैष्णुत उपकरण तथा प्रणालियां

वैष्णुत यांत्रिकी : वैष्णुत यांत्रिकीय उज्ज्ञा रूपान्तरण के सिद्धधांत। डी. सी. टूल्यकालिक तथा प्रेरण यशीनों का विश्लेषण। भिन्नात्मक अवय-शक्ति मोटर। नियन्त्रण प्रणालियों में बहीने- द्रांसफार्मर्स। चूम्बकीय परिपथ तथा परिचालकों के लिए मोटरों का व्यवहार। विष्णुत प्रणाली—विष्णुत उत्पादन: तापीय जलीय तथा नाभिकीय, विष्णुत संचरण, क्रोरेना, पूल चालक, विष्णुत प्रणाली रक्षण। बांकीय परिचालन, लोड बांकी—नियन्त्रण, स्थायित्व विश्लेषण।

7. नियन्त्रण प्रणालियां

विष्णुत—पाष तथा संबूत पाष प्रणालियां, अनुक्रिया विश्लेषण, मूल केन्द्र प्रविधि, स्थायित्व, प्रतिपूरण तथा अभिकल्पन प्रविधियां। स्थिति-परिवर्ती^१ उपग्रहन।

8. इलेक्ट्रोनिक तथा संचार

लघु सिगनल प्रवर्धक अभिकल्प, पूर्नभरण प्रवर्धक धौलिम तथा संक्षियात्मक प्रवर्धक एफ. है. टी. परिपथ तथा रैम्बिक बाई. सी.। स्विचन परिपथ बूनीय बीजगणित, तक^१ परिपथ, सांयोजिक तथा इलेक्ट्रोनिकों—धनावस्था यूक्तियां तथा परिपथ। अनुक्रियक अंकीय परिपथ।

संचार—सिगनल विश्लेषण सिगनलों का प्रेषण। माइक्रोलन तथा विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालियों का संसूचन। संचार प्रणालियों का मिष्यावन।

इलेक्ट्रोनिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रकार के प्रश्नपत्रों के लिए)

प्रश्न पत्र-।

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 61 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 63

पदार्थ

1. सामग्री, घटक तथा यूक्तियां :

वैष्णुत इंजीनियरी सामग्रियों की संरचना तथा गुणधर्म निष्ठक्य घटक—प्रकार तथा गुणधर्म। सक्रिय घटक—प्रकार का गुणधर्म—धनावस्था यूक्तियां—भौतिक लक्षण तथा नमूने।

2. चाल सिद्धधांत

चाल प्रमेय: विष्णुत परिपथों की स्थिर अवस्था तथा अणिक अनुक्रिया। परिपथ चाल विश्लेषण। प्रारंभिक परिपथ चाल संश्लेषण।

3. विष्णुत चूम्बकीय सिद्धधांत

अंत्रगत सिद्धधांत। संचरण लाइन सिद्धधांत। एंटीना सिद्धधांत परिवहन तथा अपरिवहन भीड़िया में विष्णुत चूम्बकीय तरंगों का प्रवर्तन।

4. मापन तथा यंत्रीकरण

विष्णुत मात्राओं का आधारभूत माप। यंत्रों का मापन तथा उनकी कार्य-प्रणाली का सिद्धधांत। द्रांसड्यूसर्स विष्णुत मात्राओं का माप।

प्रश्न-पत्र-2

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 62

और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 64

1. रैम्बिक तथा अरैम्बिक अन्तर्लेप परिपथ

मूल रैम्बिक इलेक्ट्रोनिक परिपथ। स्पंद—स्पृण परिपथ। तरंग आकार जनित्र। स्थायीकारक।

2. बंकीय परिपथ

तक^१ परिपथ तथा गेट। संगणन परिपथ। सांयोजिक तथा अनुक्रमिक परिपथ।

3. नियन्त्रण प्रणालियां

पूर्नभरण सिद्धधांत। नियन्त्रण प्रणाली घटक। नियन्त्रण प्रणालियों की अनुक्रिया। व्यावहारिक प्रणाली का अभिकल्पन।

4. संचार प्रणालियां

मूल सूचना सिद्धधांत। माइक्रोलन तथा संसूचन प्रक्रियाएं। विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालियां। रैम्बियों तथा लाइन संचार। दूरदर्शन तथा रडार संचार सहाय, अनुगमी संचार सिद्धधांत।

5. सूक्ष्म-तरंग इंजीनियरी

सूक्ष्म-तरंग स्थोत। सूक्ष्म-तरंग घटक तथा चाल मापन तथा सूक्ष्म-तरंग आवृत्तियां। सूक्ष्म-तरंग संचार प्रणालियां।

परिशिष्ट—2

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बार में विनियम।

ये विनियम उम्मीदवारों को सविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमति लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मेडिकल एजामिनर्स) को मार्ग निदेशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है। तो उसे स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति हांगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार को यह अनुशंसा कर सके कि उक्त उम्मीदवार वे सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

2. किन्तु यह बात भी भली प्रकार समझ लेनी चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ छहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. (क) भारतीय (एग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आशु, कद और छाती के घेरे के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मैडिकल बोर्ड के उपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों के परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाए। यदि बजान, कद और छाती के घेरों में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) किन्तु कुछ सेवाओं के लिए कद और छाती के घेरे के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित हैं, जिस पर पूरा न उत्तरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

सेवा का नाम	कद	छाती का घेरा	फैलाव (पूरा फूलाकर)
ऐल इंजीनियरी सेवा (सिविल बैबूत यांत्रिक और सिंगल)			
और के० ८०.०००			
वि० में केल्ड्री			
इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' तथा केल्ड्री विद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'			
(क) पुरुष उम्मीदवारों के लिए	152 सें.मी०	84 सें.मी०	5 सें.मी०
(ख) महिला उम्मीदवारों के लिए	150 सें.मी०	78 सें.मी०	5 सें.मी०

अनुसूचित जनजातिया तथा उन जातियों जैसे गोरखा, गढ़वाली, असमिया, नागालैण्ड के आदिवासियों आदि। जनका ओसत कद स्पष्ट है; के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद में छूट दो जा सकती है।

(ग) हाना हंजीनियरी सेवाओं ग्रुप 'क', भारतीय बायूध कारखाना सेवा ग्रुप 'क', कर्मशाला अधिकारी (ग्रुप क और ग्रुप ख) के लिए छाती की नाप में कम से कम 5 से. मी. के फैलाव की गुजाइश रखनी होगी।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा :—

वह अपन जूत उतार देंगा और माप दड (स्टैडिंड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव बापस में जुड़े रहें और उसका वजन, सिवाए एडियों के पावों के अगुठों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अंकड़े सीधा खड़ा होंगा और उसकी ठोड़ी नीचे रखी जाएगा। जांक सिर का स्तर (बट्टेक्स बाफ दी हैड लेबल) हारिजेन्टल बार (बाड़ी छड़े) के नीचे आए। कद सटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार के छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उस इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाए सिर से ऊपर उठी हों। फती के छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि उसका ऊपरी किनारा अंसफलक (शोल्डर ब्लैण्ड) के निम्न कोणों (इन्कीरिश्यर एग्लेस) के पीछे लगा रहे और अब फौते के छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेन्टल प्लैन) में रहे। फिर भुजाओं के नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्धे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फौता अपन स्थान से हट न पाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89, 86-93.5 आदि। माप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ्रैक्शन) को नाट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान :— अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापी जानी चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा, आधा किलोग्राम से कम भिन्न (फ्रैक्शन) को नाट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :—

(1) सामान्य—किसी रोग या बसामान्यता का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कार्पिट-गुआस स्ट्रक्चर्स) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता हो, तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) ईष्ट-तीक्ष्णता (विज़ुअल एक्यूटी) — ईष्ट की तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जाच को जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरों नजदीकी की नजर के लिए प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

चंद्रके के बिना आंख की नजर (नक्कोड़ा आई विजन) की काइ न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होती किन्तु प्रश्नों मामले में रॉडिक्युल बोर्ड या अन्य रॉडिक्युल प्राधिकारी द्वारा हार्डिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मल सच्चना (वैसिक इन्ज्यार्मेशन) मिल जाएगी।

चरम के साथ और चरम के बिना दर और नजदीक को जरूर का मानक निम्नलिखित होगा :—

सेवाएं	दूर की दृष्टि	निकट की दृष्टि		
प्रचली	खराब	प्रचली	खराब	
आंख	आंख	आंख	आंख	
(ठीक नी हुई दृष्टि)		(ठीक नी हुई दृष्टि)		
1	2	3	4	5

क. तकनीकी

- १ रेल इंजीनियरों प्रयोग (मिल्कन, बैच्युट, यांत्रिकी और सिवान)
 - २ केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा प्रयोग के केन्द्रीय विवृत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा प्रयोग का भारतीय निरीकण सेवा प्रयोग 'क'

केन्द्रीय जन इंजीनियरी

सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय शक्ति

इंजीनियरी सेवा प्रप क, इंद्रिय
इंजीनियरी मेवा (मडक) प्रप क,
तथा तार इंजीनियरी सेवा प्रप क
सहायक कार्यपालक इंजीनियर
(सिविल) तथा विद्युत
प्रप क (भारतीय दूरसंचार इंजी
नियरी स्कॉल)

आह॒ डॅल्लू॑ ३०० रु० ए॒ड सी० स्कन्ध
 अनुश्रवण संगठन, संचार मत्तालय
 में इंजीनियर का पद मारतीय
 प्रसारण (इंजीनियर) सेवा,
 मारतीय नौसेना। आयु॒ल सेवा मे॒
 मारतीय आयु॒द्धशाला सेवा पृ॒प 'क'
 सीमा सङ्क हंजीनियरी सेवा पृ॒प 'क'
 सहायक इंजीनियर पृ॒प 'ख'
 आकाशशालाणी का सिविल निर्माण
 स्कन्ध। सहायक विकास एवं प्रशिक्षणी
 (इंजीनियरी) का पद, तस्मीकी विकास
 सभानियेशालय।

3. सेना इंजीनियरी सेवा	6/6	6/18	जे।	ज।।
धूप क सहायक प्रबल्द्धक (कारखाना)				
धूप 'क' डाकनार दूरसंचार कार				
आवा संघठन तथा उद्योगाला निधिकारी				
धूप 'क' धूप 'क'	6/6	6/6		

1	2	3	4	5
ब्रं गेर तकनीकी				
4 भारतीय रल भडार	6/9	०/१२	ज।	जे।।।
सदा भारतीय आर्पति सेवा प्रप 'क'				
नथा भारतीय भू विज्ञान सर्वेक्षण मे				
याविकी इंजीनियर (कनिष्ठ)				
प्रप 'क' बमा इंजीनियर (कनिष्ठ)				
प्रप 'क'				

टिप्पणी (1)

(क) उपर्युक्त के पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के संबंध मा
यारूपिया (सिलैण्डर सहित) का कॉल परिणाम-4.00 डी.
अधिक नहीं होगा। हाइपरमट्रोपीया (सिलैण्डर सहित) का कॉल
परिणाम + 4.00 डी. सं अधिक नहीं होगा। किन्तु शर्त यह
है कि 'तकनीकी' रेल मंत्रालय (रेल विभाग के अधीन सवार
इलाया) के रूप में वर्गीकृत सेवाओं का उम्मीदवार यदि हाई,
मायारूपिया के कारण अद्यत्य पाया जाए तो यह मामला तीन ते
वशेषज्ञ। कं विदें बोर्ड के भेज दिया जाएगा जो यह घोषणा करें
कि इह मायारूपिया रोगात्मक है या कि नहीं यदि यह रोगात्मक
नहीं है तो उम्मीदवार को योग्य धोषित कर दिया जाएगा बशत्
कि वह उन्धथा इस्ट मंबंधित अपेक्षाएँ पूरी कर दे ।

(ख) मार्गोपिया फण्डस के प्रत्येक मामले में जाँच करना चाहिए और उसके न्तीजे को रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार के कांडे रागानभव अवस्था हां जिसके बढ़ने और उस उम्मीदवार की व्यार्थिकशलता पर असर पड़ने की सम्भावना हो उसे अयांर्य घोषित कर देना चाहिए।

टिप्पणी (2)

तकनीकी विकास महानिदेशालय में भारतीय दूर संचार सेवा प्रूप के और सहायक विकास अधिकारी इंजीनियरी के बलाद उपर्युक्त 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के संबंध में वर्ध-दर्शन हो जाएं अनिवार्य होगी।

जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है वर्ण—अवगम उच्चतर तथा निम्नतर ग्रेडों में होना चाहिए जो लैन्टर्न में द्वारा (एपर्सर) के आकार पर निर्भर हो—

ग्रेड	वर्णन का उच्चतम ग्रेड	वर्णन का विवरण ग्रेड
1. लैस्प और उम्मीदवार के बीच की दरी	16'	16'
2. डाक (पुरुष) का भाकार	1.3 मि. मीटर	13 मि. झीवर
3. दिखाने का समय	5 सेकंड	5 सेकंड

रेल इंजीनियरिंग सेवा (सिविल वैद्युत सिग्नल और पर्सनल) और जर सुरक्षा में संबंधित अन्य सेवाओं के लिए उच्च ऐसे के बर्ण दृश्य की जरूरत है किन्तु, अन्यथा नीचे प्रेड के बर्ण दृश्य, क्षम पर्याप्त मात्रा जाना चाहिए —

सेवाको/पट्टों के बर्ण जिनके लिए उच्च या निम्न घ्रेड का तर
जर्जर सर्पेंशिट है नीचे दिए जा सकते हैं : -

तकनीकी सेवाएँ या पद जिनके लिए उच्चतर प्रैष का दर्शन दर्शन बर्पेक्षण है :—

- (1) इले इंजीनियरी सेवा
- (2) मैन्य इंजीनियरी सेवा
- (3) मङ्क कोन्सल्टेंट इंजीनियरी सेवा (सङ्कक)
- (4) कॉन्सल्टेंट इंजीनियरी सेवा
- (5) सहायक कारखाना प्रबंधक (कारखाना) (आक तार : १ डॉक्टर कारखाना संगठन।
- (6) औंगा सङ्कक इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'
- (7) कर्मसाला अधिकारी ग्रुप 'क' तथा ग्रुप 'ब' तकनीकी सेवाएँ या पद जिनके लिए निम्नतर ग्रुप का दर्शन बर्पेक्षण है :—

- (1) कॉन्सल्टेंट इंजीनियरी सेवा
- (2) कॉन्सल्टेंट वैश्वत तथा यांत्रिकी इंजीनियरी सेवा
- (3) भारतीय नौ सेना आयुद्ध सेवा का प्रैष
- (4) भारतीय आयुद्ध कारखाना सेवा
- (5) कॉन्सल्टेंट जल इंजीनियरी सेवा।
- (6) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा विश्वास) ग्रुप 'क' (आक-तार सिविल इंजीनियरी स्कल्प) ब्लार १ डॉक-तार।
- (7) भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा का कर्मसूल दर्शन भारत।
- (8) इंजीनियर ग्रुप 'क' बेतार आयोजन और सम्बन्ध स्कल्प अनुश्रवण संगठन।
- (9) सहायक इंजीनियर (सिविल वैश्वत) ग्रुप 'ब' बाकाएँ वाणी का सिविल नियमण स्कल्प।

लाल हरे और सफेद रंग के संकेत के आसानी से और हिन्दू किञ्चाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक दर्शन है। वर्ण दर्शन की परीक्षा के लिए इशिहारा की प्लेटों तथा एडरिज की नीट्स-दोनों का प्रयोग किया जाएगा।

टिप्पणी (3)—इंजिनियर क्षेत्र (फील्ड आफ विज्ञन)---सभी सेवाओं के लिए सम्मुख विधि इवारा इंजिनियर की जांच की जाएगी जब ऐसी जांच का नदीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब इंजिनियर को परिभाषी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (4)—रत्नांधी (नाइट ब्लाइनरेस)---केवल विशेष वामलों के छोड़कर रत्नांधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रत्नांधी या अन्धेरे में दिलाहर्ने न देने की जांच करने के लिए कोड़े स्टैड़ड टैस्ट नियमित नहीं हैं। मैडिकल बोर्ड को हैं ऐसे काम चलाउ टैस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोक्षनी जम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विषेश चीजों की पहचान करवा कर इंजिन तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (5)—कॉन्सल्टेंट इंजीनियरी सेवा हरें उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड इवारा जरूरी समझे जाने पर वर्ण दर्शन और रत्नांधी संबंधी परीक्षण पास करना होगा। भारतीय सर्वेक्षण भौति ग्रुप 'क' के लिए उम्मीदवार को 'त्रिविम संगलन' परीक्षण पास करना होगा।

टिप्पणी (6)—इंजिन तीक्ष्णता से भिन्न आंख की दर्शन (आक्यलर कण्ठेश्वन)।

(क) आंख की जंग संबंधी बीमारी के या बढ़ती हुई अपथतंग ब्रूटि (रिफेक्टिव एरर) को, जिसके परिणामस्वरूप इंजिन तीक्ष्णता के काम होने की समझना हो, अपोगता का कारण ममता चाहिए।

(ल) भैंगापन—उपर 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं हस्त जहां दोनों आंखों की इंजिन का होना जरूरी है, भैंगापन अयोग्यता माना जाएगा जहां इंजिन की तीक्ष्णता निर्धारित त्वर की ही क्षमता न हो। यदि इंजिन की तीक्ष्णता निर्धारित मानक के बनार हो तो अन्य सेवाओं हरें भैंगापन अयोग्यता नहीं मान जाएगा।

(ग) यदि क्लोर्स एक आंख वाला व्यक्ति है या उसकी एक आंख की इंजिन सामान्य है तभा अपार्टमेंट बॉल्ड ब्रूटि इंजिन ब्रूटि है या उसकी इंजिन उपसामान्य है तो उसका सहज प्रभाव वह होता है कि गहनता अवगम जैसे लिए बल्ले पास चिकित्सा इंजिन की कमी है कहर विविल पर्वों के लिए ऐसी इंजिन जरूरी नहीं है। चिकित्सा बोर्ड ऐसे व्यक्तियों की स्थाय होने की अनशंसा कर गकता है। बशतें कि उसी सामान्य आंख :—

- (1) को चरमा लगाकर या चरमे के बिना दूर इंजिन ६/६ और निकट इंजिन जे। बशतें कि किसी भरी रिहायन में घर इंजिन संबंधी बोर्ड ४ बायौप्टैस से अधिक न हो।
- (2) का इंजिन-क्षेत्र पूर्ण हो।
- (3) आवश्यकतानुसार सामान्य वर्ण दर्शन।

किन्तु बोर्ड संतुष्ट हो कि उम्मीदवार संदर्भगत कार्य विषेष प्रबंधित सभी कार्यवाही कर सकता है।

"तकनीकी" के रूप में वर्गीकृत पर्वों/सेवाओं के उम्मीदवारों के लिए इंजिन की तीक्ष्णता का चिह्नित किया हुआ उपयुक्त पानक लागू नहीं होगा।

टिप्पणी (7)—कान्टेक्ट लैंस---चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्टेक्ट लैंस प्रायंग करने की अनुमति नहीं है जाती चाहिए।

टिप्पणी (8)—यह आवश्यक है कि आंखों का परीक्षण करते समय दूर इंजिन के लिए टाइप अक्षरों की प्रदर्शीति 15 फूट कैण्डल की प्रदीपित जैसी हो।

टिप्पणी (9)—सरकार किसी भी उम्मीदवार के पक्ष में विशेष कारणवश किसी भी जारी में छूट दे सकती है।

7. रक्त दाता (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपनी विवक्षा से काम लेगा। नार्मल मंकजीम सिस्टालिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विशेष नियन्त्र प्रकार है :—

- (1) 15 से 25 वर्ष के या वा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 + आय होता है।
- (2) 25 वर्ष की उपर की आय वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110 + आधी आय का सामान्य विनियम बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

क्रिहीष ध्यान सामान्य नियम के रूप में 140 एम एम. से ऊपर सिस्टाइलिक प्रेशर और 90 एम. एम. से ऊपर हायस्ट्राइक प्रेशर को संटिरध भाल लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य लहराने के सम्बन्ध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगता चाहिए कि धब्बाहट (एक्साहट्मेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रखने वाला है या इसका कारण कोई कार्यक (आग्नीक) भीमारी है। ऐसे भी मामलों में हृदय का एक्स-रे और हलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकास (किलयरेस) की जांच भी नेपी सौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने पर या न होने के बारे में अंतिम फैसला क्विल मेंडिकेल बोर्ड ही करेगा।

लाल प्रेशर (रक्त दबा) लेने का तरीका :

नियमित पारे वाले दाखिली (मरकरी भैनीभीटर) किस्म का उपकरण (इन्स्ट्रुमेंट) इस्टोमाल करना चाहिए। किसी किस्म का व्यायाम या लहराहट के बावजूद पन्द्रह मिनट तक रक्त दबा नहीं लेना चाहिए। रेती छूटा या लेटा हो बशतें कि वह और विशेषकर उसकी बांह किथिल और आराम से हो। बांह थोड़ी बहल हार्टिंग्टन रिप्टिंग में रेती के पार्ड पर हो तथा उसके कल्पे तक कपड़ा जारा देना चाहिए। कफ में से परी नहर हृदय निकाल कर बीच की रक्त को रक्त को भजा की अन्दर की ओर रक्त कर और उसके निकले निकाल को कोहनी के भोल में एक या दो हॉमेंज ऊपर करके लगाना चाहिए। हमके द्वाद कपड़े की पट्टी को फैला कर भगाने रुप से नपेना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के भोल पर बांह भगानी (बैकिल आर्टरी) को दबा दबा कर रहा जाता है और सब उसके ऊपर भीच-भीच मूर्ख घोरण को कल्पे में लगाना जाता है जो कफ के माथ पर लगे। कफ में लगभग 200 एम एम एच जी ब्रेक भरी जाती है। और हमके नाट हममें में भीच-भीचे हवा निकाली जाती है। हल्की जटिल अविनियोग्य सनाहै पड़ने पर जिम स्नर पर पारे का कालम निकाल देता है तब मिस्ट्रिलिक प्रेशर बरकरार है। जब और हवा निकाली जाती हो और उसे भरनियोग्य सनाहै पड़ते हैं। जिम स्नर पर याद भीर अचली सनाहै पड़ने वाली अविनियोग्य जटी हूँ दी लप्त प्राप्त हो जाता हो यह हायस्ट्राइक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अविभ में ही लेना चाहिए और कफ के भाले में समय का दबाव रेती के निमा भ्रोथकार्ड देता है और हममें रीचिंग गलत होती है। यह दबावारा अस्पताल करनी जल्दी हो जो कफ में से परी हृदय निकाल कर काठ पिण्ड ने मात्र ही देखा किया जाता। कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक नियित स्नर पर अविनियोग्य सनाहै पड़ती है द्वारा निगरने पर ये गायने द्वारा जाती है वह निकाल स्नर पर पक्का हो जाती है। इस "साइलेन्ट गैर" में रीफिंग में भगानी हो जाती है।

9. परीक्षक की उपीक्षित होने किए गए मत्र की यथिदा की जानी चाहिए और परिणाम निकालै किया जाना चाहिए। अब एरिकल थोर्ड को किसी सम्मीदवार के मत्र में रायपरिक जोध उत्तरार उत्तर का पता लेने से स्थोर्ड हमके भगानों की परीक्षा करते हैं और मध्येह (लाग्फिलीज) के लोनव फिल्स और नभगानों को भी निकाल लेते हैं भेजते हैं। यदि थोर्ड उम्मीदवार को ग्लैकोज में (लाहकोमरियो) के नियाय अपेक्षित ग्लैकल फिटनेस को स्टैचेट अनुरूप पाए हो तब

उम्मीदवार को इस शर्त की साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लैकोज अमध्येही (नात डायबोटिक) है और थोर्ड इस केम की मेंडिकल के किसी एमें विशेषज्ञ के पास भेजी जिसके पास अस्थाताल और प्रयोगशाला मूल्याएं हों। मेंडिकल विशेषज्ञ स्टेपेंडर्ड ब्लड शंगर टालरनेस टैस्ट समेत जो भी किलिनिकल या लेंब्रोटरी परीक्षाएं जल्दी समझेगा करते हैं और उपनी रिपोर्ट थोर्ड को भेज देता जिस पर मेंडिकल थोर्ड की "फिट" "अनफिट" की अंतिम राय आधारित होगी हृस्तरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए थोर्ड के साथने स्वर्य उपस्थित होना जल्दी नहीं होता। औपचार्य के प्रभाव को समाप्त करने के लिए, यह जल्दी हो सकता है कि उम्मीदवार को कहे विन तक अस्पताल में पूरी दूसरे रक्त में रखा जाए।

9. यदि जांच के परीणामस्वरूप कोहे महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाहे जाती है तो उसके अस्थाहै रूप से तब तक अस्थस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किमी रीजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रस्तुत की तारीख से 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जाती चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त वातों का प्रेक्षण किया जाना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को वातों कानों से अच्छा सनाहै पड़ता है और उसके कान में भीमारी का कोहे चिह्न नहीं है। यदि कोहे कान की बाराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सूनने की बाराबी का इलाज शाल्य किया (आपरेशन) या हियरिंग एक ऐसे में इस्टोमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता है बशतें कि कान की भीमारी बहुते बाली न हो यह उपर्युक्त भारतीय रेल भंडार में सेवा के अनावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरी सेवा, भारतीय वायर संचार सेवा, व्याप क, और कोन्डीय विलात इंजीनियरी सेवा व्याप क और सेमा सड़क इंजीनियरी की सेवा व्याप 'क' पर लाग नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राप्तिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती है :—

1	2	3
(1) एक कान में प्रकट अवधा यदि हायर फ्रीबैंसी में बहरापन 30 पूर्ण बहरापन दूसरा कान देसिबल तक हो तो गर-तकलीकी कार्यों के लिए योग्य।		
(2) दोनों कानों में बहरेपन यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच का प्रत्यक्ष बोध जिसमें कीमतीन्सी में बहरापन 30 डिस्ट्रिब्युटर तक हो तकलीकी तथा गर-तकलीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए योग्य।		
(3) सेंट्रल अवधा मार्जिनल टाइप के टिम्पेनिक मैम्बरेन का छिप हो तो बास्ताई आधार पर अयोग्य।	(1) एक कान सामान्य हो इससे कान में टिम्पेनिक मैम्बरेन का छिप हो तो बास्ताई आधार पर अयोग्य।	
		(2) एक कान सामान्य हो इससे कान में टिम्पेनिक मैम्बरेन का छिप हो तो बास्ताई आधार पर अयोग्य।

1	2	3	
		में मार्जिनल या अस्थि छिप वाले उम्मीदवारों को अस्थायी कृप है अयोग्य चौथित करके उत्त पर भीषि दिए गए नियम 4(ii) के अधीन विवाह किया जा सकता है।	(a) वह बिना हक्कलाहट शोल सेता/लेटी है।
		(2) दोनों कामों से मार्जिनल या प्रैटिक वेष्ट होने पर अयोग्य।	(b) उसके दोस्रे अच्छी हालत में है या नहीं, और अच्छी तरह बदामे को लिए खड़की होने पर नकली दांत लां है या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को दौड़ समझा जाएगा)।
		(3) दोनों कामों में सेंट्रल छिप इन होने पर अस्थायी कृप है अयोग्य।	(c) उसकी छाती की बनावट अच्छी है और छाती के फैलाव पर्याप्त है तथा उसका दिल ये फैले हुए ठीक है।
(4) काम के एक भौत (दोनों घोर) वै मस्टायड वेविटी से सब तारंग अवधि।	(1) किसी एक काम के सामान्य कृप से एक भौत से मस्टायड कैविटी से मुनाई देता ही दूसरे काम में सब तारंग अवधि वाले काम/मस्टायड कैविटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य।	(d) उसे पंट की कोई बीमारी है या नहीं।	
		(2) दोनों घोर से मस्टायड कैविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य। किसी भी काम की अवधि अवधि यज्ञ संग कर अवधि विवाह सणाए युक्त कर 30 डेसिमेट्र हो जाने पर गैर-तकनीकी काम के लिए योग्य।	(e) उसके कोई चिरस्थाई अवधि की बीमारी नहीं है।
(5) बहुत रुक्ने वाला काम आपैक्सेन किया गया/ बिना आपैक्सेन बाकी।	तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी कृप है अयोग्य।	(f) कोई जन्मजात कुरुचना या दोष नहीं है।	
(6) नास पट की हड्डी संबंधी विवरणादारी (दोनी विकारियटी) सहित अवधि। इससे रहित नास की जीवन प्रवाहक/प्रसारिक वस्तु।	(1) प्रतीक सामग्रे के परिस्थितियों व अनुसार विर्णवि सिया जाए गा। (2) सलायों सहित नासापट विवरणान होने पर अस्थायी कृप है अयोग्य।	(g) उसके किसी उड़ा या जीर्ण बीमारी के निशान नहीं है जिनसे कमज़ोर गठन का पता लगे।	
(7) टॉसिल्स घोर या कृठ और जीर्ण प्रवाहक वस्तु।	(1) टॉसिल घोर या कृठ की जीर्ण प्रवाहक वस्तु योग्य। (2) यदि आवश्य मैं अस्थायिक वर्णना विवरण हो तो अस्थायी कृप है अयोग्य।	(h) उसके शरीर पर टॉके के निशान है।	
(8) काम, नाक, गले (इ० एम० ट्र००) के अन्ते प्रसार अपने रास धरे देलिग्नेट 'हृष्मर	(1) हृष्मक द्यूमर—अस्थायी कृप से अयोग्य। डेलिग्नेट द्यूमर अयोग्य।	(i) कोई संचारी (कम्प्यूनिकेबिल) रोग नहीं है।	
(9) आटीस फिलीरोसिस	(1) आटोस किरीस अपरेशन वाला या अवधि यज्ञ की सहायता है अवधित 30 डेसिमेट्र के अवधि होने पर योग्य।		
(10) काम, नाक अवधि गले के अवधित दोष।	(1) यदि काम काज में बांधक न हों— योग्य। (2) यदि भारी भाँड़ा में हक्कल हो—अयोग्य।	11. दिल और फैफड़ों की किसी अपसामान्यता का पता लगाने जै जिन जो साधारण शारीरिक परीक्षा से जात नहीं सभी भागों में जेमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।	
(11) नेत्रलशीली	अस्थायी कृप से अयोग्य।	उम्मीदवार के स्वास्थ्य के बारे में संदेह की स्थिति में भैंडिकल बोहू को अध्यक्ष सरकारी नैकरी करने के लिए उम्मीदवार जै गैर अवधित या अयोग्यता का निर्णय करने के लिए अस्पताल में किसी उपर्युक्त विशेषज्ञ की मलाह ले सकते हैं जिसे यदि यह नहीं हो कि उम्मीदवार किसी ग्रानियम रोग या विकास विक्षिप्त हो तो बोहू को अध्यक्ष किसी अस्थिताल के मनोविकास यज्ञानी/ बनोविज्ञानी आदि की सलाह ले सकते हैं।	
		उब कोहू कोष मिले हो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। भैंडिकल परीक्षक को अपनी राय लिए दीनी चाहिए कि उम्मीदवार द्वारा इटटी के अपरेक्षित अवधारणा प्रसारण द्वारा अपने वास्तविक अवधित किया जाएगा जबकि अन्य भागों में यह अल्प अल्प कर लिया जाएगा। उम्मीदवार को अपनी अपील के साथ किसी रजिस्ट्रेशन डाक्टर का स्वास्थ्य प्रमाण एवं प्रस्ताव करने विवेष सौर-पर यज्ञ उल्लंघन करना चाहिए कि उम्मीदवार को चिकित्सा बोहू द्वारा अयोग्य चौथित किया जाने की उसे जानकारी है। जब उम्मीदवार स्वयं चिकित्सा बोहू के साथमें उपर्युक्त हों तो उनके पास हम प्रमाण एवं की प्रति अवश्य होनी चाहिए। उम्मीदवार को पहले भैंडिकल बोहू के निर्णय की अपेक्षा एक हीने की 21 दिन की भीनर अपनी अपील प्रस्ताव कर दीजी चाहिए अस्थाया अपील भैंडिकल बोहू द्वारा चिकित्सा प्रस्ताव के लिए नियम जानकार भी ही दिया जाएगा अन्तर्रोध को स्थीकार भी ही किया जाएगा। चिकित्सा परीक्षा के लिए अपीलीय भैंडिकल बोहू द्वी	

स्वस्था उम्मीदवार के हृच पर ही की जाएगी। अपीलीय मैडिकल बोर्ड के द्वारा की जाने वाली चिकित्सा¹ परीक्षा के संबंध में यिसी प्रकार का यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा। रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा अपीलीय मैडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिए आवश्यक कार्यवाही तभी की जाएगी जब निधि-रित शुल्क के साथ निश्चित समय के भीतर सभी अपीलें प्राप्त होंगी।

13. अपीलीय चिकित्सा बोर्ड का निर्णय अंतिम होंगा और उसके विरुद्ध कोई अपील नहीं होगी।

मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मैडिकल परीक्षक के मार्ग दर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है।

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस के लिए अपनाए जाने वाली स्टैण्डर्ड से संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवाकाल यदि कोई हो), के लिए उचित ग्रूजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्यता प्राप्त नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथा स्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपाइटिंग अथारिटी) को यह तसल्ली नहीं हो जाती कि उसे ऐसी कार्ड बीमारी रखना, संबंधी दाष या शारीरिक दबंगता (बड़िली इन्कार्मटी) नहीं है जिसमें वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो जाया हुआ या उसकी अदाय हानि की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि स्वस्थता का प्रदन भविष्य में भी उतना ही संबंध है जितना वर्तमान से है और मैडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारण सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामने में अकाल मरण होने पर भी यथा पूर्व पेशन या अद्यायियों को रोकना है। माथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यही प्रदन केवल निरन्तर कारण सेवा की समावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह इस हाले में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम परिस्थितियों में निरन्तर कारण सेवा में बाधक माना गया हो।

प्रौढ़ता उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी सेडी आर्टर को मैडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोगिता किया जाएगा।

मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट की गोपनीय रक्त आएगा।

ऐसे मैडिकल में जब कोई उम्मीदवार सदस्यारी सेवा में नियुक्ति के लिए योग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसको अस्वीकार किए जाने के बाधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु मैडिकल बोर्ड में जो सरावी बताई हो उसका विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामलों में जहां मैडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार की योग्य बनाने वाली छोटी भोटी सरावी चिकित्सा (मैडिकल या सर्जिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहां मैडिकल बोर्ड द्वारा इस योग्य का कठन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जबकि वह सरावी दूर हो जाए तो संबद्ध प्राधिकारी एक-दूसरे मैडिकल बोर्ड के मामने उस आपत्ति को उपस्थित होने के लिए कह सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो द्वारा गणना की अवधि साधारणतया कम से कम 7: महीने से कम नहीं होनी चाहिए। नियुक्ति अवधि के बाद अव-

द्वारा पराक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार का और आग की वर्तीभ के लिए अस्थायी तौर पर योग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के संबंध में अधिक वे इस नियुक्ति के लिए आयोग्य हैं ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दिया जाना चाहिए।

पुनः चिकित्सा परीक्षा को प्रथम चिकित्सा परीक्षा का भाग माना जाएगा और उम्मीदवार यदि ऐसा चाहुं, तो निषय के विरुद्ध अपील कर सकते हैं।

(क) उम्मीदवार का कठन और घोषणा

अपनी मैडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार द्वारा निम्नलिखित अपेक्षित विवरण देने चाहिए और उसके साथ लगी हुई आषणा (डिलरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए नोट में उल्लिखित असावनी की ओर उस उम्मीदवार का ध्यान विशेष रूप से आर्किव्यन किया जाता है :—

1. अपना पूरा नाम लिखें
(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान लिखें।

2(क) क्या आप ऐसी जाति से जैसे बोस्स, मुकुमस्ती, असमी, नाशालैण्ड, आदिवासी आदि में से किसी से संबंधित हैं जिनका औसत कद स्पष्टतः दूसरों से कम होता है। 'हाँ' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए। उत्तर हाँ में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

3(क) क्या आपको कभी चौंचक रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बृक्षार, गंभीर, (ग्लैण्डस) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में लून आना, दमा, दिन की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौरे, रिह्यूमीटिम, एपेक्साइटिस हैं ?

(ल) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या इर्थटना जिसके कारण शय्या पर लटें रहना पड़ा हो और जिसका मैडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो ?

4. क्या आपको अधिक काम या किसी इन्सर्प कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) है ?

5. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित जीर्दे दें ?—

यदि पिता बीवित मृत्यु के समय	आप यिते	आपको जाननी
हों तो उनकी आयु पिता की आयु	बाई जीवित	की मृत्यु हो
धीर स्वास्थ्य की उनकी आयु	उनकी आयु	बुजी हो तो
अवस्था कारण	योर स्वास्थ्य	उनकी मृत्यु के समय आयु
		और मृत्यु का कारण

1 2 3 4

12. जनन मन्त्र तंत्र (बोनिटी यूरीनरी सिस्टम) : बाइबिल-सील, बरिकासील आदि को कोई संकेत। मन्त्र विषयक घोषण

- (क) कैसा विचार है पढ़ता है?
- (ख) विशिष्ट गुरुत्व (स्पैसिफिक प्रॉटीटी)
- (ग) एल्ब्यूमेन
- (घ) शक्ति
- (इ) कास्ट
- (ज) कॉंशिकाएं (सेल्स)

13. आती की एक्सर्ट परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्थान में कोई ऐसी बात है जिससे वह उस सेवा से सम्बद्ध जिसका वह उम्मीदवार है, डॉटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।

नोट : —यदि उम्मीदवार कोई महिला है और वह 12 सप्ताह या उससे अधिक समय से गर्भवती है तो उसे विनियम 9 के अनुसार अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

15. उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के बाद किस सेवाओं से सम्बद्ध डॉटी के दक्षतापूर्वक तथा लगातार निष्पादन के लिए सब प्रकार से योग्य पाया गया है और किस सेवाओं के लिए अयोग्य पाया गया है? क्या उम्मीदवार क्षेत्रगत सेवा के लिए योग्य है?

नोट :— बोर्ड को अपना निष्कर्ष निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी में रिकार्ड करना चाहिए :—

- (1) योग्य (फिट)
- (2)

अध्यक्ष
मदम्य

उपरीक्षा

तारीख

परीक्षिष्ट—1.1.1

उन सेवाओं/पदों का संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती की जा रही है।

1. भारतीय रेल इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल विद्युत इंजीनियरी सेवा, भारतीय रेल सिग्नल इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियर सेवा, और भारतीय एस बंडार सेवा।

(क) परिवीक्षा :—इन सेवाओं के लिए भर्ती किए गए उम्मीदवार तीन वर्ग के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे जिसमें उन्हें वे वर्ष का प्रशिक्षण लेना होगा तथा किसी कार्यकारी पद पर न्यूनतम एक वर्ष के लिए परिवीक्षा पर रहना होगा। यदि उक्त प्रशिक्षण को संतोषजनक रूप से पूरा न करने के कारण किसी स्थिति में प्रशिक्षण अवधि को बढ़ाना पड़ा तो तदनुसार परिवीक्षा की कूल अवधि भी बढ़ा दी जाएगी। परिवीक्षा की अवधि को हारान भी यदि कार्यकारी पद पर काम संतोषजनक नहीं पाया गया हो सरकार द्वारा परिवीक्षा की कूल अवधि को लाभायकतानुसार बढ़ाया जा सकता है।

(ख) प्रशिक्षण :—समस्त परिवीक्षाधीन अधिकारियों को सेवा/पद विशेष के लिए निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अनुसार थोड़ा की अवधि दी जाएगी। उन्हें इस अवधि के लिए उक्त प्रशिक्षण एसे स्थानों पर तथा इस प्रकार से लेना होगा और ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जिन्हें समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए।

(ग) नियुक्ति की समाप्ति :—

(1) परिवीक्षा की अवधि के दौरान दान पक्ष से किसी एक पक्ष की ओर से तीन महीने का लिखित मांटिस देकर परिवीक्षाधीन अधिकारियों की नियुक्ति ममात्र की जा सकती है। फिर अंतिम अवधि के अनुच्छेद 3(1) के संपर्क विवाद के अनुसार की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के फलस्वरूप सेवा से वस्तुस्तगी और सेवा से हटाने के तथा मानसिक एवं शारीरिक अक्षमता के फलस्वरूप अनियार्य सेवा निवृत्ति के मामलों में ऐसा नांटिस देना आवश्यक नहीं होगा किन्तु सरकार को तत्काल सेवा समाप्त करने का अधिकार है।

(2) यदि सरकार की यह में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आवरण असंतोषजनक है या उसके कार्य या शाल बनने की संभायना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मृत्ति कर सकती है।

(3) विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण न करने पर सेवा समाप्त की जा सकती है। परिवीक्षा की अवधि के बारान अनमोदित स्तर की हिन्दी में परीक्षा उत्तीर्ण न करने पर सेवाओं को ममाप्त किया जा सकता है।

(घ) स्थाईकरण :—परिवीक्षा की अवधि के संतोषजनक रूप से पूरा करने तथा सभी निर्धारित विभागीय और हिन्दी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के फलस्वरूप तथा नियुक्ति के लिये सभी दृष्टियों से योग्य समझ जाने पर परिवीक्षाधीन अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ वेतनमान में स्थाई कर दिया जायेगा।

(इ) वेतनमान है—

- (1) कनिष्ठ वेतनमान—रु. 2200-75-2800-द. रु. 100-4000।
- (2) वरिष्ठ वेतनमान—रु. 3000-100-3500-125-4500।
- (3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—रु. 3700-125-4700-150-5000।
- (4) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—रु. 5900-200-6700।

इसके अतिरिक्त रु. 5900 तथा 8000 के वेतन के बीच के सुपरटाइम वेतनमान तालि पद भी जिनके लिए उत्तम वेतनमान सेवाओं के अधिकारी पात्र है।

परिवीक्षाधीन अधिकारी कनिष्ठ वेतनमान के न्यूनतम वेतन संप्राप्त करेगा तथा उस समय वेतनमान में अवकाश पौष्टि तथा वेतन धूमिधयों के सिथे परिवीक्षा पर विताई गई अवधि के गिरावट की अनुमति होगी।

महंगाई तथा अन्य भर्ते सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आवैश्यों के अनुसार प्राप्त होंगे।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान किभीय तथा अन्य परीक्षाओं के उत्तीर्ण न करने पर वेतन बढ़ियों को रोका या स्थगित किया जा सकता है।

(म) प्रशिक्षण व्यव सॉटेन :—यदि किसी ऐसे कारणबद्ध जो सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी के नियन्त्रण से बाहर नहीं है, कोइं हृ परिवीक्षाधीन अधिकारी प्रशिक्षण व्यव परिवीक्षा से अपना नाम वापस लेना चाहता है तो उस परिवीक्षा की अवधि के दौरान विए गए प्रशिक्षण का पूरा व्यव और अन्य धनराशियों को वापस करना होगा। इस प्रयासन के लिये परिवीक्षकों से एक अन्य-पत्र की अपेक्षा की जायेगी जिसकी एक प्रति उनके नियुक्ति प्रस्ताव के साथ संलग्न की जाएगी। किस त्रिन पारवेक्षाधान आधिकारिया का भारतीय प्रशासनक सेवा, भारतीय विवेच सेवा आदि में नियुक्त होते परीक्षा के लिए आवेदन करने होते अनुमति दी जाती है उन्हें प्रशिक्षण के व्यव को वापस नहीं करना पड़ेगा।

(छ) छुट्टी :—उक्त सेवा के अधिकारी समय-समय पर लागू छुट्टी नियमावली के अनुसार छुट्टी के पात्र है।

(ज) चिकित्सा सुविधा :—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार चिकित्सा सुविधा एवं उपचार कराने के पात्र होते।

(झ) पास तथा विशेषाधिकार टिकट :—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार निःशुल्क रेलवे पास तथा विशेषाधिकार टिकटों के पात्र होते।

(अ) भविष्य निधि तथा पाशन :—उक्त सेवा के लिए भता क्य गय उम्मीदवार रेलवे पंचान नियमावली द्वारा शासन होंगे और समय-समय पर लागू उस निधि के नियमों के अन्तर्गत राज्य रेलवे भविष्य निधि (गैर-अंशदायी) में अवादान करते होंगे।

(ट) उक्त सेवाओं/पदों के लिये भर्ती किये गय उम्मीदवारों की भारत से बाहर की भर्ती भी रेलवे या परिवाजन पर कार्य करना पड़ सकता है।

(ठ) रक्षा सेवाओं में सेवा करने का धारित्व :—यदि आवश्यकता है तो नियुक्ति किये गय परिवीक्षाधीन अधिकारियों का भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि (यदि काइ हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा।

केन्द्र उस व्यक्ति को :—

(क) नियोक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

और

केन्द्रीय वैशुल तथा यांत्रिकी इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

(क) चूने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष अंतिम तिए परिवीक्षा पर नियक्त किया जाएगा। परिवीक्षा को अवधि के दौरान उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होती। परिवीक्षा संसेवनालक रूप में पूरी कर लेने पर परिवीक्षा पद उपलब्ध हुए हो जनके स्थाई कार्य करते हुए कार्य किया जाएगा।

जाएगा। परिवीक्षा को दो वर्ष की अवधि सरकार द्वारा बढ़ाई जा सकती है।

परिवीक्षा की अवधि या परिवीक्षा की काइ बड़ी हुई अवधि समाप्त हो जाने पर यदि सरकार की यह राय है कि अधिकारी स्थाई/नियोजन/बरकरारी के उपयुक्त नहीं है या परिवीक्षा की इस अवधि या परिवीक्षा की बड़ी हुई अवधि के दौरान किसी समय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए तो अधिकारी स्थायी नियुक्त बरकरारी के लिए उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या जो ठोक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

(ख) ऐसी कि इस समय स्थान है, अंतर्राष्ट्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप के में नियुक्ति सभी अधिकारी, सहायक कार्यपालक इंजीनियर के उच्चतर ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने के बाद अगले उच्चे ग्रेड अधिकारी कार्यपालक इंजीनियर के रूप में पदान्तर में पात्र होंगे वशेत् कि रिक्तयां उपलब्ध हों और वे ऐसी पदान्तर के अन्यथा योग्य पाए जाएं।

(ग) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति वित्ती भी व्यक्ति को भारत की रक्षा में सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि (यदि काइ है) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किस तरह अधिकता को :—

(१) नियुक्ति की तारीख से वह वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(२) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(घ) वेतन की प्राप्ति दरें निम्न प्रकार हैं :—

पद	वेतनमान
१	२
(१) कनिष्ठ समय वेतनमान (सहायक कार्यपालक इंजीनियर)	रु. 2200-75-2800 रु. १००-१००-४०००
(२) वरिष्ठ समय वेतनमान (कार्यपालक इंजीनियर)	रु. 3000-100-3500 १२५-४५००
(३) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (अधीक्षक इंजीनियर)	रु. 3700-१२५-४७०० १५०-५०००
क. सामान्य ग्रेड	
क. अध्यन ग्रेड	रु. 4500-१५०-५२००
(४) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (धीक इंजीनियर)	रु. 5900-२००-६७००
(५) सुपर टाइम स्केल	
अपर महानियेशक महानियेशक (इम्प्ल्यु)	रु. 7300-७६०० रु. ८००० नियत (ये पद सभी तीन विधयों अर्थात् सिविल, इलेक्ट्रिकल और प्रॉप्रियता वास्तु इंजीनियरों के लिए समान हैं।)

नोट :— जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवधि के पद के अवधा किसी स्थाई पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उसका वेतन घटा। आड. 22 (बी) (१) के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(३) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क) और केन्द्रीय बैंकरी और योग्यिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप (क) के पदों से संबंधित वक्तव्यों तथा उसारबायित्वों का स्वरूप।

1. कोन्कणीय हाजीनियरी सेवा ग्रुप का

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोधि नियमित विभिन्न प्रकार की प्रौद्योगिक नियमण (केन्द्रीय सरकार के) जिसमें आवासीय भवन, कार्यालय, भवन संस्था तथा बनासंधान केन्द्र, शोधांगिक भवन, अस्पताल की भूमि की विकास येजाना, हवाई अड्डे महामार्ग तथा पुल आदि सम्बलित हैं, आयोजन, अभिकल्पन नियमण और रक्ष-रक्षाव की कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियर वो कृप में कार्य करते हैं ही और अपनी सेवा करते-करते प्रबोलत होकर विभाग में विभिन्न वरिष्ठ ओहर्डों पर पहुँच जाते हैं।

2. केन्द्रीय बैधत और यांत्रिकी इंजीनियरी सेवा ग्रप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से इस सेवा में भर्ती हए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक नियमित विभाग में विभिन्न प्रकार के सिविल नियमित (केन्द्रीय सरकार) के विभिन्न घटकों के विसमें विद्युत संस्थान इलेक्ट्रिकल सेवा-स्टेशन तथा बायर हाउस, बाया-पक्का सेवा तथा प्रशीतन, हवाई बहड़ों की रखने साइटिंग, यांत्रिक कार्यालयों का परिकालन, नियमित मशीनरी की प्राप्ति तथा रक्ष-रक्षाव आदि सम्बन्धित हैं। आयोजन, अधिकाल्पन नियमित और रक्ष-रक्षाव में कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार कपणी सेवा माहात्मक कार्यपालक इंजीनियरी के रूप में शक्ति करते हैं और कपणी सेवा करते करते वे पदोन्नत होकर विभाग में विभिन्न विभिन्न लोहबूंद पर वहचं जाते हैं।

3. भारतीय आयकृति कारखाना सेवा (पूर्ण क)

(क) चने हए उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परिवेश पर नियंत्रण किया जाएगा। सरकार यहाँनियंत्रक, बायोडि-
कारबाजाना अध्यक्ष आयुष्मान कारबाजान और्डर की नियंत्रिका पर परि-
वेश अधिक बढ़ा या बढ़ा सकती है। परिवेशाधीन व्यवित-
को सरकार द्वारा यथाविहित विभागीय तथा भाषा परिवेश
उभीर्ण करना होगा। भाषा के परीक्षण का हिन्दी में परीक्षण
होगा।

सरकार द्वारा परिवीक्षा की अवधि परी हो जाने पर अधिकारी जो उसकी नियन्त्रित पर स्थाहौं कर दिया जाएगा । किन्तु परिवीक्षा की अवधि को दैशन या अवधि की मार्गीय पर यदि सरकार को राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसको कार्यभक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि जितनी ठीक समझे और बढ़ा सकती है ।

(क) (१) जने हए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़े तो सहस्र सेना में कमीशन प्राप्त अधिकारियों में डॉ पं किसी परीक्षण पर बिताइ गई अवधि, यदि कोई है, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा। इनसे उस व्यक्ति को (१) नियंत्रित कर्ता तारीफ में दस वर्ष की समाप्ति औ बाक वर्षोंके रूप में कार्य नहीं करना होगा और (२) साधारणतः ४० वर्ष की आय हो जाने के बाद प्रवृत्ति रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(2) उम्मीदवारों पर एस. आर औ नं. 92 विधानि 9 मार्च, 1957 के अंतर्गत प्रकाशित 1957 के सिवाय-तियान इन डिफैस सर्विस (फीड लाइब्रेरीटी) बल्लसा भी साण होणे । उन मध्ये विधायिक विधिकरण स्थार जी अनुसार उम्मीदवारों की विधिकरण पर्याप्त की जाणी ।

१९९० (फाल्गुन ५, १९११)

(ग) निम्नलिखित वेतनमात्र देय है --
कमिष्ट समय वेतनमान रु 2200-75-2800-व रु.
100-4000/-

बरिल्ड समय बतेनमान रु. 3000-100-3500-125-
4500/-

कर्तिष्ठ प्रशासनिक देव सामान्य देव रु. 3700-125-
4700-150-5000/-

ਕਲਿੰਕ ਪ੍ਰਸਾਸਨਿਕ ਪ੍ਰੇਡ (ਕਲਿੰਕ ਪ੍ਰੇਡ) ਰੁ. 4500-150-
5700/-

परिष्ठ प्रसासनिक प्रेस रु. 5900-200-6700/-

परिष्ठ बनरल बैनरर रु. 7300-100-7600/-

अतिरिक्त महानियोक्ता, बायपूर्ख कारखाना/सदस्य, बायपूर्ख
कारखाना बोर्ड रु. 7300-200-7500-250-8000/-

महानिवेदन आयुष्म लारवाना/अध्यक्ष आयुष्म लारवाना,
बोर्ड रु. 8000/-

टिप्पणी :—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी मियोकित से पहले प्राविधिक पद के बलादा किसी स्थाइ पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उसका वेतन एका यंत्रालय के समय-समय पर संशोधित का जा से 15(6)/64/डी. (एपाइन्टमेंट्स) /1051/डी. (सी. 4/1) दिनांक 25 नवम्बर, 1965 के उपर्यन्थों के अधीन विनियमित किया जायेगा ।

(ध) परिवीक्षाधीन अधिकारियों को बंसरी/नागपूर में फाउण्डेशन कोर्स करना होया।

(d) इस प्रकार भर्ती हुए परिवेशाधीन आधिकारी की सेवा प्राप्ति करने से पहले एक बम्प-पम्प भरना होगा ।

4. भारतीय दूर संचार (प्रृष्ठ क)

(क) वार्ष की जबाइ के लिए नियुक्ति परिवेश पर कौन साधेगी । सरकार की राय में परिवेशाधीन अधिकारी का कार्य तथा आवरण धीरे असंतोष-जनक है या उसे वह आभास होता है कि उसके कुशलता प्राप्त करने की संभावना नहीं है तो सरकार उसे तत्काल कार्यमूक कर सकती है । परिवेश जबाइ पर्ही हो जाने पर सरकार, धीरे स्थाई रिक्तियाँ उपलब्ध हैं, उस बहुत नियुक्ति पर स्थायी बना सकती है या धीरे सरकार की राय में उसका कार्य व्यव्या आवरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसे सेवा-मूक कर सकती है या जितनी ठीक समझे उतनी जबाइ के लिए उसकी परिवेश की जबाइ बड़ी सकती है ।

परिषीक्षा की अधिकता के बारें में भी विभागीय परीक्षा
मा परीक्षाएँ निर्धारित की जाएं, अधिकारियों को उत्तीर्ण
करनी होगी। उनको स्थायी किए जाने से पहले हिस्से का
परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(८) अधिकारियों का व्यवसाय तथा भासा-सम्बन्धी परीक्षण भी उत्तरीय करने ही पैगा।

(ग) इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियक्त किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी हो भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर वित्ताई गई अवधि, यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए, किसी रक्षा सेवा। भारत की रक्षा से सम्बन्ध पद पर कार्य करना होगा किन्तु उम्म श्रवित को —

(1) नियक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(अ) ग्राह्य वेतन की दर^१ निम्नलिखित है —

कमिष्ठ वेतनमान रु. 2200-75-2800-द. रु. 100
1000/-

वरिष्ठ वेतनमान रु. 3000-100-3500-125-4500/-

कमिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड रु. 3700-125-4700-150-
5000/-

कमिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (बयन ग्रेड) रु. 4500-150-
5700/-

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड 5900-200-6700/-

नोट :—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी और रूप में अपनी नियक्ति से पहले आवधिक पद के अलावा किसी स्थाई पद पर मूल रूप में कार्य कर रहा हो उनका वेतन एक बार 22 वीं (1) के उपबन्ध के अधीन विनियमित किया जाएगा ।

आरम्भीय दूरसंचार सेवा प्रृष्ठ के कमिष्ठ वेतनमान में यदि किसी अधिकारी का स्थानापन वेतन रु. 2350/- या इससे अधिक है तो वह तब तक वेतन अवृद्धि प्राप्त नहीं करेगा । तब तक विवाहीय परीक्षा उत्तीर्ण न कर सके ।

(छ) भारतीय दूरसंचार सेवा प्रृष्ठ के पदों में सम्बन्धित तथा उत्तरवाचित ।

प्रशासक विवीजनल इंजीनियरी अधिकारी

सहायक विवीजनल अधिकारी इंजीनियरी, टेलीफोन/टेलीफोन इंजीनियरी सब विवीजन, कौशल, बी. एफ. टी., कॉर्पोरेशन, माइक्रोवेव, लांग डिस्टेंस, इलेक्ट्रिक तथा वायरलैन वै इन्वर्टर्स होने और सामान्य विवीजनल इंजीनियरी से अधीन कार्य करने । वे विभिन्न दूरसंचार नियमित और सम्बन्धित संस्थानों करने के लिए परियोजना संगठन में भी कार्य कर सकते हैं ।

सहायक विवीजनल अधिकारी इंजीनियरी

विवीजनल अधिकारी इंजीनियरी के टेलीफोन/टेलीफोन इंजीनियरी विवीजन विसम-लांग विस्टेंस, कॉर्पोरेशन, माइ-क्रोवेव मैनेजरीन विवीजन तथा वायरलैन विवीजन शामिल हैं । जो अपने प्रभार में रहने वाले टेलीफोनों तथा टेलीफोनों के उपकरणों के रख-रखाव ते पर्याप्त जिम्मेदार होंगे तथा अपने विवीजन में यह करके कार्य करने । जब विवीजनल अधिकारी इंजीनियरी परियोजना संगठन पर लगात जाते हैं तो उन्हें यांत्रिक में निर्माण/संशोधन कार्य करना होगा ।

प्रशासनिक ग्रेड

दूरसंचार सर्किल और टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट में दूरसंचार ममत्वाधीन परिसम्पत्तियों के प्रशासन और दूरसंचार संस्थानों के प्रशासन तथा आयोजन के लिए, दूरसंचार प्रशासनियों आदि में ब्रान्सेंधन और विकास के लिए जिम्मेदार हैं । वे माइनर टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट, दूरसंचार सर्किल, आदि के लिए भी दूरी तरह जिम्मेदार हैं ।

प्रशासनिक ग्रेड

दूरसंचार सर्किल/टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट/प्रोजेक्ट सर्किल दूरसंचार अन्वेषण क्षेत्र का प्रधान, जो कार्यभार में उसका पूरी तरह से उपबन्ध व प्रशासन करने के लिए जिम्मेदार होगा महाप्रबन्धक, दूरसंचार आयोग की नीति निर्धारित करने तथा समझ प्रशासन करने में उच्चस्तरीय महायात्रा प्रदान करता है । मूल्य महाप्रबन्धक दूरसंचार हैंजी-नियमित केन्द्र तथा महाप्रबन्धक, दूरसंचार हैंजीनियरी केन्द्र के अन्वेषण सम्बन्धी समझ कार्यकारी लिए जिम्मेदार हैं ।

केन्द्रीय जल इंजीनियरी (प्रृष्ठ 'क') सेवा

(1) केन्द्रीय जल आयोग में सहायक/निवेशक सहायक कार्यपालक इंजीनियरी के पक्ष पर भर्ती हए अवित्त वर्ष की अवधि जीवनी पर रहेंगे ।

किसी सरकार आवश्यक होने पर, वो वर्ष की उक्त अवधि अधिक से अधिक एक वर्ष तक और बढ़ा सकती है ।

यदि परिवीक्षा की उपर्यक्त उव्वेदित या बहुत हैं अवधि वैसी भी स्थिति हो, समाज लोने पर सरकार की यह राय हो कि उम्मीदवार स्थाई विशेषज्ञ ब्रेत उपर्यक्त समझ है या परिवीक्षा की इस अवधि या बहुत हैं अवधि के इराम सरकार सन्तुष्ट हो जाए कि उस स्थाई नियक्ति इसे उपर्यक्त समझ है तो इस अवधि या बहुत हैं अवधि के समाज लो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्यपालक कर सकती है या उसकी उम्मीद आवश्यक पर उपर्याक्षित कर सकती है या जो ठीक समझे वह आवश्यक परित्यक्त कर सकती है ।

परिवीक्षा की अवधि जीवनी परिवार सरकार उम्मीदवारी से प्रौद्योगिक का एसो लोइ कोर्स करने और जीवनी परिवार नाम परिवार उत्तीर्ण करने के काल सकती है जिसे दूरसंचार की अफल पर्ट की एक शर्त के रूप में ठीक समझा है ।

(2) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियक्त किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़े तो आवास की रक्षा से सम्बद्ध किसी घोषित पर विलाई विलाई गहरे अवधि यदि कोई भी सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत का रक्षा में अवधित पद पर कार्य करना होगा; किन्तु उम्म अवधि जीवनी

(1) नियक्त की तारीख से वस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(3) सहायक निवेशक/सहायक कार्यपालक हैंजीनियर और पर नियक्त अधिकारी नियमित इन्वेस्टिमेंट एवं उपर्यक्त करने के बाद उप निवेशक/कार्यपालक हैंजीनियर/विवाहीक्षण हैंजीनियर/निवेशक/विवाहीक्षण हैंजीनियर (वागन येट) में

ईंजीनियर (स्टर-11) म. ई. (स्टर-1) में सदस्य/वधक, सी. हल्लू सी के उच्चतम प्रेडों में पदोन्नति की उम्मीद कर सकते हैं।

(4) केन्द्रीय अल वायोग में इजीनियरी पढ़ों के द्वय 'क' के लिए वेतनमान निम्न प्रकार है :—

(कोलंडॉय डाल आर्योग में सिविल और धार्मिक पद) ५

१. सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इच्छीनियर—
फँच 2200-75-2800-द. रो.-100-400।

2. उपनिदेशक/कार्यकारी इंजीनियर--२; 3000-100-
3500-125-4500।

3. अधीक्षण इंजीनियर निदेशक (साधारण प्रेस)-रु. 3700
125-4700-150-5000 १

४९ निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (वयन प्रेड) — रु. 4500

५७ पूर्ण इंजीनियर—रु. 5900-200-6700 ।

6 न सदस्य, सी.। डब्ल्यू. सी./अध्यक्ष, जी. एफ. सी.

Call 7300-100-7800
For more information

५५ लोकार्थीय जल इंजीनियरी (श्रृंखला) सेवा में पद
से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का व्यवस्था।
सहायक निदेशक (भिविल और यांत्रिक)

सिंहाई, नीसंचालन, विद्युत घरेलू जल आपूर्ति, बाढ़ का प्रबंध और अन्य प्रयोजनों के विकास हेतु, जल साधनों के संरक्षण तथा विनियमन के लिए आकलन, रिसोर्ट आदि हैं। यहाँ यहाँ सहीह पर्यायोजनाओं की योजना सर्वेक्षण अन्वेषण तथा प्रक्रियालयनना।

सिविल यांत्रिकी इंजीनियर (सिविल तथा यांत्रिक)

उत्तरार्द्ध कार्बोटिट उपमण्डल या अन्य एककों के निर्माण कार्य वै सेवा के जिम्मेदार होंगे। उन्हें अपने प्रभार की वधीर देखकर तथा भवित्वारों का लेखा-जीखा रखना होगा तथा परोक्ष भूमि वै उपमण्डल में प्रत्येक कार्य की प्रगति के लिए कार्यकार्ताओं को भी देखना होगा। विहित नियमों वै अवधारणा के अपने प्रभार के वधीर भाग बहिर्यों इस्टर्न रोड तथा अन्य लौंगलेसों के सही रख-रखाव के लिए जिम्मेदार हींगे।

३१६ अंगठन का विवरण

विद्युत (आपरिं) अधिनियम, 1948 की भारा (3rd / 11)
 वे अधैरे कैनॉनीय विद्युत प्राधिकरण संगठित किया
 गया था और इसका वायिल्स राष्ट्रीय विद्युत नाम से भी नियंत्रण
 क्षमता उपर्योग की सम्बन्ध में योजना और भ्रमणों के कार्यकलापों
 की संबंधित करने के लिए एक सहृदय पर्यावरण और एकलता
 विद्युत नीति का विकास करना है। इस की मार्गी विद्युत
 और ऊर्जाओं (उत्पादन संरक्षण वितरण और विद्युत आपरिं
 की उपर्योग) की संभाव्यता तकीयों विनियोग, भार्यक
 व्यवहार्यता आदि की सम्बन्ध में यह सनिश्चित करने के लिए
 मौनीय विद्युत प्राधिकरण में संविधा की जाती है कि
 वे योजनाएँ राज्यों तथा क्षेत्रों के समग्र विकास की लिए
 उपयोग होनी और सब प्रकार से राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था के
 उन्नयन होनी। इस संगठन का राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था के

विकास और विद्युत के इसकी पृष्ठ गतिशीली शक्ति प्रदान
करने में महत्वपूर्ण स्थान है।

(2) उस ग्रेड का विवरण जिसके लिए संघ लोक सेवा आयोग इवारा आयोजित सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षाओं के माध्यम से भर्ती की जाती है

८. 2200-4000 के बेतनमात्र में सहायक निवेशक, पश्चायक प्राधिकारी इंजीनियर के प्रेषण में साठ प्रतिशत पद अंचल लोक सेवा आयोग द्वारा वार्षिक आधार पर ली गई सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरे जाते हैं।

क्लेन्ड्रीय विषयत इंजीनियरौं (ग्रुप क) में सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर वा पद पर नियुक्त किए गए अधिकारी दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे। किन्तु जब्त आवश्यक हो वहाँ सरकार उक्त दो वर्षों की अवधि के अतिरिक्त अवधि बढ़ा सकती है जो एक वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि उपर्युक्त परिवेक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि ऐसी भी स्थिति हो, के समाप्त होने के बाद सरकार पहले समझे कि कोई उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं है अथवा ऐसी परिवेक्षा की अवधि या बढ़ाई गई अवधि के द्वारा किसी भी समय वह इस बात से सन्तुष्ट हो कि उक्त उम्मीदवार ऐसी परिवेक्षा अवधि या बढ़ाई गई अवधि को समाप्त के बाद स्थायी नियुक्ति के गोग्य नहीं होगा तो वह उसे संभास्कृत कर सकती है या उसके स्थायी पद पर प्रत्यार्पित कर सकती है या ऐसे बादशे पारित कर सकते हैं जैसा वह उचित समझे।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को एसा प्रश्न पूछा जाएगा कि इन्होंना हांगा तथा अनुदेश का पालन करना हांगा तथा एसे प्रश्न परीक्षाएँ उत्तीर्ण करनी होंगी जो सरकार द्वारा परिवीक्षा की अवधि को संतोषजनक रूप से पूरा करने की वास्तवी रूप में निपटायी जायें।

यदि आवश्यकता है तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम से भारत पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत द्वारा रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि (यात्रा कोइ लाए हुए) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि को लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा। अन्त उस व्यक्ति को—

(क) नियूक्ति को सार्वान्व से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पर्याकृत रूप से कार्य नहीं करना होगा। और

(क) सामान्यतः 45 वर्ष की आय हो जाने के बाद पूर्वोत्तर रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(3) उच्चतर शेषों के लिए पदोन्नति

महायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर की पट्टी पर इनियरश अधिकारी समय-समय पर यथा मंत्रोधित ऐलाई शक्ति इंजीनियरी (ग्रप क) संवा नियमावली, 1965 में निर्धारित शर्त पूरी करने के बाद उन्हें यहाँ अर्थात् उप-निदेशक/कार्यपालक इंजीनियर, निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (साधारण डेफ), निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड), उपमुख्य इंजीनियर, मस्त इंजीनियर की रूप में नियुक्ति के पात्र हैं बशतें कि मामवद्य यहाँ में विक्रितयां उपलब्ध हैं।

(4) वेतनमान

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर (पृष्ठ क) सेवा के पदों पर वेतनमान निम्नलिखित है :—

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में विद्युत यांत्रिक और दूर संचार तंत्रमध्ये पद

कम पद का वाम	वे तनमान
₹०	
१. सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर	₹० 2200-75-2800- रु० ३००-१००-४०००
२. उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर	₹० 3000-100-3500- 125-4000
३. निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर	₹० 3700-125-4700- 150-5000
४. उप मुख्य इंजीनियर	₹० 4500-150-5700
५. मुख्य इंजीनियर/सदस्य-सचिव	₹० 5900-200-6700

नोट—सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर ग्रेड से उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति होने पर वेतन नियतन के प्रयोगनार्थ इस सेवा के सदस्यों के लिए चतुर्थ वेतन आयोग की अनुशंसाओं पर अपनाई गई समनुक्रमणिक सारणियां लागू हैं।

(5) कर्तव्य और दायित्व

सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पदों पर संबद्ध कर्तव्यों और दायित्वों के स्वरूप इस प्रकार हैं :—

विद्युत विकास के क्षेत्रों की विविध प्रकार की समस्याओं से संबद्ध बर्पेक्षत तकनीकी तथ्यों का संग्रह, संकल्प और प्रस्तुर संबंध। उन्हें इनसे संबद्ध मामलों को भी निपटाना है जिसमें हाइड्रो तथा थर्मल पावर परियोजनाओं की स्थापना, संचालन, अनुरक्षण तथा विद्युत योजनाओं, परियोजनाओं की अभिकलनाओं आदि के तैयार करने में सहायता देते हए उनकी संरचना तथा वितरण/विद्युत प्रणालियों की परियोजना रिपोर्टों का अध्ययन करना सम्मिलित है। क्षेत्र एकों में कार्य करते हए वे उप-मंडल या उनको आवंटित अन्य कार्यों के लिए उत्तरदायी होते हैं।

7. भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के पद

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर कनिष्ठ/यांत्रिक इंजीनियर कनिष्ठ (पृष्ठ क) पदों पर अस्थायी आधार पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहते हैं। दो वर्ष से अधिक अतिरिक्त अवधि के लिए सेवा में उनका रखना परिवीक्षा अवधि के दौरान उनके द्वारा किए गए कार्यों के मूल्यांकन पर निर्भर करेगा। सरकार की विकास पर यह अवधि बढ़ाइ जा सकती है उन्हें क्रमशः ₹. 2200-75-2500-रु०-१००-४००० के समय वेतनमान में वेतन मिलेगा। संतोषजनक रूप से उनकी परिवीक्षा की अवधि पूरी कर लेने पर यदि वे स्थायी नियुक्ति के गोग्य समझे जाते हैं तो मूल रिक्तियों के उपलब्ध होने पर नियमानुसार उनके स्थायीकरण पर विचार किया जाएगा।

यदि आवश्यकता है तो भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर कनिष्ठ/यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्तियों को भारत की रक्षा से संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित

कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को—

(1) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर (कनिष्ठ) या यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) के पद पर नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति और बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(2) मामाल्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

इस विषय पर नियमों और अनुदेशों के अनुसार जो उम्मीदवाले गोग्य पाये जाते हैं उनके लिए पदोन्नति का क्षेत्र नियमित है :—

(क) बरमा इंजीनियर (कनिष्ठ) के लिए ₹० 2200-75-2500-रु०-१००-४०००

(1) बरमा इंजीनियर (वरिष्ठ) ₹० 3000-100-3500-125-4500

(2) निदेशक (बरमा) ₹० 3700-125-4700-150-5000

(3) उप महानिदेशक (इंजीनियरी सेवा) ₹० 5900-200-6700

(4) वरिष्ठ उप महानिदेशक ₹० 7300-100-7600

(क) यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ₹० 2200-75-2500-रु०-१००-४०००

(1) यांत्रिक इंजीनियर (वरिष्ठ) ₹० 3000-100-3500-125-4500

(2) निदेशक (यांत्रिक इंजीनियरी)

(3) उप महानिदेशक (इंजीनियरी सेवा) ₹० 5900-200-6700

(4) वरिष्ठ उपमहानिदेशक ₹० 7300-100-7600

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में भर्ती किये गये अधिकारियों को भारत में या विदेश में कहाँ भी कार्य करना पड़ सकता है।

शेर 1—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन, जो परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले स्थायीवत हैसियत से किसी आवधि पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर है, एक बाड़ 22-ख (1) के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जायेगा।

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में पदों से संबद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप

यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ)

बरमा वाहनों और अन्य उपस्करण तथा भरम्यत, विविध क्षेत्र के कर्तव्यों तथा कार्यों के लिए ढाइवरों तथा वाहनों का आवंटन पी. एस. एल. अंकों तथा अभिलेखों, लाग ब्रूक, इंटर वृत्तियों की संवीक्षा तथा अनुरक्षण।

बरसा इंजीनियर (कनिष्ठ)

कोर रिकवरी का इन्द्रिय प्रतिशत सूचित करते हुए एक या अधिक डिलिग रिग से खनिज अन्वेषण के सबध में छेदन कार्य करना। मरकारी भण्डारों और उसको बोपे गये हम्पेट को ठीक प्रकार में भूक्षा के लिए, गहरे घटे मञ्जिनरों और बाहनों का समारक्षण। भण्डारों तथा राकड़ लक्षों की रखना और अपने अधीन नियोजित कर्मचारी वग लो दर्शन।

8. इंजीनियर (श्रृंखला), योजना और समन्वय संकाय/
अनुश्रवण संगठन, मंत्रालय (दूर संचार विभाग) .

(क) वतनसान रु. 2200-75-2800-द रु. -100-
4000।

(ख) इड में पांच वर्ष की रुक्ति वाले इंजीनियर
के पदभारी महायक वायरलैंग सलाहकार, वायरलैंस
योजना और समन्वय संकाय। इंजीनियर प्रभारा अनु-
श्रवण दरगठन (वतनसान रु. 3000 100-3500-
125-4500 तथा महायक वायरलैंग सलाहकार को
पद के लिए रु. 100 प्रतिमास विशेष वेतन) के
में रिक्तियों के रु. 100 प्रतिशत पदान्वेति
के पात्र हैं। महायक वायरलैंस सलाहकार/इंजीनियर
प्रभार के ग्रांड में उनकी पदान्वेति श्रृंखला के
लिए संगठित की गई प्रभारी पदान्वेति सीरियन
को अनुशंसाओं पर उनके चयन के आधार पर की
जाएगी।

महायक वायरलैंस सलाहकार/इंजीनियर प्रभारी के
ग्रांड में 5 वर्ष की संवीकृत धारा में भी रायक
वायरलैंस सलाहकार और इंजीनियर प्रभारा उप-
वायरलैंस सलाहकार (वतनसान रु. 3700-125-
4700 150-5000) के पद पर पदान्वेति के लिए
प्रभारी का ग्रांड में 10 वर्षों के लिए संगठन
को गहरी प्रभारी पदान्वेति सीरियन का अनुशासन
पर चयन करने के आधार पर 100 प्रतिशत पदान्वेति
द्वारा भरी जाती है।

अगले ४५ प्र. म. ५.०८.९० हेतु तथा पूर्यावत्
अपक्षाएँ न्यूनतम धारता को हैं और सम्बद्ध ग्रंथ भ.
पदान्वेति कवले रिक्तिया की उपलब्धता पर होंगी।

(ग) इंजीनियर के पद पर नियुक्ति किए गए व्यक्तियों को
भारत में कहाँ भी कार्य करना पड़ सकता है।

(घ) योद्धा अवश्यकता हृदय तथा इंजीनियर के पद पर
नियुक्ति किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत का
रक्षा में सम्बद्ध किसी प्रांशक्षण पर बिसाई गहरे
बद्धाध (योद्धा काइद हो) गाहूल करने के कम 4 वर्ष का
अवधि के लिए किसी रक्षा दबा या भारत को रक्षा से
सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, इन्हें उस व्यक्ति
का—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति
के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य न करना होगा,
और

(2) सामान्यत 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद
पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ङ) पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप—

- (1) डब्ल्यू. पी. सी. स्कल्प/वायरलैंस मानीटरन
संगठन के विभिन्न एकों के कर्मचारियों का
पर्यवेक्षण, निवेशन तथा प्रशिक्षण।
- (2) सापूर्ण रैकिंग प्रारंभिक वर्णन तथा विभिन्न
धकार श्रेष्ठतम योग्य आवन करने वाली रैकिंगों
आवृत्त मानीटरन में प्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक उप-
करण के विभिन्न वर्गों, एटिना तथा सहायक
उपकरणों का प्रतिष्ठापन, अंशशोधन, परीक्षण
तथा अनुरक्षण।
- (3) भिन्न-भिन्न प्रकार की रैकिंगों संचार में वायरलैंस
के लिए विभिन्न प्रयोक्ता विभागों/संगठनों के
वायरलैंस प्रतिष्ठानों का अनुशासन एवं नियो-
जनन।
- (4) रैकिंग आवृत्त वर्णन तथा तुल्यकाली उप-
करण को उपयोग के राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय
समन्वय सम्बद्ध सभी पहलू जिसमें नियन्त्रण
योजना का नियन्त्रण, संगत तकनीकी मानकों की
स्थापना, उपस्कर के प्रकार—अनुमोदन वैश्विक
चुम्बकीय व्यवधान/सुसंगति आदि का अध्ययन
सामूलत हो।
- (5) संयत राष्ट्रीय नियमों तथा विनियमों के प्रति-
पादन एवं कायान्वयन सहित अन्तर्राष्ट्रीय रैकिंग
विनियमों का प्रवर्तन।
- (6) विवीणता/रैकिंगों अव्यवसायी प्रमाणपत्र आदि के
निए परीक्षाओं का आयोजन करना तथा उनके
निए नाइस से जारी करना।
- (7) रैकिंग आवृत्त वर्णन तथा मानीटरन से सम्बद्ध
अनुसंधान तथा विकास कार्य करना।
- (८) रैकिंग आवृत्त संचार संघ बूर्ज संचार सं-
भवान्यता बन्ध व्यापारित अन्तर्राष्ट्रीय/सेवीय
संगठनों का लिए राष्ट्रीय सीरीज पर प्रवर्तन करना।

५. कन्द्राय इंजीनियरों में (संडक) (श्रृंखला 'क')

(ए) नुग हैं। उम्मादवार न्यूनतम वायरलैंस का भारी
पद पर दा वष के लिए पारंपरिका को आधार पर नियुक्ति किए
जाएं। पारंपरिका अवधि पूरी होने पर यदि स्थायी रिक्तियों
उपलब्ध हैं और व स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं
तो उन्हें सहायक कायकारी इंजीनियर के पद पर स्थायी नियुक्ति
जाएगा। सरकार दो वष की पारंपरिका अवधि को बढ़ा सकती
है।

परिवीक्षा अवधि या उगकी बढ़ाई गई अवधि के समाप्त
होने पर यदि सरकार यह समझती है कि कोई सहायक कायकारी
इंजीनियर रथारी नियोजन के योग्य नहीं है या ऐसी
परिवीक्षा की बढ़ाई गई अवधि के दौरान वह इससे संतुष्ट है
तो कोई महायक कायकारी इंजीनियर ऐसी अवधियों या
बढ़ाई गई अवधियों की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति के योग्य
नहीं होगा तो वह उस सहायक कायकारी इंजीनियर को सेवा
निवृत्त कर सकता है अथवा ऐसे आवेदन पास कर सकते हैं जो
वह ठीक समझे।

अधिकारियों द्वारा स्थायीकरण से पहले हिन्दी का परीक्षण भी
उनीं करना होगा।

(क) यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति का भारत रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति का—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा; और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) निम्नलिखित वेतनमान देय हैं :—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर—
रु. 2200-75-2800-व. रु.-100-4000/-
कार्यकारी इंजीनियर—
रु. 3000-100-3500-125-4500/-
अधीक्षक इंजीनियर—
रु. 3700-125-4700-150-5000/-
अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रन्थ)—
रु. 4500-150-5700/-
मूर्ख इंजीनियर (सड़क पुल/यांत्रिक)—
रु. 5900-200-6700/-
अतिरिक्त महानिदेशक (सड़क/पूल)---
रु. 7300-100-7600/-
अतिरिक्त महानिदेशक (सड़क विकास)
रु. 7300-200-7500-250-8000/-

टिप्पणी :—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन जो केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क/ग्रुप ख में परिवीक्षाधान नियुक्ति से पहले मूल रूप में किसी आवधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पर है एक. आर. 22-व (1) के उपबंधों के अधीन विविधता किया जाएगा।

(घ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (राझक) पुल ग्रुप के पद से संबद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

सड़क/पुल कार्यों की अधिकत्पन्नी और आकलन सेवाएँ करने की योजना में और राज्यों से ऐसे कार्यों के लिये प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा करने में जहाजरानी और परिवहन मशालय के सड़क स्वन्ध के मुख्यालयों और ध्रेशीय कार्यालयों में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की सहायता करने और/या केन्द्रीय मशीनरी के प्राप्ति तथा अनुरक्षण में।

10. भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा सचिना और प्रसारण मन्त्रालय

(क) उक्त सेवा के किनिष्ठ वेतनमान में सीधे भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा नियुक्ति पर प्रत्येक अधिकारी दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधान

रहेगा।

(1) किन्तु शर्त यह है कि नियंत्रण प्राधिकारी परिवीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा समय-समय पर आरी अनुदेशों के अनुसार घटा या बढ़ा सकता है।

(2) अनली शर्त यह है कि परिवीक्षा अवधि बढ़ाने हेतु कोई निर्णय परिवीक्षा की पहली अवधि के

समाप्ति के बाद बाठ सप्ताहों के अन्दर किया जाएगा और सम्बद्ध अधिकारी का ऐसा करने के कारणों सहित उक्त अवधि के अन्दर तिचित रूप में समर्पित कर दिया जाएगा।

(3) परिवीक्षा अवधि तथा उसको किसी वृद्धि के समाप्ति पर अधिकारी को स्थायी नियुक्ति है तु उपयुक्त पापु जाने की स्थिति में अपनी नियुक्ति पर नियमित आधार पर बनाए रखा जाएगा और उसकी यथावधि उपलब्ध भूल रिंप्रिट पर स्थायी कर दिया जाएगा।

(4) यांव परिवीक्षा या बड़ी हुई परिवीक्षा की अवधि जैसी भी स्थिति हो के दौरान सरकार का यह मत हो कि कोई अधिकारी सरकार में स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं है तो सरकार उसे कार्यमूक्त कर सकती है या उसी पद पर बापस भंज सकती है जो वह उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले धारण कर रहा था, जैसी भी स्थिति हो, या और कोई उपयुक्त आवश्यक पारित कर सकती है।

(5) परिवीक्षा या बड़ी हुई परिवीक्षा की अवधि के बारान उम्मीदवारों को परिवीक्षा के सफल समाप्ति की शर्त के रूप में सरकार द्वारा यथापेक्षित शिक्षण तथा प्रशिक्षण कोसं पूर्व करने होंगे और परिवीक्षा तथा परिवीक्षण (हिन्दी परिवीक्षा सहित) उत्तीर्ण करने होंगे।

(ब) सेवा में नियंत्रित दृष्टि सदा के विभिन्न इंडों के सभी पदों पर सभी नियुक्ति कार्य—चाहे व “आकाशवाणी” में वा “दूरदर्शन” में हों—नियंत्रण प्राधिकारी द्वारा हो जाएगी।

(ग) भारत के किसी शासन द्वारा की भावित्व सेवा की अन्य शर्त—

(1) उक्त सेवा द्वारा नियंत्रित अधिकारीयों द्वारा भारत के किसी भाग में या बाहर सेवा करनी पड़ सकती है।

(2) उक्त सेवा में नियंत्रित अधिकारी को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किया रखा सेवा या पद पर कम से कम 4 वर्ष तक कार्य करना पड़ सकता है जिसमें प्रशिक्षण को अवधि रामिलित है किन्तु ऐसे अधिकारी को :

(1) एसी नियुक्ति की तारीख से या उक्त सेवा के प्रारंभिक गठन से पहले कार्य ग्रहण की तारीख से 5 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना पड़ेगा।

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना पड़ेगा।

(घ) उक्त सेवा के सदस्यों की में शर्तों में उन मामलों पर केन्द्रीय सिद्धिल सेवा के अधिकारियों पर लागू होंगे जिनके मंबंध में इन नियमों में कोई व्यवस्था नहीं है।

ग्राह्य वेतनमान निम्न प्रकार है :—

(1) कनिष्ठ वेतनमान	₹ 2200-75-2800-
	द० से०-100-4000
(2) वरिष्ठ वेतनमान	₹ 3000-100-3500-
	125-4500
(3) जे० ए० जी०	₹ 3700-125-4700-
	150-5000
(4) जे० ए० जी० (चयन प्रेड)	₹ 4500-150-5700
(5) एस० ए० जी०	₹ 5900-200-6700
(6) इंजीनियर-इन-चीफ	₹ 7300-100-7600

भारतीय प्रसारण (इंजीनियर)

सेवा मुप्र के कानून

वेतनमान के पद से सम्बद्ध कार्य ।

तथा उच्चरायित्व के प्रकार :

बाइकास्ट, टी० बी० स्टूडियो

और ट्रांसमीटोरों का अभिकल्पन,

संस्थापन प्रचालन और अनुरक्षण ।

सहायक इंजीनियरों के कार्य

पर्यावरण का उत्तरायित्व ।

11. सहायक इंजीनियर (मुप्र ल) (सिविल तथा विद्युत)

सिविल—निर्माण स्कॉल, आकाशवाणी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय

(क) नियुक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा के आधार पर होगी ।

(ख) (1) पव पर नियुक्ति किए गए अधिकारी के भारत में कही भी कार्य करना होगा और उक्सी भी सभ्य उसका लंबक निगम के अधीन स्थानान्तरण किया जा सकेगा और ऐसे स्थानान्तरण पर, वह निगम के कर्मचारियों के लिए निर्धारित को गई सेवा की शर्तों से शासित होगा ।

(2) यदि आवश्यकता है तो सहायक स्टेशन इंजीनियर द्वारा इंजीनियर के पद पर नियुक्ति किए गए व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध नियोग प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यांदू कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना हांगा; किन्तु उस व्यक्ति को—

(1) नियुक्ति की तारीख से बस वर्ष की समान युक्ति रूप में कार्य नहीं करना होगा; और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(ग) सरकार बिना कोइं नोटिस दिए निम्नलिखित परिस्थितियों में अधिकारी की नियुक्ति समाप्त कर सकती है जो :—

(1) परिवीक्षा की अवधि के अन्तर्गत या उसके समाप्त होने पर, (2) अधीनता असंयम, कदाचार या उस समय सेवा से सम्बद्ध प्रवृत्त नियमावली को उपबोधों में किसी को भेंग करने

या अनुपालन करने के लिए, (3) यदि वह डाक्टरी रूप से अदोग्य पाया जाता है और अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अस्वस्थता के कारण बहुत अधिक समय तक अयोग्य बना रहता है ।

अस्थायी नियुक्तियों के मामलों में किसी पक्ष की ओर से कोई कारण बताए बिना एक महीने का नोटिस दकर किसी भी समय अधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकती है ।

(घ) सहायक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत) रु. 2000-60-2300-व. रो.-75-3200-100-3500 ।

(ङ) उच्चतर ग्रेडों में पदान्वति के अवसर ।

(1) सम्बद्ध ग्रेड में कम से कम 8 वर्ष की निर्धारित सेवा रखने वाले सहायक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत) रु. 3000-100-3500-125-4500 के वेतनमान में कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड में पदान्वति के पात्र हैं ।

(2) ग्रेड में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले कार्यकारी इंजीनियर रु. 3700-125-4700-150-5000 के वेतनमान में अधीक्षण इंजीनियर के ग्रेड में पदान्वति के पात्र हैं ।

(3) उम्मीदवारों के कार्यकाल के दौरान उनकी विभागीय पदों पर पदान्वति तत्कालीन भर्ती नियमों के अनुसार को जायेगी ।

नोट :—सेवा की शर्तों जैसे स्थानान्तरण/दौरों पर अवधिकाश, यात्रा भत्त, कार्यारम्भ समय/कार्यारम्भ समय वेतन, नियुक्तिसा सुविधाएँ, यात्रा रियायत, पेशन और आनुसूचित नियंत्रण तथा अनशासन और आचरण आदि, वही होंगी जो समान हैं सियत के अन्य केन्द्रीय कर्मचारियों के लिए लागू होंगी ।

(च) सहायक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत) के पव से सम्बद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप—अभिकल्पन और आरेखन में कार्य के लिए नियंत्रित किए गए मानदण्ड और स्तर के अनुसार कार्यों का निष्पादन करना ।

12. शक्त तार सिविल इंजीनियरी स्कॉल में सहायक कार्यकारी इंजीनियर

(क) उम्मीदवारों की नियुक्तियां परिवीक्षा आधार पर की जाएँगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी । उन्हें यथानिर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा । यदि सरकार की राय में विसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण सन्तोषजनक न हो या उसमें यह आभास हो कि उसके कार्यक्रमों की समावेशन नहीं है, तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है । परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर यदि स्थायी रिक्तियां उपलब्ध हैं तो सरकार उसकी नियुक्ति को स्थायी बना सकती है और यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि को जितना उचित समझे और बढ़ा सकती है ।

अधिकारियों को एसी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएँ उत्तीर्ण करनी होंगी जो परिवीक्षा अवधि के दौरान निर्धारित की जाएँ । उन्हें हिन्दी में एक परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा ।

(क) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त अधिकारी के अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी पद पर कम से कम जार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि यदि कोई हो, भी सम्मिलित है।

परन्तु उम्मीदवाले की—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ल) सामान्यतः 40 वर्ष आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त।

(ग) प्राप्त वेतन वर्त निम्न प्रकार है : श्रृंप “क” सहायक इंजीनियर (सिविल/वैद्युत) रु. 2000-60-2300-द. रा.-75-3200-100-3500।

श्रृंप “क”

(१) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)/
(वैद्युत) रु. 2200-75-2800-द. रा.-100-4000।

(२) कार्यपालक इंजीनियर का निमाण सर्वेक्षक (सिविल)/(वैद्युत) रु. 3000-100-3500-125-4500।

(३) अधीक्षक इंजीनियर/अधीक्षण निमाण सर्वेक्षक (सिविल)/वैद्युत) रु. 3700-125-4700-150-5000।

(४) मुख्य इंजीनियर (सिविल) रु. 5100-150-5700।

(५) मुख्य इंजीनियर (सिविल/वैद्युत) रु. 5900-200-6700।

(ष) डाक तार सांचालिक स्वरूप में उक्त पदों से जा कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व सम्बद्ध हैं तो नीचे दिए गए हैं :—

इंजीनियर सदा पराक्षम के भावधार से डाक तार सिविल स्वरूप में भर्ती हुए उम्मीदवारों को डाकतार विभाग के विभिन्न सिविल नियमों के जननम आवासीय भवन, कार्यालय भवन, दूरभाष केन्द्र भवन, डाकघर भवन, कारखाने, भण्डार तथा प्रशिक्षण केन्द्र आदि सामाजिक इंजीनियर/सहायक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हुए और सदा करते हुए विभाग के विभिन्न वरिष्ठ पद पर पदान्तरित पा जाते हैं।

13. तकनीकी विकास महानिदेशालय में सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद —

(क) तकनीकी विकास महानिदेशालय में सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

(ख) इस श्रृंप ‘क’ राजपत्रित पद का वेतनमान रु. 2200-75-2800-द. रा.-100-4000 है।

(ग) तकनीकी विकास महानिदेशालय में ऐसे सहायक विकास अधिकारी 3000-100-3500-125-4500 रु. के वेतनमान में विकास अधिकारी के पद पर पदान्तरित के पात्र हैं जिन्होंने उक्त ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा कर ली है। विकास अधिकारी के संवर्ग में 90 प्रतिशत पद दान्तरित द्वारा भरे जाते

हैं। विकास अधिकारी रु. 4100-125-4850-150-5300 के वेतनमान में अपर औद्योगिक सलाहकार के रूप में पदान्तरित के पात्र हैं। अपर औद्योगिक सलाहकार रु. 4500-150-5700 के वेतनमान में औद्योगिक सलाहकार के पद पर पदान्तरित के पात्र हैं। औद्योगिक सलाहकार रु. 5900-200-7300 के वेतनमान में उपमहानिदेशक वै पद पर पदान्तरित के पात्र हैं। उपमहानिदेशक सचिव (तकनीकी विकास) और महानिदेशक (तकनीकी विकास) के पद पर पदान्तरित के पात्र हैं।

(घ) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किये जाने वाले व्यक्ति को अवधिक होने पर किसी भी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि सहित, यदि कोई है, कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को—

(१) एथेरी नियुक्ति के दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(२) आलीस वर्ष की आय प्राप्त कर लेने के बाद सामान्यतया या पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(इ) सहायक विकास अधिकारी के पद से सम्बद्ध कार्यों और उत्तरदायित्वों का स्वल्प उम्मीद भ्रातारी औद्योगिक मशीनरी मशीन औजार, वैद्युत इंजीनियरी, आटोमोबाइल, हलैक्ट्रॉनिक इंजीनियरी विद्यि उद्योगों के विकास में विकास अधिकारी की सहायता करनी है।

14. ई. एम. ई. कार, रक्षा मन्त्रालय में कर्मशाला अधिकारी का पद।

(क) ई. एम. ई. कार में कर्मशाला अधिकारी के पद पर भर्ती व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर होंगे।

(ल) उक्त पद पर नियुक्त उम्मीदवारों के भारत में कहीं भी काम करना होगा।

(ग) ग्राह्य वेतनमान निम्न प्रकार है :—

(१) कार्यशाला अधिकारी श्रृंप ‘ख’	रु. 2000-60-2300-द. रा.-0-75-3200-100-3500
(२) कर्मशाला अधिकारी श्रृंप ‘क’	रु. 2200-75-2800-द. रा.-0-100-4000
(३) वरिष्ठ कर्मशाला अधिकारी	रु. 3000-100-3500-125-4500
(४) कर्मशाला अधीक्षक	रु. 3700-125-4700-150-5000
(५) कर्मशाला अधीक्षक (चयन प्रेड)	रु. 4100-125-4850-150-5300।

(घ) कर्तव्य :—‘ए’, ‘बी’ और ‘सी’ वाहनों, तोप, वायरलैंस तथा रेडार उपकरणों का भर्ममत कार्य करने वाले अनुभाग के प्रभारी के रूप में कार्य करना। ई. एम. ई. आर्मी बेस वर्कशाप/स्टेशन वर्कशाप में अधिकारी के रूप में कार्य करना और/

या स्टाफ/इ०. एम. इ०. (एक्स्ट्रो रंजिमेंट इम्प्लाय-
मेंट) रोजगार नियुक्तियों में कोष्टन (इ०. एम. इ०.)
के स्थान पर कार्य करना या इ०. एम. इ०. प्रशि-
क्षण केन्द्रों पर प्रशासकीय कर्तव्यों के साथ-साथ अनु-
वेशक के रूप में कार्य करना होगा।

(६) प्रारम्भ में उक्त पद गैर-पेन्शनी है लेकिन स्थायी
हाने पर पद पेन्शनी हो जाएंगे। किन्तु यदि सरकार
के अधीन स्थायी पद पर कार्यरत व्यक्ति इस पद पर
नियुक्त किया जाता है तो उसे पेन्शन के सारे लाभ
मिलते रहेंगे।

(७) उक्त पद के लिए चुने हुए उम्मीदवार फौल्ड में
सेवा के दायित्व से प्रतिबद्ध हैं, उनका स्वस्थता-
स्तर वर्ग १ (एक) होना चाहिए।

(८) अधिकारियों को आगे के अध्ययन जैसे एम. टेक्नून,
विभिन्न विषयों के विशेष अध्ययन जैसे लुड्डार, दूर
संचार, टैक्सों तथा बंदूकों आदि तथा विदेशों में
विभिन्न कोर्सों का अध्ययन करने का अवसर मिलता
है।

15. भारतीय आपूर्ति सेवा/भारतीय निरीक्षण सेवा

(९) इन गए उम्मीदवारों के दो वर्ष की अवधि के
लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षा
को अवधि पूरी कर लेने पर अधिकारियों को स्थायी
नियुक्ति के योग्य समझे जाने पर स्थायी
पदों के उपलब्ध होते ही स्थायी कर दिया जायेगा।
सरकार इस दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि को बढ़ा
भी सकती है।

यदि परिवीक्षा की उक्त अवधि या उसकी बढ़ी हुई
अवधि के समाप्त होने पर सरकार की यह राय हो
कि उम्मीदवार स्थायी नियोजन होते उपयुक्त नहीं
हैं तथा परिवीक्षा की अवधि या बढ़ी हुई अवधि
के दौरान सरकार संतुष्ट हो जाए कि वह इस अवधि
पा बढ़ी हुई अवधि की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति
होते उपयुक्त नहीं रहेगा तो वह उस अधिकारी को
कार्यभूत कर सकती है या ऐसे विवेश परित कर
सकती है जो वह उचित समझे। अधिकारियों को
स्थायी होने से पहले हिन्दी में एक विहित परीक्षा
भी उत्तीर्ण करनी होगी।

(१०) इन प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर^१
नियुक्त किसी भी व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर^२
भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई
गई अवधि सहित यदि कोई हो है, कम से कम चार
वर्ष की अवधि के लिए या किसी रक्षा सेवा या भारत
की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा;

किन्तु उस व्यक्ति को—

- (१) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति
के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य करना होगा।
- (२) साधारणतः ४० वर्ष की आय हो जाने के बाद
पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) ग्राह्य शतनमान निर्मालिक्षित है :—

कनिष्ठ वेतनमान

सहायक निदेशक (ग्रेड-१)

वेतन रु. 2200-75-2800-द. रु.-100-4000

परिष्ठ वेतनमान

उपनिदेशक

वेतन रु. 3000-100-3500-125-4500।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (सामान्य)

निदेशक

वेतन रु. 3700-125-4700-150-5000।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड ज्ययन ग्रेड (नानक कशनल)

उप महानिदेशक

वेतन रु. 4500-150-5700।

परिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

अपर महानिदेशक

वेतन रु. 5900-200-6700।

टिप्पणी (क) जिस सरकारी कर्मचारी ने इस परिवीक्षाधीन
नियुक्ति से पहले आवीक्षणिक पद से अन्यथा किसी
स्थायी पद पर स्थायी हैसियत से काम किया है उसका
वेतन एक. आर. 22बी (१) के अनुसार नियुक्ति
मिल किया जाएगा।

(ख) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रूप 'क' भारतीय नियुक्ति
सेवा ग्रूप 'क' से सम्बद्ध कार्य तथा जिम्मेदारियों का
स्वरूप।

भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रूप 'क'

भारतीय आपूर्ति सेवा के अधिकारियों का मूल्य कार्यभार
भारत सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपकरणों आदि की ओर से
भण्डार सामग्री व्यापार तथा बच्ची हुई सामग्री का निपटान करना
है। भारतीय आपूर्ति सेवा अधिकारियों से आशा की जाती है
कि उनके पास आपूर्ति एवं निवलयन महा निः और विवेश स्थित
राजदूतावासों/उच्चायोगों के आपूर्ति स्कल्यों को भेजे गये विभिन्न
प्रकार के मांग पत्रों से निपटान के लिए अपेक्षित तकनीकी पद्धत-
भूमि हो।

भारतीय नियुक्ति सेवा ग्रूप 'क'

इंजीनियरी वस्तुओं तथा सामग्रियों और समवती^३ भण्डारों का
नियुक्ति तथा परीक्षण, कनिष्ठ अधिकारियों के काम का पर्यावरण
करना तथा यह वेतना कि उन्हें उनके कार्य संथा कर्तव्यों और
सम्बन्ध में पर्याप्त निवेश मिल जाये है; महत्वपूर्ण कार्य की ओर
अक्रितगत ध्यान देना, तकनीकी रिपोर्ट, विनिर्दिष्टयों तथा
आवश्यक समियों बनाना और इंजीनियरी भण्डारों के मांगपत्र के
तकनीकी विवरणों की जांच करना, विभाग की अन्य व्यावायों के
अधिकारियों, मांग पत्र भेजने वालों तथा निर्माताओं को इंजी-
नियरों मालियों में तकनीकी सलाह तथा सहायता देना।

16. सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रूप 'क'

(१) जना हाजा उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए
परिवीक्षा पर सहायक कार्यपालक इंजीनियर के
रूप में नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षाधीन
व्यक्ति को परिवीक्षा की अवधि के दौरान सरकार
द्वारा नियुक्त विभागीय परीक्षणों को उत्तीर्ण करना
होगा। परिवीक्षा की अवधि के दौरान या इसकी

मापित पर किसी रामय यदि सरकार की राय में उसका कार्य और आचरण असत्तोषजनक रहा है, तो हो सकता है कि सरकार या तो उसे कार्यमुक्त कर दे या उसकी परिवीक्षा अवधि यथा अपेक्षित समय के लिए बढ़ा दे ।

(2) चूंगे गए उम्मीदवारों को भारत के किसी भी भाग पा विदेश में जिसमें यूद्ध सथा शान्ति के क्षेत्र सम्मिलित हैं, कार्य करना होगा। उनकी क्षेत्र सेवा के लिए निर्धारित चिकित्सा मानकों के बनासार चिकित्सा परीक्षा की जाएगी ।

(3) उन्हें निम्नलिखित वेतनमात्र देय है ॥—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर—रु. 2200-75-2800/- रु. 100-4000

कार्यकारी इंजीनियर—रु. 3000-100-3500 125-4500 ॥

अधीक्षक इंजीनियर—रु. 3700-125-4700-150-5000 ।

मूल्य इंजीनियर—रु. 5900-200-6700

(4) सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए अधिकारी निर्धारित शर्तों को पूरा करने के बाद कार्यकारी इंजीनियर, अधीक्षक इंजीनियर, मूल्य इंजीनियर (केवल सिविल इंजीनियर के अधिकारियों वै लिए लाए) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की प्रतीक्षा कर सकते हैं ।

अगले उच्चे ग्रेड में पदोन्नति होते यथा पूर्वोंकि अपेक्षाएं न्यूनतम प्रतीक्षा की है और सम्बद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल विकित्यों की उपलब्धता पर होती ।

यांत्रिक इंजीनियरी में इस समय मूल्य इंजीनियर का कोइ पद नहीं है ।

(5) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारी कूछ विनियमित इलाकों में तैनात होने पर केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों की यथाग्राह्य अन्य सामान्य भूमि जैसे भूमि किराया भत्ता तथा नागरिक प्रतिपूरक भत्ता आदि के अलावा विहित दर पर विशेष प्रतिपूरक भत्ता और मृप्ति राशन के हकदार हैं । वे वहीं के बासे परिसरज्ञ भूमि के भी हकदार हैं ।

(6) सीमा सहक इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' के पदों पर नियुक्त अधिकारियों पर अनुशासन की मामले में अल्प सेवा अधिनियम, 1950 लाग रहेगा ।

(7) सेवक सेवा अधिनियम के भाग 12 के उपबन्धों के सीमा सहक इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' पर लाग रहे जाने के कारण अविलाएं इस सेवा में नियुक्ति होते पात्र नहीं होंगी ।

17. हाक-हार दूर संचार कारखाना मंगठन में सहायक प्रबन्धक कारखाना

ग्रुप 'क' के पद

(1) वेतनमात्र रु. 2200-4000 में सहायक प्रबन्धक (कारखाना) के पदों पर भी कोई नियुक्ति हो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे ।

(2) परिवीक्षा अवधि के दोगने उम्मीदवारों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुसार एंगा व्यावहारिक प्रशिक्षण, और समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए, प्राप्त करना होगा; व्यावसायिक परीक्षा तथा हिन्दी पुढ़ेक्षण उत्तीर्ण करना होगा ।

(3) यदि आवश्यकता हो तो सहायक प्रबन्धक (कारखाना) के पद पर नियुक्त किसी व्यक्ति को भारत की रक्षा में सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बितायी गयी अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि वै लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा । किन्तु उम्मीदवारों को :

(क) नियुक्ति की हारीख से दस वर्ष की समाप्ति वै बाद पूर्वोंकि रूप में कार्य नहीं करना होगा; और

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोंकि रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(4) उच्चतर क्षेत्रों में पदोन्नति के अवसर ॥—

(क) अपने ग्रेड में कम से कम पाँच वर्ष की नियमित सेवा कर चुकने वाले सहायक प्रबन्धक रु. 3000-4500 के वेतनमात्र में वरिष्ठ इंजीनियर (वरिष्ठ समय वेतनमात्र) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं ।

(ख) अपने ग्रेड में कम से कम पाँच वर्ष की सेवा वै चुकने वाले वरिष्ठ इंजीनियर रु. 3700-5000 के वेतनमात्र में कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में उप महाप्रबन्धक/प्रबन्धक (कारखाना) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं ।

(ग) अपने ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा वाले उप महाप्रबन्धक/प्रबन्धक दूर संचार कारखाना में 4500-5700/-रु. के वेतनमात्र में उप महाप्रबन्धक/प्रबन्धक (चयन ग्रेड) के अकार्यात्मक (नान फंक्शनल) चयन ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं ।

(घ) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (इसमें अकार्यात्मक चयन ग्रेड की सेवा, यदि कोई हो, भी शामिल है) में 8 वर्ष की नियमित सेवा वाले उप महाप्रबन्धक/प्रबन्धक अधिकारी ग्रुप 'क' पद में, जिसमें कम से कम 4 वर्ष की सेवा कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में होनी चाहिए, 17 वर्ष की नियमित सेवा वाले (इसमें अकार्यात्मक चयन ग्रेड की सेवा, यदि कोई हो, भी शामिल है) 5900-6700 रु. (वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड) के वेतनमात्र में महाप्रबन्धक/प्रबन्धक (दूर संचार कारखाना) के ग्रेड में पदोन्नति वै पात्र हैं ।

(5) उक्त पदों से सम्बद्ध कार्य और उत्तरवाचित्वों का स्वरूप

सहायक प्रबन्धक :—वे अधिकारी उससे अधिक उत्पादी अनुत्पादी एककों का समय परिवेशण/दूरसंचार कारखानों में विभिन्न व्यवसायों/संवर्गों के लिए नियुक्त अनुशासनिक प्राधिकारी के रूप में कार्य करना ।

वरिष्ठ इंजीनियर :—उत्पादन, आयोग, विकास, अनुरक्षण, और आदि आदि में सम्बद्ध शास्त्र के प्रबन्धन प्रधान और दूर संचार कारखानों में विभिन्न व्यवसायों/संवर्गों में नियुक्त अनुशासनिक प्राधिकारी के रूप में कार्य करना ।

उप महाप्रबन्धक/प्रबन्धक — सामान्य प्रशासन, उत्पादन अनुसासन आयोग आदि में सम्बद्ध इैनिक कार्यों में महाप्रबन्धक वा सहायक करना, कारखाना या उत्पादन एकक/स्कल्प आर्थ तंत्रज्ञान है।

महाप्रबन्धक ४— दूर संचार कारखाना के प्रधान कारखाना वा सामान्य प्रशासन, उत्पादन, आयोग अनुसासन आदि के आय नियन्त्रण हेतु उत्पादयोगी।

18. भारतीय सर्वेक्षण ग्रुप "क" सेवा

नियूक्तियाँ वह वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा आधार पर दी जाती हैं।

किन्तु शर्त यह है कि इस संबंध में नियन्त्रण प्राधिकारी परिवीक्षा को अवधि के सरकार द्वारा आय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों की अनुसार बढ़ा सकता है।

जगली शर्त यह है कि परिवीक्षा अवधि बढ़ाने हेतु कोई अर्थात् परिवीक्षा की पहली अवधि के समापन के बाद सामान्यतः छाड़ सप्ताहों के अन्दर किया जाएगा और संबद्ध अधिकारी को दोसा करने के कारणों सहित उक्त अवधि की अंदर लिखित रूप से भूलित कर दिया जाएगा।

परिवीक्षा अवधि तथा उसको किसी भूलित के समापन पर, जैसी भी स्थिति हो, पौर्ण सरकार का यह मत हो कि कोई अधिकारी शाही नियूक्ति हेतु उपयुक्त नहीं है तो इसके कारण लिखित रूप में टिकाऊ किए जाए और सरकार उस अधिकारी को कार्य-मूल्य कर सकती है या उस पद पर भाग्य भेज सकती है जिसे वह उक्त सेवा में, भैंसी भी रिभित नहीं, नियूक्ति से पहले भारणा कर रहा था परिवीक्षा या वही हूँ अवधि की अवधि के हीरान उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण कोर्स पास करना होगा और अनुदेशों का पालन करना होगा तथा दरीकाएं और परीक्षण पास (इसमें हित्ती की परीक्षा भी शामिल है) करने होंगे जो सरकार द्वारा परिवीक्षा की अवधि को संतोषजनक ढंग से पूरा करने की शर्त के रूप में निर्भारित किए जाएंगे।

2. नियूक्ति किए गए अधिकारियों को भारत और विदेश में फैले भी कार्य करना पड़ सकता है।

3. नियूक्ति किए गए अधिकारियों को सरकार द्वारा समय-समय पर लिए गए निर्णयों के अनुसार भारत और विदेश में एसें प्रशिक्षण और अनुदेशों के विस्तृत पाठ्यक्रमों में जाना पड़ सकता है।

4. यदि आवश्यकता हूँ तो प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियूक्ति किए गए व्यक्तियों को भारत की रक्षा में सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर दिसाई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पदों पर कार्य करना होगा, अन्त में उस व्यक्ति को ॥—

(1) नियूक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति वा पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा;

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद द्वारा उप में कार्य नहीं करना होगा।

5. ग्राह्य वेतन को दर्शन निम्न प्रकार है—

क्लिप्प वेतनमान	2200-75-2800 रु० च०-
	100-4000 रु०।
वरिष्ठ वेतनमान	3000-100-3500-125-
	4500 रुपए।
क्लिप्प प्रशासनिक चेड	3700-125-4700-150-
	5000 रु०।
वयन चेड	4500-150-5700 रु.ये।
(क्लिप्प प्रशासनिक चेड)	
वरिष्ठ प्रशासनिक चेड	5900-200-6700 रुपय।

6. भारतीय सर्वेक्षण में उप अधीक्षक सर्वेक्षण के वर्ष प्रावद्धत वर्तायों और दायित्वों का स्वरूप :—

अधिकारी को मीमा थोरों के नक्शों का सबै करने का कार्य पूरा करना होगा और इन्हें प्रति वर्ष अद्यतन बनाना होगा जिसमें कि विभिन्न प्रयोक्ता एजेंसियों के ये नक्शे नवीनतम उपलब्ध जानकारी के आधार पर प्रदान किए जा सकें।

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

(DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL
DEVELOPMENT)

New Delhi, the 19th January 1990

RESOLUTION

No. CP/9(1)/89.—In continuation of Resolution No. CP/(7)/86-D.P. dated 6-6-1989 Government of India have decided to enlarge the composition of Development Panel for Carbon and Graphite Products Industries with the following additional members :—

Members

18. Shri W. M. Desouza,
President,
Goa Carbon Limited,
Dempo House, Campel,
Panjim-Goa 403 001.
19. Shri N. Venkataramani,
Vice-President (Commercial),
Carbon Corporation Limited,
Bakhtawar, 2nd Floor,
Nariman Point, Bombay-400 021.
20. Shri P. K. Jana,
Executive Director,
Chemical & Allied Products
Export Promotion Council,
World Trade Centre,
14/1B, Ezra Street,
Calcutta-700 001,
21. Shri C. K. Dhar,
Chief (Marketing),
Steel Authority of India Ltd.,
2, Fairlie Place,
Calcutta-700 001.
22. Dr. D. M. Bhatt,
Scientist 'E',
Central Fuel Research Institute,
P.O. F.R.I. 828 108,
Dhanbad-Bihar.

Except for panel indicated above, the rest of the Composition of the Resolution dated 6-6-1989 remains the same.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

MADAN MOHAN, Director (Admn.)

TERMS OF REFERENCE

The terms of reference of the Panel may be as under :—

1. To consider the present state of development of the industry and to recommend measures for its accelerated growth.
2. To study the state-wise/region-wise requirement of various items of the industry and make suggestions for creation of further capacities to meet the growing needs.

3. Forecasting of future technological needs including up-gradation of technology and quality of products.
4. To augment research and development facilities in the field available in various institutions.
5. To examine the extent to which standardisation has been achieved and evolve specific programmes for further standardisation in consultation with the ISI.
6. To consider the requirements of raw materials and energy inputs including their conservation/substitution.
7. To consider the requirement of machinery etc. both indigenous and imported.
8. Modernisation of existing units.
9. Import substitution/export promotion.
10. Technical manpower requirements and their training.
11. To review the pollution measures adopted in the industry at work places and environment.
12. Any other relevant matter.

MINISTRY OF ENERGY

(DEPARTMENT OF COAL)

New Delhi, the 22nd January 1990

RESOLUTION

No. E-11011/7/84-Hindl.—A Prize scheme to award the authors for writing the original books in Hindi on subjects falling within the purview of function of the Department of Coal was notified vide Government of India, Ministry of Energy, Department of Coal Resolution No. E-11011/7/84-Hindi dated 30th May, 1986. The name of the scheme is "Koyal Hindi Granth Puraskar Yojana". Under the scheme Ist and IIInd prizes were to be awarded to the authors of Rs. 10,000/- and Rs. 5,000/- respectively. Now it has been decided that the prizes under the scheme be increased and the authors may be awarded the Ist prize, IIInd prize and IIIrd prize of Rs. 10,000/- Rs. 8,000/- and Rs. 5,000/- respectively.

The other terms and condition of the scheme will remain the same as before.

ORDER

ORDERED that the copies of this Resolution be sent to all State Governments/Union Territory Governments, all the Ministries/Departments of the Government of India, all the Universities of India and News Agencies.

ORDERED also that this Resolution be published in the Gazette of India for general information.

SMT. SHALINI SHARMA, Director

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 22nd January 1990

CORRIGENDUM

No. G-27019/1/89-Admn.—In the Ministry of Information and Broadcasting Notification of even number dated 15-12-89, the words "consumed by" in the 3rd line may be substituted by the word "for", the words "after June, 1989" in the 5th line of the Notification may be deleted and the words "in May, June, 1989" after the word "effected" in the 6th line of the Notification may be inserted.

H. S. SHARMA, Under Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS**(RAILWAY BOARD)**

New Delhi, the 24th February 1990

No. 89-E(GR)1/18/2.—The Rules for a combined competitive Engineering Services Examination—to be held by the Union Public Service Commission in 1990 for the purpose of filling vacancies in the following Services/Posts are, with the concurrence of the Ministries/Departments concerned, published for general information :—

CATEGORY I—CIVIL ENGINEERING*Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts);
- (iii) Central Engineering Service
- (iv) Survey of India Service Group-A.
- (v) Central Water Engineering Service (Civil Engineering Posts).
- (vi) Assistant Executive Engineer (Civil), (P&T) (Civil Engineering Wing).
- (vii) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) Civil Engineering Posts.
- (viii) Central Engineering Service (Roads) Group-A.
- (ix) Assistant Executive Engineer (Civil) in Border Roads Engineering Service Group-A.
- (x) Indian Inspection Service Group-A (Civil Engg. Posts).

Group B Services/Posts

- (xi) Assistant Engineer (Civil) in the Civil Construction Wing, All India Radio.

CATEGORY II—MECHANICAL ENGINEERING*Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Mechanical Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iii) Central Water Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iv) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (v) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering Posts);
- (vi) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (vii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Mechanical Engineering Posts);
- (viii) Assistant Executive Engineer (Elect. & Mech.) Mechanical Engineering Posts, Border Roads Engineering Service, Group A;

- (ix) Indian Inspection Service Group A, (Mechanical Engg. Posts);
- (x) Drilling Engg. (Jr.) in G.S.I.
- (xi) Mechanical Engineer (Junior) Group A in GSI.
- (xii) Assistant Manager (Factories) Department of Telecom (Telecom Factories Organisation).
- (xiii) Workshop Officer-Group 'A' (Mechanical Engg. Posts) in the Corps of E.M.E., Ministry of Defence.
- (xiv) Indian Supply Service Group 'A' (Mechanical Engg. Posts).

CATEGORY III—ELECTRICAL ENGINEERING*Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Electrical Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts);
- (iii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Electrical Engineering Posts);
- (iv) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electrical Engineering Posts);
- (v) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts);
- (vi) Assistant Executive Engineer (Electrical) (P and T Civil Engineering Wing);
- (vii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electrical Engineering Post);
- (viii) Indian Inspection Service Group 'A' (Electrical Engineering Posts);
- (ix) Indian Supply Service, Group 'A' (Electrical Engineering Posts).

Group B Services/Posts

- (x) Assistant Engineer (Electrical) in the Civil Construction Wing of All India Radio.

CATEGORY IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING*Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Signal Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Telecommunication/Electronics Engineering Posts);
- (iii) Indian Telecommunication Service;
- (iv) Engineer in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation; Ministry of Communications; (Department of Tele-Communications);
- (v) Indian Broadcasting (Engineers) Service.

- (vi) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electronics Engineering Posts);
- (vii) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts);
- (viii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development; (Electronics and Telecommunication Engineering Post);
- (ix) Indian Supply Service, Group 'A' (Electronics Engg. Posts).
- (x) Indian Inspection Service Group 'A' (Electronics & Telecom. Engineering Posts).
- (xi) Workshop Officer, Group 'A' Electronics Engineering Posts in the Corps of EME, Ministry of Defence.

1. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix-I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

2. A candidate may compete in respect of any one or more of the categories of Services/Posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the Services/Posts for which he wishes to be considered in the order of preference.

N.B. (1)—Candidates are advised to indicate all the Services/Posts for which they are eligible in terms of the Rules, in the order of preferences in their application form. In case a candidate does not give any preference for any Services/Posts or does not include certain Services/Posts in his application form it will be assumed that he has no specific preference for those Services/Posts, and in that even he shall be allocated to any of the remaining Services/Posts in which there are vacancies after allocation of candidates according to the Services/Posts of their preferences. In making such allocation the candidate shall be considered first for Group 'A' Services/Posts and then for Group 'B' Services/posts.

N.B. (ii)—NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE IN RESPECT OF SERVICES/POSTS COVERED BY THE CATEGORY OR CATEGORIES OF SERVICES/POSTS VIZ. CIVIL ENGINEERING, MECHANICAL ENGINEERING, ELECTRICAL ENGINEERING AND ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING (OF PREAMBLE TO THE RULES) FOR WHICH HE IS COMPETING WOULD BE CONSIDERED UNLESS THE REQUEST FOR SUCH ALTERATION IS RECEIVED IN THE OFFICE OF THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION WITHIN 30 DAYS OF THE DATE OF PUBLICATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION IN THE EMPLOYMENT NEWS. NO COMMUNICATION EITHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD) WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERENCES, IF ANY, FOR THE VARIOUS SERVICES/POSTS AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS.

N.B. (iii)—Candidates should give their preferences only for the Services and Posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and Posts for which they are not eligible and for Services and Posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored.

N.B. (iv)—DEPARTMENTAL CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION UNDER AGE-RELAXATION [VIDE RULE 5(b)] MAY GIVE THEIR PREFERENCES FOR THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ALSO. THEY WILL, HOWEVER, BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT SUBJECT TO MERIT POSITION AND ONLY IN THE EVENT OF NON-AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CANDIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS, THEY SHALL BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM

N.B. (v)—Preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to Rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso, and preference for other Services and Posts, if any, will be ignored

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India;

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility Certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 28 years on the 1st August 1990 i.e. he must have been born not earlier than 2nd August 1962 and not later than the 1st August 1970

(b) Subject to conditions mentioned in N.B. (iii) below Rule 2, the upper age-limit of 28 years will be relaxable up to 33 years in the case of the Government servants of the following categories, if they are employed in a Department/Office under the control of any of the authorities mentioned in column 1 below and apply for admission to the examination for all or any of the Service(s)/Post(s) mentioned in Column 2, for which they are otherwise eligible

- (i) A candidate who holds substantively a permanent post in the particular Department/Office concerned. This relaxation will not be admissible to a probationer appointed against a permanent post in the Department/Office during the period of his probation.
- (ii) A candidate who has been continuously in a temporary service on a regular basis in the particular Department/Office for at least 3 years on the 1st August, 1990.

Column 1	Column 2
Railway Department	I.R.S.E. I.R.S.E.E. I.R.S.S.E. I.R.S.M.E. I.R.S.S.
Central Public Works Department	C.E.S.—Group A C.E. & M.E.S. Group A
Directorate General Ordnance Factories	I.O.H.S. Group A
Central Water Commission	C.W.E. Service (Group A).
Central Electricity Authority	C.P.E. (Group A) Service.
Wireless Planning and Coordination	Engineer (Group A)
Wing/Monitoring Organisation	
Border Roads Organisation	Border Roads Engineering Service.
All India Radio/Doordarshan	Junior scale Indian Broadcasting (Engineers) Service. Assistant Engineers Group B (Civil/Electrical) Civil/Construction Wing A.I.R.
P. & T. Department	Indian Telecommunication Service Group A. Assistant Executive Engineer (Civil/Electrical) Group A, P & T Civil Wing. Assistant Manager (Factories) Group—A. P. & T. Telecom Factories Organisation
Dept. of Science & Technology.	Survey of India Service, Group-A.

Column 1	Column 2
Directorate General of Technical Development	Assistant Development Officer (Engineering) Group 'A'.
Directorate General of Supplies and Disposals	I.I.S. Group A I.S.S. Group 'A'
Geological Survey of India	Mechanical Engineers (Junior) Group A. Drilling Engineer (Junior), Group 'A'.

NOTE.—The period of apprenticeship if followed by appointment against a working post on the Railways may be treated as Railway Service for the purpose of age concession.

(c) The upper age-limit prescribed above will be further relaxable :

- (i) Up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) Up to a maximum of three years, if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (iii) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (iv) Up to a maximum of three years, if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (v) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (vi) Up to a maximum of three years, in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (vii) Up to a maximum of eight years, in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribe.
- (viii) Up to a maximum of five years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 1990 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st August 1990 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to military Service or (iii) on invalidment.
- (ix) Up to a maximum of ten years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers, and ECOs/SSCOs who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes and who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 1990 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st August, 1990 otherwise than by way of dismissal or discharge

on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment.

- (x) Up to a maximum of five years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 1990 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
- (xi) Up to a maximum of ten years in the case of candidates belonging to scheduled castes or scheduled Tribes who are also ECOs/SSCOs and have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 1990 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
- (xii) Up to a maximum of six years, if a candidate has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.
- (xiii) Up to a maximum of eleven years, if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

NOTE (i) The term ex-servicemen will apply to the persons who are defined as ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

- (ii) Ex-Servicemen who have already joined the Government job on Civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment, are not eligible to apply under Rule 5(c) (viii) & 5(c) (ix) of the Rules.

N.R.—The Candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(b) above shall be cancelled if, after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department/office either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the Service or post after submitting his application.

A candidate who after submitting his application to the department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the service/post for which he would have been eligible but for his transfer, provided his application has been forwarded by his parent department.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6 A candidate must have—

- (a) obtained a degree in Engineering from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other Educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or
- (b) passed Sections A and B of the Institution Examinations of the Institution of Engineers (India); or
- (c) obtained a degree/diploma in Engineering from such foreign University/College/Institution and under such conditions as may be recognised by the Government for the purpose from time to time; or
- (d) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Tele-communication Engineers (India); or
- (e) passed Associate Membership Examination Parts II and III, Sections A and B of the Aeronautical Society of India; or
- (f) Passed Associate Membership Examination (Sections A and B) of the Institution of Mechanical Engineers (India); or
- (g) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers, London held after November, 1959.

The Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio-Engineers London, held prior to November, 1959 is also acceptable subject to the following conditions :—

- (1) that the candidates who have passed the examination held prior to November, 1959, should have appeared and passed in the following additional papers according to post-1959 scheme of Graduate Membership Examination :
 - (i) Principles of Radio and Electronics I (Section 'A').
 - (ii) Mathematics II (Section 'B')
- (2) that the candidates concerned should produce certificate from the Institution of Electronics and Radio Engineers, London in fulfilment of the condition prescribed at (1) above.

Provided that a candidate for the posts of Engineer, Group A, in Wireless Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications and Indian Broadcasting (Engineers) Service; may possess any of the above qualifications or the qualification mentioned below namely :—

M.Sc. degree or its equivalent with Wireless Communication, Electronics, Radio Physics, or Radio Engineering as a special subject.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result may, apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 17th December, 1990.

NOTE 2.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE 3.—A candidate who is otherwise qualified by who has taken a degree from a foreign University which is not recognised by Government, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

(i) obtaining support for his candidature by any means; or

(ii) impersonating; or

(iii) procuring impersonation by any person; or

(iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or

(v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or

(vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or

(vii) using unfair means during the examination; or

(viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter in the script(s) : or

(ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or

(x) harassing or doing bodily harm to the staff-employed by the Commission for the conduct of their examinations; or

(xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their admission certificates permitting them to take the examination; or

(xii) attempting to commit or, as the case may be aborting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

(a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or

- (b) to be debarred either permanently or for a specified period
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission are of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. (i) After the interviews the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(ii) The candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, may, to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the Commission by a relaxed standard subject to the fitness of these candidates for selection to the Service.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, who have been recommended by the Commission without resorting to the released standard referred to in this sub-rule, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Subject to other provisions contained in these rules, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various Services/posts at the time of their application.

DEPARTMENTAL CANDIDATES WILL, HOWEVER, BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT SUBJECT TO MERIT POSITION AND ONLY IN THE EVENT OF NON-AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CAN-

DIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS THEY SHALL BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless the Government is satisfied after such an inquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found not to satisfy those requirements will not be appointed.

All candidates who qualify for interview on the basis of written part of the examination are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Saturdays, Sundays and closed holidays). For this purpose the successful candidates will be required to present themselves, before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital, Northern Railway, Basant Lane, New Delhi at 9.00 Hrs. In case the candidates are wearing glasses, they should take with them, the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examination or in its venue would ordinarily be acceded to.

The candidates should note that no requests for grant of exemption from medical examination will be entertained under any circumstances.

The attention of the candidates is invited to the regulations relating to the Physical Examination published herewith. It will be seen therefrom that the physical standards prescribed vary for different services. The candidates are therefore, advised to keep these standards in view with specific reference to services for which they have competed/expressed preferences to the UPSC.

The candidates may also please note :

- (i) a sum of Rs. 16 (Rupees sixteen only) in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;
- (ii) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination; and
- (iii) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL NOT RECEIVE ANY SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD).

In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled/ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with requirements of each Service.

18. No person—

- (a) who has entered into or contracted a Marriage with a person having a spouse living, or
 (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.
- shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into Service would be of advantage in passing departmental examination which candidates have to pass after entry into service.

20. Brief particulars relating to the services/posts to which recruitment is being made through this examination are given in appendix III.

A. N. SHUKLA
Secretary
Railway Board

APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I.—The written examination will comprise two sections—Section I consisting only of objective type of questions and Section II of conventional papers. Both Sections will cover the entire syllabus of the relevant engineering disciplines viz. Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics & Telecommunication Engineering. The standard and syllabi prescribed for these papers are given in Schedule to the Appendix. The details of the written examination i.e. subjects, duration and maximum marks allotted to each subject are given in para 2 below :

Part II.—Personality test carrying a maximum of 200 marks of such of the candidates who qualify on the basis of the written examination.

2. The following will be the subjects for the written examination :—

Category I—CIVIL ENGINEERING
(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers			
General Ability Test .	01	2 hours	200
(Part A : General English)			
(Part B : General Studies)			
Civil Engineering Paper I	11	2 hours	200
Civil Engineering Paper II	12	2 hours	200
Section II—Conventional Papers			
Civil Engineering Paper I	13	3 hours	200
Civil Engineering Paper II	14	3 hours	200
Total :			1000

Category II—MECHANICAL ENGINEERING
(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers			
General Ability Test .	01	2 hours	200
(Part A : General English)			
(Part B : General Studies)			
Mechanical Engineering Paper I	21	2 hours	200
Mechanical Engineering Paper II	22	2 hours	200
Section II—Conventional Papers			
Mechanical Engineering Paper I	23	3 hours	200
Mechanical Engineering Paper II	24	3 hours	200
Total			1000

Category III—ELECTRICAL ENGINEERING

(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers			
General Ability Test .	01	2 hours	200
(Part A : General English)			
(Part B : General Studies)			
Electrical Engineering			
Paper I . . .	41	2 hours	200
Electrical Engineering			
Paper II . . .	42	2 hours	200
Section II—Conventional Papers			
Papers . . .			
Electrical Engineering			
Paper I . . .	43	3 hours	200
Electrical Engineering			
Paper II . . .	44	3 hours	200
Total . . .			1000

Category IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers			
General Ability Test .	01	2 hours	200
(Part A : General English)			
(Part B : General Studies)			
Electronics & Telecommunication Engineering			
Paper I . . .	61	2 hours	200
Electronics & Telecommunication Engineering			
Paper II . . .	62	2 hours	200
Section II—Conventional Papers			
Papers . . .			
Electronics & Telecommunication Engineering			
Paper I . . .	63	3 hours	200
Electronics & Telecommunication Engineering			
Paper II . . .	64	3 hours	200
Total . . .			1000

3. In the Personality Test special attention will be paid to assessing the candidate's capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application and integrity of character.

4. Conventional papers must be answered in English. Question papers will be set in English only.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in the conventional papers of the examination.

10. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of weights and measures only will be set.

NOTE :— Candidates will be supplied with tables in metric units compiled and published by the Indian Standards Institution in the Examination hall for reference purpose, wherever considered necessary.

11. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for conventional (essay) type papers only. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

12. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 2, 3, 4, 5, 6, etc.) while answering question papers.

SCHEDULE TO APPENDIX I

Standard and Syllabus

The standard of paper in General Ability Test will be such as may be expected of an Engineering/Science Graduate. The standard of papers in other subjects will approximately be that of an Engineering Degree Examination of an Indian University. There will be no practical examination in any of the subjects.

GENERAL ABILITY TEST (Code No. 01)

Part A : General English : The question paper in General English will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

Part B : General Studies : The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters as of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

CIVIL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 11 for objective type paper and 13 for conventional paper)

1. Building Materials and Construction.
Stones, Timber, Bricks, Cement, Mortar, Concrete, Masonry, Steel.
2. Solid Mechanics.
Stresses, Strain, Failure Theories of Solid Materials. Simple bending and torsion theories, shear centre.
3. Graphic Statics.
Force Polygon, stress diagram.
4. Structural Analysis.
Analysis of trusses and frames. Introduction to plastic Analysis.
5. Design of Metal Structures
Working stress and ultimate strength design of simple structures.
6. Design of concrete and Masonry Structures.
Design of masonry walls, working stress design of plain, reinforced and prestressed concrete; ultimate strength design of reinforced and prestressed concrete.

Paper II (Code No. 12 for objective type paper and 14 for conventional paper)

1. Fluid Mechanics, Water Resources Engineering.
Open channel and pipe flow. Hydrology Design of canals and hydraulic structures.
2. Soil Mechanic and Foundation Engineering and their general principles Strength parameters. Earth pressure Theories, Design of Shallow and deep foundations.
3. Transportation Engineering including Railway Engineering and Surveying. Roads superelevation. Ruling gradient, pavements. Traffic controls, Design considerations.
4. Environmental Engineering
Water purification, Sewage treatment and disposal.
5. Construction, Planning and Management.
Elements of construction practice, Bar carts, CPM, PERT.

MECHANICAL ENGINEERING*(For both objective and conventional type papers)*

Paper I (Code No. 21 for objective type paper and 23 for conventional paper)

1. Thermodynamics

Laws, Properties of ideal gases and vapours, Power cycles, Gas Power Cycles, Gas Turbine Cycles, Fuels and combustion.

2. I. C. Engines

C.I. and S.I. Engines Detonation, Fuel injection and carburation. Performance and Testing. Turbo Jet and Turbo-prop, Engines, Rocket Engines Elementary Knowledge of Nuclear Power Plants and Nuclear Fuels.

3. Steam Boilers, Engines, Nozzles and Steam Turbines

Modern boilers. Steam Turbines types. Flow of Steam through nozzles. Velocity diagrams for impulse and Reaction Turbines. Efficiencies and Governing.

4. Compressors

Gas Dynamics and Gas Turbines, Reciprocating, Centrifugal and axial flow compressors. Velocity diagrams, Efficiency and performance. Effect of Mech. number on flow, Isentropic flow. Normal Shocks and Flow through nozzles. Gas Turbine Cycle with multistage compression, Reheating and Regeneration.

5. Heat Transfer, Refrigeration and Air-Conditioning

Conduction, Convection and Radiation. Heat exchangers, types, Combined Heat Transfer. Overall Heat Transfer coefficient. Refrigeration and heat pump Cycles. Refrigeration systems. Coefficient of performance, Psychrometrics and psychrometric chart. Comfort indices. Cooling and dehumidification methods. Industrial Air-conditioning Processes. Cooling and heating loads calculations.

6. Properties and classifications of fluids.

Fluid statics, kinematics and dynamics; principles and applications. Manometry and Buoyancy. Flow of ideal fluids. Laminar and turbulent flows. Boundary layer theory. Flow over immersed bodies. Flow through pipes and Open Channels. Dimensional analysis and similitude technique.

Non-dimensional specific speed and classification of fluid machines in general. Energy transfer relation performance and operation of pumps and of impulse and reaction water turbines. Hydronamic power transmission.

Paper II (Code No. 22 for objective type paper and 24 for conventional paper)

7. Theory of Machines

Velocity and acceleration (i) of moving bodies, (ii) in machines. Klien's construction Inertia forces in machines. Cams; Gears and Gearing. Fly wheels and

Governors. Balancing of Rotating and Reciprocating masses. Free and forced vibrations of systems. Critical speeds and whirling of shafts.

8. Machine Design

Design of : Joints—Threaded fasteners and Power Screws—Keys, Kotters, Coupling—Welded Joints—Transmission system : Belt and chain drives—wire ropes—shafts.

Gears—siding and Rolling bearings.

9. Strength of Materials.

Stress and strain in two dimensions; Mohr's circles; relations between Elastic Constants.

Beams : Bending moments, shearing forces and reflection.

Shafts : Combined bending, direct and torsional stresses.

Thick Walled cylinders and spheres under Pressure. Spring, Struts and columns. Theories of failure.

10. Engineering Materials

Alloys and Alloying Materials, heat treatment; Composition; properties and uses. Plastics and other newer engineering materials.

11. Production Engineering

Metal Machining : Cutting Tools; Tool Materials, Wear and Machinability, measurement of cutting forces.

Process : Machining—Grinding, Boring, Gear, Manufacturing, Metal forming, Metal casting and jointing, Basic, Special Purpose, Programme and numerically-Controlled machine Tools, Jigs and fixtures (locating elements).

12. Industrial Engineering

Work study and work measurement Wage incentive. Design of Production System and Product Cost, Principles of Plant layout. Production Planning and Control. Material handling. Operations Research. Linear Programming Queuing Theory. Value Engineering Network Analysis, CPM and PERT. Use of Computers.

ELECTRICAL ENGINEERING*(For both objective and conventional type papers)*

Paper I (Code No. 41 for objective type paper and 43 for conventional paper)

1. Electrical Circuits

Network theorems, Response of network to step, ramp, impulse and sinusoidal inputs, Frequency domain analysis. Two port networks elements of network synthesis. Signal-flow graphs.

2. EM Theory

Electrostatics Mageto statics using vector methods. Fields in dielectrics in conductors and in magnetic materials. Time varying fields, Maxwell's equations. Planewave propagation in conducting & Dielectric media; properties of Transmission lines.

3. Material Science : (Electric Materials)

Band Theory. Behaviour of dielectrics in static and alternating fields. Piezoelectricity. Conductivity of Metals. Super conductivity. Magnetic Properties of materials. Ferro and ferri-magnetism. Conduction in Semiconductors, Hall effect.

4. Electrical Measurements

Principles of Measurement. Bridge measurement of Circuit parameters. Measuring Instruments. VTVM and CRO, Q-Meter, Spectrum analyser. Transducers and measurement of non-electrical quantities, digital measurement, telemetering data recording and display.

Paper II (Code No. 42 for objective type paper and 44 for conventional paper)

5. Elements of Computation

Digital system algorithms, flow-charting. Storage : Type statements, array storage Arithmetic expression, logical expressions, Assignments statements. Programme structure Scientific and Engineering applications.

6. Power Apparatus & Systems

Electromechanics : Principles of electro mechanical energy conversion. Analysis of D.C., synchronous and Induction Machines. Fractional horse-power motors. Machines in Control Systems. Transformers, Magnetic Circuits and Selection of motors for drives. Power System : Power generation : Thermal Hydro. and Nuclear Power Transmission, Corona Bundle conductors. Power Systems Protection. Economic operation. Load frequency control, stability analysis.

7. Control Systems

Open-loop and closed loop systems, Response analysis Root-locus technique, stability, compensation and design techniques. State variable approach.

8. Electronics & Communications

Electronics : Solid state devices and circuits. Small signal amplifier design. Feedback amplifiers Oscillators and operational amplifiers, FET circuit and linear ICs Switching circuits Boolean Algebra. Logic circuits. Combinational and sequential digital circuit. Communications : Signal analysis. Transmission of signals. Modulation & Detection. Various types of communication systems. Performance of communication systems.

ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 61 for objective type paper and 63 for conventional paper)

1. Materials Components and Devices

Structure and properties of electrical engineering materials. Passive components—types and properties. Active components—types and properties.

Solid State Devices—Physics, Characteristics and models.

2. Network Theory

Network Theorems. Steady State and transient response of electric circuits. Network analysis Elementary net work synthesis.

3. Electromagnetic Theory

Field theory. Transmission line theory. Antenna Theory. Propagation of electromagnetic waves in bounded and unbounded media.

4. Measurements and Instrumentation

Measurement of basic-electrical quantities. Measuring instruments and their principles of working. Transducers.

Measurement of non-electrical quantities.

Paper II (Code No. 62 for objective type paper and 64 for conventional paper)

1. Linear and Non-linear Analog Circuits

Basic Linear electronics circuits. Pulse shaping circuits. Wave form Generators, Stabilizers.

2. Digital Circuits

Logic circuits and Gates. Computing Circuits Combinational and sequential circuits.

3. Control Systems

Feedback theory, Control system components. Response of Control Systems. Design of practical system.

4. Communication Systems

Basic Information Theory. Modulation and Detection processes. Various types of communication systems. Radio and Line communications. Television and

Radar Navigational aids Satellite communication principles.

5. Microwave Engineering

Microwave Sources. Microwave Components and networks. Measurement at microwave frequencies. Microwave Communication Systems.

APPENDIX II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board].

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not by the Board.

(b) However, for certain Services the minimum standards for height and chest girth, without which candidate cannot be accepted are as follows :

Name of Services	Height	Chest girth fully expand-ed	Expansion
Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal) and Central Engineering Service Group A and Central Electrical Engineering Service Group A In the C.P.W.D.	152 cm.	84 cm.	5 cm.
(a) For Male candidates	150 cm.	79 cm.	5 cm.
(b) For Female candidates			

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidate belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwails, Assamese, Nagaland Tribes, etc. whose average height is distinctly lower.

(c) For Group A the Indian Ordnance Factories Service Group A and Workshop Officer, Group 'A' and Group 'B' a minimum expansion of 5 centimetres will be required in the matter of measurement of the chest.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standards, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 84—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fraction of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms—fraction of a kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded :—

(i) *General.*—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any morbid conditions of eye, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely at future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity.*—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests—one for distant the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for maximum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Services	Distant vision		Near vision	
	Better eye (Corrected Vision)	Worse eye (Corrected Vision)	Better eye (Corrected Vision)	Worse eye (Corrected Vision)
	1	2	3	4

A. Technical

1. Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal) 6/6 6/12 J/I J/II
2. Central Engineering Service Group A, Central Electrical, and Mechanical Engineering Service Group A, Indian Inspection Service Group A, Central Water Engineering Service Group A, Central Power Engineering Service Group A, Central Engineering Service (Roads) Group A and Indian Telecommunication Service Group A, Assistant Executive Engineer Civil & Electrical Group 'A' (P & T) Civil Engineer Wing Post of Engineer, Group A, In W.P. & C. Wing 1 Monitoring Organisation Ministry of Communications, Indian Broadcasting (Engineers) Service Indian Naval Armament Service, Indian Ordnance Factories Service Group A, Border Road Engineering Service Group 'A' Assistant Engineer, Group 'B' Civil Construction Wing in AIR, Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development.

	1	2	3	4	5
3. Military Enginerc Serices, Group 'A'					

Assistant Manager (Factories) Group—'A', P & T Telecom- munication Factories Organisasion and Workshop Officer, Group 'A' and Group 'B'.

B. Non-Technical

- | | | | | |
|---|-----|------|-----|------|
| Indian Railway Stores Service, Indian Supply Service, Group A and Mechanical Engineer (Junior) Group A. | 6/2 | 6/12 | J/I | J/II |
| Drilling Engineer (Jr.) Group A in G.S.I. | 6/9 | 6/9 | | |

Note (1)

(a) In respect of the Technical Services mentioned at A above, the total amount of myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed + 4.00D.

Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as "Technical" (other than the Services under the Ministry of Railways) is found unfit on grounds of high myopia the matter shall be referred to a special board of three Ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not. In case it is not pathological the candidate shall be declared fit provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(b) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

Note (2)

The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned at A above except the Indian Telecommunication Service, Group A and Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below :

Grade	Higher grade of colour perception	Lower grade of colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate . . .	16/	16/
2. Size of aperture . . .	1.3 mm	13 mm
3. Times of exposures . . .	5 seconds	5 second

For the Rialway Engineering Services (Civil, Electrical, Signal and Mechanical) and other Services connected with the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for others lower gade of colour vision should be considered sufficient.

The categories of Services/posts which require higher or lower grade colour perception are as indicated below :—

Technical Services or posts requiring higher grade colour Perception

- (i) Railway Engineering Services
- (ii) Military Engineering Services.
- (iii) Central Engineering Service (Roads).
- (iv) Central Power Engineering Service.
- (v) Assistant Manager (Factories) Group 'A' (P&T) Telecom, Factories Organisation.
- (vi) Border Roads Engineering Service, Group 'A'.
- (vii) Workshop Officer, Group 'A' and Group 'B'.

Technical Services or posts requiring lower grade colour Perception

- (i) Central Engineering Service.
- (ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service.
- (iii) Indian Naval Armament Service.
- (iv) Indian Ordnance Factory Service.
- (v) Central Water Engineering Service.
- (vi) Assistant Executive Engineer (Civil & Electrical), Group A (P&T, Civil Engineering Wing). Class I P&T.
- (vii) Junior Scale in Indian Broadcasting (Engineers) Service.
- (viii) Engineer Group 'A' in Wireless, Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation.
- (ix) Assistant Engineer (Civil Electrical) Group 'B' Civil Construction Wing in A.I.R.

Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridge's Green's lanterns shall be used for testing colour vision.

NOTE (3) Field of vision.—The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (4) Night Blindness.—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improve such rough test e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE (5) For Central Engineering Services the Candidates may be required to pass the colour vision test and undergo tests for night blindness when considered necessary by the Medical Board. For Survey of India Group 'A' Service the candidate may be required to pass a 'stereoscopic fusion' test.

NOTE (6) Ocular conditions, other than visual acuity—

(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Squint.*—For Technical Services mentioned at A above where the presence of binocular vision is essential squint even if the visual acuity is of the prescribed standard should be considered as a disqualification. For other Services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(c) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has sub-normal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit, such persons provided the normal eye has :

- (i) 6/6 distant vision and JI near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.
- (ii) has full field of vision.
- (iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

The above relaxed standard of visual acuity will NOT apply to candidates for Posts/Services classified as "TECHNICAL".

NOTE (7) Contact Lenses.—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed.

NOTE (8) It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15-foot candles.

NOTE (9) It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidate for special reasons.

7. Blood pressure.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- (i) With young subjects 15–25 years of age the average is about 100 plus the age.
- (ii) With subjects over 25 years of age general rule 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm. and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro cardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be free from clother to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to above 200 m.m. Hg and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standards of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the Glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialists will carry out whatever examinations, clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion fit or unfit. The candidate will not be required to appear in

person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case, it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : Provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services, other than Indian Railway Stores Services, the Military Engineer Services, the Indian Telecommunication Service Group A, Central Engineering Service Group A, Central Electrical Engineering Service Group A and the Border Roads Engineering Service Group 'A'. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

1	2	3
(1) Marked or total deafness	Fit for non-technical in one ear other being jobs if the deafness normal.	is upto 30 decible in higher frequency.
(2) Perceptive deafness in both ears in which some technical and non-improvement is possible	technical jobs if the deafness is upto 30 decible in speech fre- quencies of 1000 to 4000.	Fit in respect of both ears
(3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type.	(i) One ear normal other ear perforation or tympanic membrane present—Temporarily unfit under improved Conditions of Ear Sur- gery	a candidate with

1	2	3	
		marginal or other Perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.	(b) that his/her speech is without impediment;
		(ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.	(c) that his/her teeth are in good order and he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth) will be considered as sound;
		(iii) Central Perforation both ears Temporarily unfit.	(d) that the chest is well formed and his chest expansion is sufficient; and that his heart and lungs are sound;
(4)	Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.	(i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both, technical and non-technical jobs.	(e) that there is no evidence of any abdominal disease;
		(ii) Mastoid cavity of both sides— Unfit for technical jobs—Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.	(f) that he is not ruptured;
		Temporarily Unfit for both technical and non technical jobs.	(g) that he does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;
			(h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;
			(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
			(j) that there is no congenital malformation or defect;
			(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
			(l) that he bears marks of efficient vaccination;
			(m) that he is free from communicable disease.
(5)	Persistantly discharging ear operated/unoperated.		11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.
(6)	Chronic Inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.	(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.	In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration; the Chairman of the Board may consult a Hospital psychiatrist psychologist etc.
(7)	Chronic Inflammatory conditions of tonsils and or Larynx.	(ii) If deviated nasal septum is present with Symptoms— Temporarily Unfit.	When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not, it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.
(8)	Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.	(i) Benign Tumours—Temporarily Unfit.	12. The Candidates who desire to file an appeal against the decision of the Medical Board are required to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such a manner as may be prescribed by the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board) in this behalf. This fee will be refundable only to those candidates who are declared fit by the Appellate Medical Board whereas in the case of others it will be forfeited. Alongwith appeal the candidate must submit a medical certificate by a registered doctor specifically mentioning that he is aware of the candidate having been declared unfit by a Medical Board. Candidates must have a copy of this certificate when they present themselves before the Medical Board. The appeals should be submitted within 21 days of the date of communication in which the decision of the first Medical Board is conveyed to the
(9)	Otosclerosis	(ii) Malignant Tumours—Unfit.	
(10)	Congenital defects of ear, nose or throat.	If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.	
		(i) If non interfering with functions—Fit.	
		(ii) Stuttering of severe degree—Unfit.	
(11)	Nasal Poly.	Temporarily Unfit,	

candidate; otherwise request for medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Board will be arranged only at candidate's own cost. No travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination of the Appellate Medical Board. Necessary action to arrange medical examination by the Appellate Medical Board will be taken by the Ministry of Railways (Railway Board) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fees within the stipulated time.

13. The decision of the Appellate Medical Board will be final and no appeal shall lie against the same.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner:—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service the ground for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared

temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

The Medical re-examination shall be deemed to be part of the 1st Medical Examination and candidates may, if they so desire, appeal against its decision.

(a) *Candidates statement and declaration*

The candidate must make the Statement required below prior to his Medical Examination and must sign the declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below:—

1 State your name in full (block letters)

.....
.....
.....
.....

2 State your age and birth place

.....

2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is, 'Yes', state the name of the race

3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism appendicitis

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?

.....
.....
.....

4. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause

.....
.....
.....

5. Furnish the following particulars concerning your family:—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death.
(1)	(2)	(3)	(4)

—	—	—	—
—	—	—	—
—	—	—	—
—	—	—	—

6. Have you been examined by a Medical Board before?

7. If answer to the above is Yes, please state what Service(s)/post(s) you were examined for?

8. Who was the examining authority?

9. When and where was the Medical Board held?

10. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known

I declared all the above answers to be, to the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature.....
Signed in my presence
Signature of Chairman of the Board

Note—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (name of candidate)
Physical examination.

1. General development (dt.....)	Good
Fair	Poor
Average	Nutrition: Thin.....
Average	Obese
Average	Height (without shoes)
Average	Weight
Average	Best Weight

When ?	Any recent change in weight
temperature	
Girth of chest :—	
(1) (After full inspiration)	
(2) (After full expiration)	
2. Skin. Any obvious disease	
3. Eyes	
(1) Any disease	
(2) Night Blindness	
(3) Defect in colour vision	
(4) Field of vision	
(5) Visual acuity	
(6) Fundus Examination	

					glasses
Acuity of Vision	Naked eye	With glasses	SPh.	Cyl.	Axis
Distant vision			R.E.		
			L.E.		
Near vision			R.E.		
			L.E.		
Hypermetropia (Manifest)			R.E.		
			L.E.		

4. Ears : Inspection Hearing Right
Ear Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs.

If yes, explain fully

.....

8. Circulatory system :

Rate	Standing
After hopping 25 times	
	Two minutes after hopping
(b) Blood Pressure : Systolic	
Diastolic	

9. Abdomen : Girth Tenderness
 Hernia

(a) Palpable (100%) Specm (100%)

Kidneys.....

'Tumours'.....

(b) Haemorrhoids Fistula

isabilities

12 (a) Urinary System Any evidence of Hydrocele, varicocele etc., Urine analysis

- (a) Physical Appearance
- (b) Sp. Gr
- (c) Albumen
- (d) Sugar
- (e) Casts
- (f) Cells

13 Report of X-Ray Examination of Chest

14. Is there anything in the health of candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Service for which he is a candidate

NOTE:—In the case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, *vide* Regulation 9

15 For which Services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit?

Is the candidate fit for Field Service?

NOTE The Board should record their findings under one of the following categories —

- (i) Fit
- (ii) Unfit on account of

President
Member.

Place..

Date

APPENDIX III

BRIEF PARTICULARS RELATING TO THE SERVICES/POSTS TO WHICH RECRUITMENT IS BEING MADE ON THE RESULTS OF THIS EXAMINATION

1. INDIAN RAILWAY SERVICE OF ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF ELECTRICAL ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF SIGNAL ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS AND INDIAN RAILWAY STORES SERVICE

(a) **Probation.**—Candidates recruited to these Services will be on probation for a period of three years during which they will undergo training for two years and put in a minimum of one year's probation in a working post if the period of training has to be extended in any case, due to the training having not been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended. Even if the work during the period of probation in the

working post is found not to be satisfactory, the total period of probation will be extended as considered necessary by the Government

(b) **Training.**—All the probationers will be required to undergo training for a period of two years in accordance with the prescribed training syllabus for the particular Service/post at such places and in such manner and pass such examinations during this period as the Government may determine from time to time

(c) **Termination of appointment.**—(i) The appointment of probationers can be terminated by three months' notice in writing on either side during the period of probation. Such notice is not, however required in case of dismissal or removal as disciplinary measure after compliance with the provisions of clause (2) of Article 311 of the Constitution and compulsory retirement due to mental or physical incapacity. The Government, however, reserve the right to terminate the services forthwith

(ii) If in the opinion of the Government the work or conduct of a probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(iii) Failure to pass the departmental examination may result in termination of services. Failure to pass the examination in Hindi of an approved standard within the period of probation shall be liable to termination of services

(d) **Confirmation.**—On the satisfactory completion of the period of probation and on passing all the prescribed departmental and Hindi examinations, the probationers will be confirmed in the Junior Scale of the Service if they are considered fit for appointment in all respects

(e) *Scales of pay.*

(i) **Junior Scale** :— 2200-75-2800-EB-100-4000.

(ii) **Senior Scale** :—Rs. 3000-100-3500-125-4500.

(iii) **Junior Administrative Grade** :—Rs. 3700-125-4700-150-5000

(iv) **Senior Administrative Grade** :—Rs. 5900-200-6700.

In addition there are super-time scale posts carrying pay between Rs. 5900/- and Rs. 8000/- to which the officers of the above Services are eligible

A probationer will start on the minimum of Junior Scale and will be permitted to count the period spent in probation towards leave, pension and increments in time scale.

Dearness and other allowances will be admissible in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time

Failure to pass the departmental and other examinations during the period of probation may result in stoppage or postponement of increments.

(f) *Refund of the cost of training* :—If for any reasons which in the opinion of the Government, are not beyond the control of the probationer, a probationer wishes to withdraw from training or probation, he shall be liable to refund the whole cost of his training and any other moneys paid to him during the period of his probation. For this purpose probationers will be required to furnish a Bond, a copy of which will be enclosed along with their offers of appointment. The probationers permitted to apply for examination for appointment to Indian Administrative Service, Indian Foreign Service etc. will not however, be required to refund the cost of the training.

(g) *Leave* :—Officers of the Service will be eligible for leave in accordance with the Leave Rules in force from time to time.

(h) *Medical attendance* :—Officers will be eligible for medical attendance and treatment in accordance with the Rules in force from time to time.

(i) *Passes and Privilege Ticket Orders* :—Officers will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(j) *Provident Fund and Pensions* :—Candidates recruited to the Service will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non contributory) under the rules of that Fund in accordance from time to time.

(k) Candidates recruited to the Services/Posts are liable to serve in any Railway or Project in or out of India.

(l) *Liability to serve in Defence Services* :—The probationers appointed shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training if any:

Provided that such person :—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

2. CENTRAL ENGINEERING SERVICE GROUP A AND CENTRAL ELECTRICAL & MECHANICAL ENGINEERING SERVICE, GROUP A

(a) The selected candidates will be appointed on probation for two years. They would be required to pass the prescribed departmental examination during the period of probation. On satisfactory completion of their probation

they would be considered for confirmation or continuance in their appointment if permanent posts are available. Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of opinion that the officer is not fit for permanent employment/retention or is at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that the officer will not be fit for permanent appointment/retention on the expiration of such period or extension they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

(b) As things stand at present, all officers appointed to Central Engineering Services Group 'A' are eligible for promotion to the next higher grade viz., Executive Engineer after completion of five years service in the grade of Assistant Executive Engineer, subject to availability of vacancies and on condition that they are otherwise found fit for such promotion.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any:

Provided that such person :—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) the following are the rates of pay admissible :—

(i) J.I.S. (A.R.E.) Rs. 1200-75-2800-EB-100-4000

(ii) S.T.S. (E.E.) Rs. 3000-100-3500-125-4500

(iii) Junior Administrative Grade (S.E.).

(a) Ordinary Grade Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(b) Selection Grade Rs. 4500-150-5700.

(iv) Senior Administrative Grade (C.R.) Rs. 5900-200-6700.

(v) Super time Scale

Additional D.G.	Rs. 7300—7600	These Posts are common to all the three disciplines i.e. Civil, Electrical and Mechanical and Architectural.
D.G(W)	Rs. 8000 fixed	

NOTE.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(I).

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Central Engineering Service (Group A) and Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Group A).

(i) *Central Engineering Service Group A*

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works (of Central Government) comprising residential buildings, office buildings, institutional and research centres, industrial buildings, hospitals and development schemes, aerodromes, highways and bridges etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

(ii) *Central Electrical and Mechanical Engineering Service Group A*

Candidates recruited to this Service Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of electrical components of various civil works (of Central Government) comprising of electrical installations, electric substations and power houses, air-conditioning and refrigeration, runway lighting of aerodromes, operation of mechanical workshops, procurement and upkeep of construction machinery etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers (Electrical) and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERV. OF GROUP A

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of 2 years. The period of probation may be reduced or extended by the Government on the recommendation of Director General, Ordnance Factories/Chairman, O.F. Board. Probationer will undergo such practical training as may be provided by the Government and may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. The language test will be a test in Hindi.

On the conclusion of his period of probation Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period of probation his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit.

(b) (i) Selected candidates shall if so required be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training if any; provided that such persons (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidate shall also be subject to Civilians in Defence Service (Field Liability) Rules, 1957, published under S.R.O. No. 92, dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the Scales of Pay admissible :—

Jr. Time Scale	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
Sr. Time Scale	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
Jr. Admin. Grade (OG)	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
Jr. Admin. Grade (S.G.)	Rs. 4500-150-5700.
Sr. Admin. Grade	Rs. 5900-200-6700.
Sr. General Manager	Rs. 7300-100-7600.
Addl. DGOF/Member, OFB	Rs. 7300-200-7500-250-8000.
DGOF/Chairman, OFB	Rs. 8000.

NOTE.—The pay of Government servant who held a permanent post, other than a tempo post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of Ministry of Defence O.M. No. 13(6)/64/D(Appts.) 1951/D(Civ-1) dated the 25th November, 1955 as amended from time to time.

(a) Probationers are required to undergo Foundational course at Mussoorie/Nagpur.

(b) A probationer so recruited shall have to execute a bond before joining the service.

INDIAN TELE-COMMUNICATION SERVICE. GROUP A

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment if permanent vacancies are available or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory. Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officer will be required to pass any departmental examination or examination that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Officer will also be required to pass professional and language test.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Scale : Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

Senior Scale : Rs. 3000-100-3500-125-4500.

Junior Administrative Grade : Rs. 3700-125-4700-150-5000.

Selection Grade JAG : Rs. 4500-150-5700.

Senior Administrative Grade : Rs. 5900-200-6700.

NOTE :—The pay of a Government Servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(I).

In case the substantive pay is or exceeds Rs. 2350 an officer in the Junior Scale of Indian Telecommunication Service Group A will not draw any increment till he passes the departmental examination.

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Indian Telecommunication Service (Group A).

Assistant Divisional Officer Engineering

Assistant Divisional Officer Engineering will be Incharge of a Telegraphs/Telephones Engineering Sub-Division. In-charge of Carrier VFT, Coaxial Microwave, Long Distance, Electrical and Wireless and will work generally under a Divisional Engineer. They may also attend to Project Organisation to carry out installation/construction job of various Telecommunication works.

Division Officer Engineering

Divisional Officers Engineering are placed Incharge of Telegraphs/Telephones Engineering Division including Long Distance, Coaxial, Microwave maintenance Divisions and Wireless Divisions. They will be fully responsible for the maintenance of the Telegraphs and Telephones equipments in their charge and will also execute work within their Division. When Divisional Officers Engineering are attached to Project Organisations they will be required to do construction/installation job in the unit.

Junior Administrative Grade

Responsible for administration of Telecommunication assets in the Telecommunication Circles and Telephone Districts and administration and Planning of Telecommunication installations research and development in Telecommunication systems etc. Overall incharge of management and administration of Minor Telephone District, Telecommunication Circles etc.

Senior Administrative Grade

Head of Telecommunications Circle/Telephone District/Project Circle/Telecommunication Maintenance Region responsible for the overall management and administration of his charge. General Managers Telecom Commission provides the top level assistance to the Telecom Commission in framing policy and in overall administration. Chief General Manager Telecom Engineering Centre and General Manager, Telecom Engineering Centre responsible for overall research activities of the Telecommunication Engineering Centre.

5. CENTRAL WATER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE

(i) Persons recruited to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the Central Water Commission shall be on probation for a period of two years.

Provided that the Government may, where necessary, extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation the candidates may be required by the Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examination and tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.

(ii) Any person appointed on the result of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Services or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :

Provided that such person :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) The officers appointed to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to higher grade of Deputy Director/Executive Engineer/Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade /

Director/Superintending Engineer (Selection Grade), a new Engineer/Member/Chairman & *W.C.* after fulfilling the prescribed conditions.

(iv) The scales of pay for Group 'A' Engineering posts in Central Water Commission are as follows :

(Civil and Mechanical Posts in the Central Water Commission).

1. Assistant Director/Assistant Executive Engineer	Rs. 2200-75-2800-BB 100-4000.
2. Deputy Director/Executive Engineer	Rs. 3000-100-3500-125 4500.
3. Superintending Engineer/ Director (Ordinary Grade)	Rs. 3700-125-4700-150 5000.
4. Director/Superintending Engineer(Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700.
5. Chief Engineer	Rs. 5900-200-6700
6. Member, CWC/ Chairman GFCC	Rs. 7300-100-7600
7. Chairman, CWC	Rs. 8000 (fixed)

(v) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Central Water Engineering (Group A) Service.

Assistant Director (Civil and Mechanical)

Planning, Surveys, investigation and design of projects including preparation of estimates, reports etc., for the conservation and regulation of water resources for the development of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood control and other purposes.

Assistant Executive Engineer (Civil and Mechanical)

Responsible for the Sub-Division or other units of works allotted to him. He is required to maintain accounts records of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood with certain accompaniments for each work in progress in the Sub-Division. He is responsible for the correct maintenance of measurement books, muster rolls and other records under his charge in accordance with the prescribed rules, etc.

6. CENTRAL POWER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE

(i) Description of the Organisation

The Central Electricity Authority was constituted under Section 3(1) of the Electricity (Supply) Act, 1948, and is vested with the responsibility to develop a strong adequate and uniform national Power Policy to co-ordinate the activities of the Planning agencies in relation to the control and utilization of the National Power resources. All the Power Schemes (Generation, Transmission Distribution and Utilization of Power Supply) in the country are scrutinised in the Central Electricity Authority in respect of feasibility technical analysis, economic viability, etc, to ensure that the schemes would fit into the overall development of the States as well as the Region and will conform the overall context of Nation economy. The organisation occupies pivotal position in the development of national economy, power providing its main

(ii) Description of the grade to which the recruitment is made through the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission.

Fourty percent of posts in the grade of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the scale of Rs. 2200-75-28 are filled by direct recruitment on the results of the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission annually.

Persons appointed to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineer of the Central Power Engineers (Group A) shall be on probation for a period of two years provided that the Government may, where necessary extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof, as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation, the candidates may be required by the Government to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as it may think fit, as a condition to satisfactory completion of probation.

Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Services or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any. Provided that such person—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) Promotion to higher grades

The officers appointed to the posts of Assistant Director/Assistant executive Engineers are eligible for promotion to higher grade viz., Deputy Director/Executive Engineer/ Director/Superintending Engineer (Ordinary Grade), Director/Superintending Engineer (Selection Grade), Deputy Chief Engineer and Chief Engineer subject to availability of vacancies in the grades concerned, after fulfilling the conditions laid down in the Central Power Engineering (Group A) Service.

(iv) Scale of pay

The scale of pay for the posts of the Central Power Engineering (Group A) Services in the Central Electricity Authority are as follows :—

Electrical, Mechanical and Tele-communication posts in the Central Electricity Authority :—

Name of the Post	Pay Scale
1. Assistant Director/ Assistant Ex-Engineer	Rs. 2200-75-2800-EB- 100-4000.
2. Dy. Director/Ex-Engineer	Rs. 3000-100-3500-125- 4500.
3. Director/Sup.-Engineer	Rs. 3700-125-4700-150- 5000.
4. Dy. Chief Engineer	Rs. 4500-150-5700.
5. Chief Engineer/Member Secretary.	Rs. 5900-200-6700.

NOTE : For purpose of fixation of pay on promotion from the grade of Assistant Director/Assistant Executive Engineer to that of Deputy Director/Executive Engineer, Concordance Tables adopted on the recommendations of the Fourth Pay Commission, are applicable to the members of this Service.

(v) Duties and responsibilities

Nature of duties and responsibilities attached to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineer are :—

Collection, compilation and co-relation of technical data required for dealing with various types of problems in the fields of power development. He is also required to deal with cases and handle matters in relation thereto including erection, operation, maintenance of Hydro and Thermal Power Projects as well as Transmission and Distribution/Power Systems, studying project reports, providing assistance in preparation of power plans, designs or projects etc. While working in field Units, he is responsible for the Sub-Division or other works allotted to him.

7. POSTS IN THE GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA—

Persons recruited to the posts of Drilling Engineer (Junior) and Mechanical Engineer (Junior) (Group A posts) in the Geological Survey of India in a temporary capacity will be on probation for a period of two years. Retention in service for a further period over two years will depend on assessment of their work during the period of probation. This period may be extended at the discretion of the Government. They will receive pay in the time scale of Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/- On completion of their period of probation satisfactorily, if they are considered fit for permanent appointment they will be considered for confirmation according to rules subject to the availability of substantive vacancies.

The persons appointed to the posts of Drilling Engineer (Junior) and Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period of training, if any—

Provided that such a person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as Drilling Engineer (Junior) or Mechanical Engineer (Junior) Geological Survey of India, and
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

The following is the field of promotion open to those found fit according to the rules and instructions on the subject :—

A—For Drilling Engineer (Junior) Group 'A'—Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/-.

- (i) Drilling Engineer (Senior)—Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.
- (ii) Director (Drilling)—Rs. 3700-125-4700-150-5000.
- (iii) Deputy Director General (Engineering Services)—Rs. 5900-200-6700/-.
- (iv) Sr. Deputy Director General—Rs. 7300-100-7600.

B—For Mechanical Engineer (Junior) (Group A)—Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/-.

- (i) Mechanical Engineer (Senior)—Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.
- (ii) Director (Mechanical Engineering)—Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.
- (iii) Deputy Director General (Engineering Services)—Rs. 5900-200-6700/-.
- (iv) Sr. Deputy Director General—Rs. 7300-100-7600/-.

The Officers recruited in the Geological Survey of India will be required to serve anywhere in India or outside the country.

NOTE :—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(I).

Nature of duties & responsibilities attached to the posts in Geological Survey of India Mechanical Engineer (Junior)

Maintenance & repairs of drills, vehicles & other equipment, allotment of drivers & vehicles for various field duties and assignment, scrutiny and maintenance of P.S.L. issues and records, log books, history sheets etc.

Drilling Engineer (Junior)

Carrying out drilling operation in connection with mineral exploration with one or more drilling rigs, ensuring optimum percentage of core recovery, upkeep of machinery and vehicles deployed in good order security of Government Stores and imprest placed at his disposal, maintenance of stores and cash accounts and looking after the welfare of staff employed under him.

8 ENGINEERS (GROUP A) IN THE WIRELESS PLANNING AND COORDINATION WING/MONITORING ORGANISATION, MINISTRY OF COMMUNICATIONS (DEPARTMENT OF TELE-COMMUNICATIONS)

(a) Scale of pay Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-.

(b) The incumbent of the post of Engineer is eligible for promotion against 100% of the vacancies in the grade of Assistant Wireless Adviser, Wireless Planning and Coordination Wing Engineer-in-Charge Monitoring Organisation (Scale of Pay Rs. 3000-100-3500-125-4500 plus Rs. 100/- per month as special pay for the post of Assistant Wireless Adviser) after putting in five years service in the grade. Promotion to the grade of Assistant Wireless Adviser Engineer-in-charge will be on the basis of their selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee as constituted for Group A posts.

All Assistant Wireless Adviser and Engineer-in-charge with 5 years service in the Grade of Assistant Wireless Adviser / Engineer-in-charge are eligible for being considered for promotion as Deputy Wireless Adviser (Scale Rs. 3700-125-4700-150-5000). The vacancies in the grade of Deputy Wireless Adviser are filled 100% by promotion on the basis of selection on the recommendations of the DPC as constituted for Group A posts.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

(c) The person appointed to the post of Engineer is liable to be posted anywhere in India.

(d) Any person appointed to the post of Engineer shall if so required be liable to serve in any Defence service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such a person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
 - (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (e) Nature of Duties and Responsibilities Attached to the Posts.

- (i) Supervision guidance and training of staff in the different units of the WPC Wing/Wireless Monitoring Organisation.
- (ii) Installation, calibration, testing and maintenance of various categories of electronic equipment, antennae and ancillaries employed in radio frequency monitoring, covering the entire radio frequency spectrum and various types of emissions.
- (iii) Licensing and inspection of wireless installations of the various user departments/organisations for different types of the radio communication services.
- (iv) All aspects relating to national and international co-ordination for the use of radio frequency spectrum and geostationary satellite orbit, including preparation of allocation plans, establishment of relevant technical standards, type-approval of equipment, studies of electromagnetic interference/compatibility etc.
- (v) Administration of Internal Radio Regulations including formulation and implementation of corresponding national rules and regulations.
- (vi) Conducting of examinations for Certificate of Proficiency/Radio Amateurs etc. and issuing of respective licences.
- (vii) Research and development work relevant to radio frequency management and monitoring.
- (viii) National level preparation for the conference and meeting of International Telecommunication Union, and as appropriate, of other international/regional organisations dealing with telecommunications.

9. CENTRAL ENGINEERING SERVICE (ROADS), GROUP A

(a) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineer on probation for two years. On the completion of the period of probation, if they are considered fit for permanent appointments, they will be confirmed as Assistant Executive Engineer if permanent vacancies are available. The Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of the opinion that an Assistant Executive Engineer is not fit for permanent employment or if at any time during such period of probation or extension they are satisfied that an Assistant Executive Engineer will not be fit for permanent appointment on the expiration of such periods of extension, they may discharge the Assistant Executive Engineer or pass such orders as they think fit.

The officers will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the scales of pay admissible :

Assistant Executive Engineer—Rs. 2200—75—2800—EB-100—4000/-.

Executive Engineer—Rs. 3000—100—3500—125—4500/-.

Superintending Engineer—Rs. 3700—125—4700—150—5000.

Superintending Engineer (Selection Grade)—Rs. 4500—150—5700.

Chief Engineer—

Rs. 5900—200—6700/-.

Additional Director General (Road/Bridges)—Rs. 7300—100—7600/-.

Director General (Roads Development and Additions) Secretary—Rs. 7300—200—7500—250—8000/-.

NOTE The pay of Government Servant, Who held a permanent post other than a tenure post in substantive capacity prior to his appointment as a probationer in the Central Engineering Services, Group A/Group B will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(1).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in Central Engineering Service (Roads) Group A.

To assist the senior technical officers at Headquarters and in the Regional Offices etc. of the Roads Wing, Ministry of Shipping and Transport in planning, preparing designs and estimates of Roads—Bridge works and scrutiny of proposals for such works received from the States and/or in procurement and upkeep of Central machinery.

10. INDIAN BROADCASTING (ENGINEERS) SERVICE, MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING.

(a) Every officer on appointment to the Service either by direct recruitment or by promotion in Junior Scale shall be on probation for a period of two years.

(i) Provided that the Controlling Authority may extend or curtail the period of probation in accordance with the instructions issued by Government from time to time.

(ii) Provided further that any decision for extension of a probation period shall be taken within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing within the said period.

(iii) On completion of the period of probation or any extension thereof. Officers shall, if considered fit for permanent appointment, be retained in their appointments on regular basis and be confirmed in due course against the available substantive vacancies, as the case may be.

(iv) if, during the period of probation or any extension thereof, as the case may be Govt. is of opinion that an officer is not fit for permanent appointment in Government it may discharge or revert the candidate to the post held by him prior to his appointment in the Service, as the case may be or pass such orders as they deem fit.

(v) During the period of probation or any extension thereof candidates may be required by Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests (including examination in Hindi) as Govt. may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

(b) appointment to the Service :—All appointments to the service shall be made by the Controlling Authority for all the posts in various grades of the Service whether in 'Akashvani' or in 'Door-darshan'.

(c) Liability for service in any part of India and other conditions of service :—

(I) Officers appointed to the Service shall be liable to serve anywhere in India or outside.

(II) Any officer appointed to the Service, if so required, shall be liable to serve in any Defence Service or a post connected with the defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any, provided that such officers :

(i) Shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of his appointment to the Service or from the date of his joining prior to the initial constitution of the Services.

(ii) Shall not ordinarily be required to serve as aforesaid if he has attained the age of 40 years.

(d) The conditions of service of the members of the Service in respect of matters for which no provision is made in these rules shall be the same as are applicable from time to time, to officers of Central Civil Services in general.

The following are the scales of pay admissible :—

1. Junior Scale	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
2. Senior Scale	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
3. Junior Administrative Grade.	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
4. Junior Administrative Grade (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700
5. Senior Administrative Grade.	Rs. 5900-200-6700
6. Engineer-in-Chief	Rs. 7300-100-7600

Nature of Duties and responsibilities attached to the Post of Junior Scale of Indian Broadcasting (Engineers) Service (Group 'A'), Designs, installation, operation and maintenance of Broadcast and TV studios and transmitters. Responsibility for the supervision of the work of subordinate Engineers.

11. ASSISTANT ENGINEER (GROUP B) (CIVIL AND ELECTRICAL), CIVIL CONSTRUCTION WING, ALL INDIA RADIO, MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING.

- (a) Appointment will be made on probation for a period of two years.
- (b) (i) An Officer appointed to the post will be liable to serve anywhere in India and also will be liable to transfer at any time to serve under a public corporation and on such transfer, he will be liable to be governed by the conditions of service laid down for employees of the Corporation.
- (ii) Any person appointed to the post of Assistant Station Engineer or Assistant Engineer shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post in connection with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (c) The Government can terminate the appointment of an officer in following events without giving any notice :—(i) during or at the end of the period of probation, (ii) for insubordination, intemperance, misconduct or breach or non-performance of

any of the provisions of the rules pertaining to the service i.e. the time being in force, (iii) if he is found medically unfit and is likely for considerable period to continue to be so unfit by reasons of ill-health for the discharge of his duties.

In the case of temporary appointments, the service of the officer can be terminated at any time without assigning any reason by giving one month's notice on either side.

(iv) Assistant Engineer (Civil & Electrical)—Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500.

(v) Prospects of promotion to higher grades :—

(i) Assistant Engineers (Civil & Electrical), with a minimum of 8 years of regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Executive Engineer in the scale of Rs. 3000—100—3500—125—4500/-.

(ii) Executive Engineers with a minimum of 5 years of service in the grade are eligible for promotion to the grade of Superintending Engineer in the scale of Rs. 3700—125—4700—150—5000/-.

The candidates, in the course of their service are promoted to various service ranks in the department as per recruitment rules in existence.

NOTE.—The remaining conditions of service such as leave, travelling allowance on transfers/tour, joining time/joining time pay, medical facilities, travel concession, pension and gratuity, control and discipline etc. will be as applicable to other Central Government employees of similar status.

(f) **Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Engineer (Civil & Electrical) :** To execute the works according to the norms and standards laid down for the same in designs and drawings.

12. ASSISTANT EXECUTIVE ENGINEER IN P&T CIVIL ENGINEERING WING—

- (a) The candidates will be appointed on probation for a period of two years. They will be required to undergo a training as prescribed. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer appointed on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment if permanent vacancies are available and if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may, either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period at the Government may think fit.

Officers will be required to pass the departmental examination or examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi.

(b) An officer appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such persons—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

Group B Assistant Engineer (Civil/Electrical) Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.

Group A :

- (i) Assistant Executive Engineer (Civil/Electrical) Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
- (ii) Executive Engineer/Surveyor of Works (Civil/Electrical) Rs. 3000-100-3500-125-4500.
- (iii) Superintending Engineer/Superintending Surveyor of Works (Civil/Electrical) Rs. 3700-125-4700-150-5000.
- (iv) Chief Engineer (Civil) Rs. 5100-150-5700.
- (v) Chief Engineer (Civil/(Electrical) Rs. 5900-200-6700.

(i) Nature of duties and responsibilities attached to the post in P&T Civil Wing are as follows :—

Candidates recruited to P&T Civil Wing through Engineering Services Examination are employed in Planning Designing, Construction and Maintenance of various civil works of P&T Department comprising of Residential Building Office Buildings, Telephone Exchange Buildings, Post Office Buildings, Factories, store and training centres etc. The candidates start their service in the department as Asstt. Executive Engineers/Asstt. Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the department.

13. POST OF ASSISTANT DEVELOPMENT OFFICER (ENGINEERING) IN THE DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL DEVELOPMENT :—

(a) Persons recruited to the post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development will be on probation for a period of two years.

(b) The scale of pay of this Group A Gazetted post is Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

(c) Assistant Development Officers with 5-years service in the grade are eligible for promotion to the post of Development Officer in the Directorate General of Technical Development in the scale of pay of Rs. 3000-100-3500-125-4500. 90% of the post in the cadre of Development Officer are filled by promotion. Development Officers are eligible for promotion as Additional Industrial Adviser in the

scale of pay of Rs. 4100-125-4850-150-5300. Additional Industrial Advisers are eligible for promotion to the post of Industrial Adviser (Rs. 4500-150-5700). Industrial Advisers are eligible for promotion to the post of Deputy Director General (Rs. 5900-200-7300) and Deputy Director Generals in turn are eligible for promotion to the post of Secretary (TD) & DG (TD).

(d) Any person appointed on the result of this competitive examination shall if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than 4 years including the period spent on training, if any.

Provided that such persons—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointments;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years;
- (e) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Development Officer—

He is required to assist the Development Officer in the development of industries in the respective divisions viz. Mechanical Engineering, Industrial Machinery, Machine Tools, Electrical Engineering, Automobile, Electronic Engineering Industries etc

14. POST OF WORKSHOP OFFICER IN THE CORPS OF EME, MINISTRY OF DEFENCE :—

(a) Persons recruited to the post of Workshop Officer in the Corps of EME will be on probation for a period of two years.

(b) Candidates appointed to the post will be liable to serve anywhere in India.

(c) The following are the scales of pay admissible :—

(i) Workshop Officer Group B—Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.

(ii) Workshop Officer Group A—Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

(iii) Senior Workshop Officer—Rs. 3000-100-3500-125-4500.

(iv) Workshop Superintendent—Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(v) Workshop Superintendent (Selection Grade)—Rs. 4500-150-5700.

(d) Duties—To function as an incharge of a section undertaking repairs of 'A', 'B' and 'C' Vehicles, Guns, Wireless and Radar Equipment and Instruments, will be required to work as Workshop Officer in EME Army Base Workshops/Station Workshops and/or Staff EME (Extra-Regimental Employment) appointments in lieu of captain (EME) or as Instructor in EME Training Establishments including administrative duties

- (e) The posts are non-pensionable in the initial stage, but become pensionable if and when made permanent. However, if a person holding a permanent pensionable post under Government is appointed he will continue to enjoy his pensionary status.
- (f) Candidates selected for the post are bounded for field service liability and should possess medical category I (one).
- (g) The officers have chances of further studies like M. Tech., specialization in various disciplines viz. Radar, communication, tanks and guns etc. and various courses in foreign countries.

13 INDIAN SUPPLY SERVICE/INDIAN INSPECTION SERVICE :—

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. On completion of the period of probation the officers, if considered fit for permanent appointment, will be confirmed in their appointments subject to availability of permanent posts. The Government may extend the period of two years of probation.

If on the expiry of the period of probation or any extension thereof, the Government are of the opinion that an officer is not fit for permanent employment, or if at any time during such period of probation or extension thereof they are satisfied that any officer will not be fit for permanent appointment on the expiry of such period or extension thereof they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

The officer will also be required to pass a prescribed test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :—

Provided that such persons —

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the scales of pay admissible :—

Junior Scale

Assistant Director (Grade I) Scale Rs. 2200—75—2800—EB—100—4000.

Senior Scale

Deputy Director Scale Rs. 3000—100—3500—125—4500.

Junior Administrative Grade (Ordinary)

Director Scale Rs. 3700—125—4700—150—5000.

*Junior Administrative Grade (Selection Grade)
(Non-Functional)*

Deputy Director General Scale Rs. 4500—150—5700.

Senior Administrative Grade

Additional Director General Scale Rs. 5400—200—6700.

NOTE :—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to this appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of P.R. 22-B(1).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Indian Supply Service Group A/Indian Inspection Service Group 'A'.

INDIAN SUPPLY SERVICE GROUP 'A'

The main item of work of the officers of the Indian Supply Service is the purchase of stores as also disposal of surplus stores on behalf of Government of India/Public Sector Undertakings etc. The officers of the Indian Supply Service are expected to possess requisite technical backgrounds to deal with the diversified nature of indents placed on the DGS & D and the Supply Wings of Embassies, High Commissions abroad.

INDIAN INSPECTION SERVICE (GROUP A)

Inspection and test of Engineering articles and materials, and stores of allied nature, supervision of Junior Officers' work and ensuring that they are adequately instructed on their work and duties : personal attention to work of importance, drafting of Technical reports, specification and Schedules of requirements and checking of the technical particulars of indents for engineering stores, rendering of technical advice and assistance in engineering matters to offices of other branches of the Department, indentors and manufacturers.

16. BORDER ROADS ENGINEERING SERVICE

Group 'A'

(i) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineers on probation for a period of two years. The probationer during the probation period may be required to pass such departmental tests as Government may prescribe. At any time during the period of probation or on conclusion thereof, if his work and conduct has in the

opinion of the Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further period as Government may consider fit.

(ii) The selected candidates shall be liable to serve in any part of India or outside including the field area in war and in peace. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down for the field service.

(iii) The following are the scales of pay admissible to them :—

Assistant Executive Engineer—Rs. 2200—75—2800—EB—100—4000.

Executive Engineer—Rs. 3000—100—3500—125—4500.

Superintending Engineer—Rs. 3700—125—4700—150—5000.

Chief Engineer—Rs. 5900—200—6700.

(iv) The officers appointed to the post of Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to the higher grades of Executive Engineer, Superintending Engineer, Chief Engineer (applicable to officers on the Civil Engineering side only) after fulfilling the prescribed conditions.

No post of Chief Engineer exists at present on the Mechanical Engineering side.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above are those minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

(v) The Officers appointed to the service are entitled to special compensatory allowance and free ration at prescribed scales when employed in certain specified areas besides the other usual allowances such as H.R.A. and C.C.A. etc., as admissible to Central Government Servants. They are also entitled to outfit allowances for the uniform.

(vi) The Officers appointed to the Border Roads Engineering Service Group 'A' post would also be subject to Army Act, 1950 for the purpose of discipline.

(vii) Ladies are ineligible for appointment in Border Roads Engineering Service Group A in view of the extension of the provisions of Section 12 of the Army Act to this Service.

17. POSTS OF ASSISTANT MANAGER (FACTORIES) GROUP A IN THE P & T TELECOM. FACTORIES ORGANISATION :—

(i) Persons recruited to the post of Assistant Manager (Factories) in the scale of pay of Rs. 2200—4000/- shall be on a probation for a period of 2 years.

(ii) During the period of probation, the candidate shall be required to undergo practical training in accordance with the programme of training that may be prescribed by the Central Government from time to time and are required to pass a professional examination and a test in Hindi.

(iii) Any person appointed to the post of Assistant Manager (Factories) shall, if so required to liable to serve in the Defence Services or posts connected with the Defence of India, for a period not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iv) Prospects of promotion to higher grades :

(a) Assistant Managers with a minimum of 5 years of a regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Senior Engineer (Sr. Time Scale) in the scale of Rs. 3000—4500/-.

(b) Senior Engineers with a minimum of 5 years of service in the grade are eligible for promotion to the grade of Deputy General Manager/Manager (Factories) in Jr. Admin Grade in the scale of pay of Rs. 3700—5000/-.

(c) Deputy General Manager/Manager with 5 years regular service rendered in the grade are eligible for promotion to the Non-Functional Selection grade of Dy. General Manager/ Manager (Selection Grade), Telecom Factory in the scale of Rs. 4500—5700.

(d) Dy. General Manager/Manager with 8 years regular service in Junior Administrative Grade (including service, if any, in the Non-functional Selection Grade) or 17 years of regular service in Group 'A' Post, out of which at least 4 years regular service should be in the JAG Grade (including service, if any, in the Non-functional Selection Grade) are eligible for promotion to the Grade of General Manager Telecom Factory in the scale of Rs. 5900—6700 (Senior Administrative Grade).

(v) Nature of duties and responsibilities attached to the posts :

Aastt. Manager—Overall supervision of two or more production/non-production units. To act as Appointing/Disciplinary Authority for various trades/cadres in Telecom. Factories.

Senior Engineer—Head of a branch viz., production planning, Development, Maintenance, Tools, etc. and to work as Appointing and Disciplinary Authority for various trades/cadres in Telecom. Factories.

Deputy General Manager/Manager—To assist the General Manager in day-to-day work of general administration, production, discipline, planning etc.

In-charge of a Factory or Production Unit/Wing General Manager—Head of the Telecom Factory. Responsible for overall control of general administration, production, planning, discipline, etc. in the Factory.

18. SURVEY OF INDIA GROUP 'A' SERVICE

1 Appointments will be made on probation for a period of two years:

Provided that the Controlling Authority may extend the period of probation in accordance with the instructions issued by Government from time to time in this regard.

Provided further that any decision for extension of a probation period shall be taken ordinarily within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing within the said period.

On completion of the period of probation or any extension thereof, as the case may be, if the Government is of the opinion that an officer is not fit for permanent appointment, for reasons to be recorded in writing, may discharge or revert the officer to the post held by him prior to his appointment in the service, as the case may be.

During the period of probation, or any extension thereof, candidates may be required by Government to undergo such courses of training and instructions and to pass examinations and tests (including examination in Hindi) as Government may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

2. Officers appointed shall be liable to serve anywhere in India and abroad.

3. Officers appointed shall be liable to undergo such training and be detailed on courses of instructions in India or abroad as the Government may decide from time to time.

4. Any person appointed on the result of competitive examination shall if so required be liable to serve in any defence services or posts connected with defence of India for a period not less than 4 years including the period spent on training, if any, provided that such persons shall not be required:—

- (i) to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of appointment;
- (ii) ordinarily to serve as the aforesaid after attaining the age of 40 years.

5. The following are the rates of pay admissible:—

Junior Scale	Rs. 2200-75-2800-BB-100-4000.
Senior Scale	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
Junior Administrative Grade	Rs. 3700-125-4700-115-5000.
Selection Grade	
Junior Administrative Grade)	Rs. 4500-150-5700.
Senior Administrative Grade.	Rs. 5900-200-6700.

6. Nature of duties and responsibilities attached to the post of Deputy Superintending Surveyor in the Survey of India:—

The officer will be required to meet the task of surveying maps of the boarder areas and need to be updated every year to provide maps with the latest available information on the ground to various user agencies.